CMYK

इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रातः संस्करण

"यो आत्मानं वेति, सर्वं स वेति"।।

दावा

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

सम्पादक - दीपक भाई बुद्धदेव

स्वस्तिक ऑफसेट & स्क्रीन प्रिंट
उत्कृष्ट एवं कलात्मक छपाई हेतु...
पता : बल्देव बाग, राजनांदगांव मो. 93004-14726

वर्ष- 45 | अंक - 250 | राजनांदगांव, मंलगवार 28 जुलाई 2026 | पृष्ठ - 8 | मूल्य - 4.00 रुपए

नीट पेपर लीक पर पहले दिन टली सुनवाई, फास्ट ट्रैक कोर्ट नहीं पहुंचा सीबीआई का वकील

नई दिल्ली। राष्ट्रीय पात्रता सह-प्रवेश परीक्षा (नीट-स्नातक) प्रश्नपत्र लीक मामले की सुनवाई के लिए गठित त्वरित न्यायालय में सोमवार को सुनवाई होनी थी, लेकिन केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से अधिवक्ता के उपस्थित नहीं होने के कारण सुनवाई स्थगित कर दी गई। अब इस मामले की अगली सुनवाई 3 अगस्त को होगी।

यह त्वरित न्यायालय सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 के तहत नीट-स्नातक प्रश्नपत्र लीक प्रकरण की शीघ्र सुनवाई के लिए गठित किया गया है।

राउज एवेन्यू न्यायालय ने सुनवाई के दौरान अभियोजन निदेशक को निर्देश दिया कि मामले की प्रभावी पैरवी के लिए एक लोक अभियोजक की नियुक्ति की जाए, ताकि भविष्य में सुनवाई की प्रक्रिया बाधित न हो।

अब 3 अगस्त को होगी अगली सुनवाई

सोमवार को इस मामले में आरोपी विकास और दिनेश बिवाल की जमानत याचिकाओं पर भी सुनवाई प्रस्तावित थी, लेकिन केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की ओर से अधिवक्ता के उपस्थित नहीं होने के कारण इन याचिकाओं पर भी सुनवाई नहीं हो सकी।

देशभर में नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर छात्रों के विरोध-प्रदर्शनों और व्यापक जनचर्चा के बाद केंद्र सरकार ने इस मामले के आरोपितों के विरुद्ध शीघ्र न्यायिक प्रक्रिया सुनिश्चित करने के उद्देश्य से त्वरित न्यायालय के गठन का निर्णय लिया था।

सरकार सार्वजनिक परीक्षाओं में अनियमितताओं पर अंकुश लगाने के लिए जो संशोधन विधेयक ला रही है, उसमें भी त्वरित न्यायालयों की व्यवस्था का उल्लेख किया गया है, ताकि ऐसे मामलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके।

नीट प्रश्नपत्र लीक प्रकरण को लेकर देशभर के अभ्यर्थियों और अभिभावकों में लगातार चिंता बनी हुई है। ऐसे में इस मामले की आगामी सुनवाई और न्यायिक प्रक्रिया पर सभी की निगाहें टिकी हैं। अब 3 अगस्त को होने वाली सुनवाई में जमानत याचिकाओं सहित अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं पर विचार किए जाने की संभावना है।

गतिरोध खत्म, आज से पटरी पर लौटेगी संसद; सार्वजनिक परीक्षा विधेयक समेत कई मुद्दों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली। लगातार हंगामे और ठप पड़े कामकाज के बाद मंगलवार से संसद का मानसून सत्र फिर से सामान्य होने की उम्मीद है। नीट पेपर लीक और छात्रों पर पुलिस लाठीचार्ज को लेकर एक सप्ताह से पक्ष-विपक्ष के बीच का गतिरोध टूटता दिख रहा है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पहल और सभी दलों के शीर्ष नेताओं से बात के बाद सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक-2026 पर चर्चा पर सहमति बन गई है। इससे संसद का अवरुद्ध विधायी कामकाज फिर से गति पकड़ सकता है। इसके पहले दोनों सदनों में कार्यवाही बार-बार बाधित होती रही।

विपक्षी दलों से स्पीकर ने की बातचीत

गतिरोध खत्म कराने के लिए ओम बिरला सदन में लगातार सभी दलों से अपील करते रहे कि यह मुद्दा करोड़ों छात्रों के भविष्य से जुड़ा है और इस पर राजनीति के बजाय गंभीर चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि सरकार छह घंटे से अधिक समय तक चर्चा कराने के लिए तैयार है और विपक्ष को अपनी हर बात विस्तार से रखने का पूरा अवसर मिलेगा। इसके बाद उन्होंने विभिन्न दलों के फ्लोर लीडर्स से अलग-अलग बातचीत भी की। इसका असर हुआ कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों मंगलवार से विधेयक पर चर्चा शुरू करने के लिए तैयार हो गए।

किरेन रिजिजू की विपक्ष से अपील

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी विपक्ष से अपील की कि वह चर्चा से दूर न भागे। उन्होंने कहा कि देश के करोड़ों लोग संसद की कार्यवाही देख रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि सभी दल परीक्षा व्यवस्था को पारदर्शी एवं मजबूत बनाने के लिए रचनात्मक सुझाव देंगे।

रिजिजू ने स्पष्ट किया कि सरकार का उद्देश्य केवल कानून पारित कराना नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनाना है जिससे भविष्य में पेपर लीक जैसी घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

सरकार ने पेपर लीक रोकने से जुड़े मौजूदा कानून में संशोधन का विधेयक सोमवार को लोकसभा में पेश किया। विधेयक ऐसे समय में लाया गया है जब नीट परीक्षा में गड़बड़ियों के बाद देशभर में छात्रों का बड़ा आंदोलन हुआ और परीक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्न उठे।

क्या है विधेयक का उद्देश्य?

सरकार का तर्क है कि विधेयक का उद्देश्य परीक्षा माफिया पर प्रभावी नियंत्रण, नकल और संगठित पेपर लीक पर कड़ी कार्रवाई करना तथा प्रतियोगी परीक्षाओं में युवाओं का भरोसा बहाल करना है। यदि चर्चा शुरू होती है तो संसद में गतिरोध खत्म होने के साथ ही परीक्षा सुधारों पर व्यापक राष्ट्रीय बहस की भी शुरुआत होगी। सरकार इसे शिक्षा व्यवस्था में बड़ा सुधार मान रही है, जबकि विपक्ष इसे छात्रों के अधिकार, जवाबदेही और सरकारी जवाबदेही से जुड़े बड़े मुद्दे के रूप में देख रहा है। विपक्ष लगातार छात्रों पर पुलिस लाठीचार्ज का मुद्दा उठाता रहा। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

आज एनडीए सदस्यों की बैठक होगी

नई दिल्ली। संसद के मॉनसून सत्र में जारी हंगामे के बीच राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन संसदीय दल की 28 जुलाई को बैठक होने वाली है। मंगलवार सुबह 9.30 बजे प्रस्तावित 'मंगल मिलन' में नीट पेपर लीक, प्रदर्शकारी छात्रों के खिलाफ लाठीचार्ज जैसे मुद्दों पर सदन में सरकार की रणनीति को लेकर चर्चा होने की संभावना है। बीजेपी ने लोकसभा और राज्यसभा के अपने सभी सदस्यों के इसमें शामिल होने का निर्देश दिया है।

वहीं बैठक में शिवसेना, एलजेपी, टीडीपी, जेडीयू और अन्य क्षेत्रीय दलों के सांसद शामिल होंगे। बताया जा रहा है कि सायोनी घोष, युसूफ पठान सहित टीएमसी के वे 20 बागी सांसद भी बैठक में मौजूद रहेंगे जो बाद में नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया में शामिल हो गए थे।

विपक्ष हमलावर, एनडीए की बनेगी रणनीति

संसद पुस्तकालय भवन (पीएलबी) के जी.एम.सी. बालयोगी ऑडिटोरियम में होने वाली एनडीए सदस्यों की यह बैठक ऐसे समय में बुलाई गई है, जब केंद्र सरकार एंटी पेपर लीक कानून को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही है और विपक्ष जंतर-मंतर पर आंदोलित छात्रों के साथ कथित 'पुलिस बर्बरता' के मुद्दे पर सरकार को घेरने में जुटा है।

'आंदोलन का मतलब लाठीचार्ज नहीं, हिंसा भी नहीं', सुको बोला- गाइडलाइन बनाना जरूरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध करना हर नागरिक का अधिकार है और इसकी रक्षा होनी चाहिए। कोर्ट ने प्रदर्शनकारियों और पुलिस की ज्यादतियों की जांच के साथ देशभर के लिए एक समान गाइडलाइंस बनाने की जरूरत बताई।

नीट पेपर लीक के खिलाफ देशभर में हुए छात्र प्रदर्शनों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अहम टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करना हर नागरिक का अधिकार है और इस अधिकार की रक्षा की जानी चाहिए। अदालत ने स्पष्ट किया कि 'आंदोलन का मतलब लाठीचार्ज नहीं है और आंदोलन का मतलब हिंसा भी नहीं है।'

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रदर्शनों के दौरान छात्र और पुलिसकर्मी दोनों घायल हुए हैं, इसलिए प्रदर्शनकारियों के साथ-साथ पुलिस की कथित ज्यादतियों की भी जांच होनी चाहिए। कोर्ट ने ऐसे मामलों से निपटने के लिए देशभर में एक समान गाइडलाइंस बनाने की जरूरत भी बताई।

सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ 20 जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुई पुलिस कार्रवाई समेत अलग-अलग जगहों पर छात्र प्रदर्शनों से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। अब इन सभी याचिकाओं पर मंगलवार को एक साथ सुनवाई होगी।

साक्ष्यों को सुरक्षित रखने के लिए 'रिट ऑफ मैंडेमस' जारी करने की मांग

याचिकाकर्ता प्रिया मिश्रा की ओर से अधिवक्ता नरेंद्र मिश्रा द्वारा दायर जनहित याचिका में सर्वोच्च अदालत से गुहार लगाई गई है कि वह संबंधित प्राधिकारियों को 'रिट ऑफ मैंडेमस' जारी करे। इसके तहत आंदोलन स्थलों और पुलिस कार्रवाई से जुड़े सभी इलेक्ट्रॉनिक व डिजिटल साक्ष्यों को तत्काल प्रभाव से सील और संरक्षित करने के निर्देश दिए जाएं।

याचिका में सीसीटीवी फुटेज, बॉडी-वॉर्न कैमरा फुटेज, ड्रोन कैमरे की रिकॉर्डिंग, मोबाइल फोन वीडियो, पुलिस वायरलेस संचार रिकॉर्ड, कॉल लॉग, कंट्रोल रूम रिकॉर्ड, बल तैनाती संबंधी आदेश और जीपीएस रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने की मांग की गई है ताकि उनके साथ किसी प्रकार की छेड़छाड़, बदलाव या उन्हें नष्ट न किया जा सके। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

राजनांदगांव की बेटी ने बढ़ाया भारत का मान, पीएम मोदी से लेकर सीएम साय तक ने दी ज्ञानेश्वरी यादव को बधाई

रायपुर। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 (ग्लासगो) में महिला 53 किलोग्राम वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश और प्रदेश का नाम रोशन करने वाली राजनांदगांव (छत्तीसगढ़) की खिलाड़ी ज्ञानेश्वरी यादव को हर तरफ से बधाइयां और सम्मान मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ज्ञानेश्वरी को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर विशेष रूप से बधाई दी है। छत्तीसगढ़ पुलिस में सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) के पद पर पदस्थ ज्ञानेश्वरी यादव की इस शानदार कामयाबी से न केवल भारतीय खेल जगत बल्कि पूरा छत्तीसगढ़ राज्य गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

ज्ञानेश्वरी यादव की इस बड़ी सफलता पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री एवं छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष विष्णु देव साय, दुर्ग सांसद व एसोसिएशन के उपाध्यक्ष विजय बघेल, तथा एसोसिएशन के महासचिव डॉ. विक्रम सिसोदिया सहित संघ के सभी पदाधिकारियों ने ज्ञानेश्वरी को हार्दिक बधाई संदेश भेजा। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक ने उन्हें वीडियो कॉल के जरिए व्यक्तिगत रूप से बात कर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

हत्या, लूट और रेप के आरोपी भी घुस गए थे सीजेपी के प्रोटेस्ट में; 989 क्रिमिनल रिकॉर्ड वाले शातिरों की हुई पहचान

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक के विरोध और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर जंतर-मंतर और उसके आसपास की सड़कों पर एक हफ्ते तक चले हिंसक प्रदर्शन के पीछे का सच दिल्ली पुलिस की तफ्तीश में सामने आया है।

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के बैनर तले चले आंदोलन के दौरान पिछले दिनों रुक-रुककर किए गए पथराव और हिंसा में दिल्ली पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के 240 अधिकारी और जवान गंभीर रूप से घायल हो गए थे। जांच में सामने आया है कि भीड़ में शामिल 2,873 प्रदर्शनकारियों में 989 लोगों का पुराना गंभीर और जघन्य आपराधिक इतिहास रहा है। वे केवल छिटपुट अपराध करने वाले लोग नहीं, बल्कि इनमें से कई आदतन और हिस्ट्रीशीटर अपराधी हैं।

2,873 प्रदर्शनकारियों में 989 लोग क्रिमिनल रिकॉर्ड के

उपद्रवियों के पथराव और हिंसा के पैटर्न को देखते हुए पुलिस को आशंका थी कि इस आंदोलन की आड़ में बाहरी अपराधी और असामाजिक तत्व घुस चुके हैं। इस साजिश का पर्दाफाश करने के लिए दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन स्थल और आसपास की सड़कों पर एआई बेस्ड फेस रिकग्निशन सिस्टम (एफआरएस) कैमरे लगा दिए थे। इन कैमरों की मदद से पहचाने गए संदिग्धों के रिकॉर्ड की जब पुलिस डाटाबेस से जांच की गई, तो पाया गया कि भीड़ में शामिल 2,873 प्रदर्शनकारियों में 989 लोगों का पुराना गंभीर और जघन्य आपराधिक इतिहास रहा है। वे केवल छिटपुट अपराध करने वाले लोग नहीं, बल्कि इनमें से कई आदतन और हिस्ट्रीशीटर अपराधी हैं।

दिल्ली पुलिस सूत्रों के अनुसार, आंकड़ों से साफ जाहिर होता है कि जंतर-मंतर पर हुए हिंसक प्रदर्शनों में सामान्य छात्र या प्रदर्शनकारी ही शामिल नहीं थे, बल्कि एक सोची-समझी साजिश के तहत आदतन और जघन्य अपराधियों की भीड़ जुटाई गई थी। एफआरएस तकनीक के जरिए इन सभी के चेहरों की पहचान की गई है। पुलिस अब चिन्हित अपराधियों की धरपकड़ के लिए बड़े पैमाने पर छापेमारी की तैयारी कर रही है।

कवर्धा में स्मार्ट मीटर का विरोध लोगों ने मीटर उखाड़कर फेंका

कवर्धा (दावा)। कवर्धा में स्मार्ट बिजली मीटर के विरोध में ग्रामीणों और कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। लोगों ने बिजली ऑफिस के बाहर स्मार्ट मीटर फेंके और आरोप लगाया कि बिजली बिल 500 से बढ़कर रु. 2,000-2,500 तक पहुंच गया है। राज्यपाल के नाम ज्ञापन भी सौंपा गया।

कवर्धा जिले के पंडरिया ब्लॉक में स्मार्ट बिजली मीटर को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा सड़क पर उतर आया। कांग्रेस कमेटी और स्थानीय लोगों ने पंडातराई बिजली कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करते हुए कई स्मार्ट मीटर गेट के सामने फेंक दिए। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद उनका बिजली बिल रु. 500 से बढ़कर रु. 2,000-रु. 2,500 तक पहुंच गया है। ग्रामीणों ने अपनी 6 मांगों को लेकर राज्यपाल के नाम ज्ञापन भी सौंपा और जल्द कार्रवाई की मांग की।

महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में 19 वर्षीय नीट अभ्यर्थी अंकिता ने आत्महत्या की, सुसाइड नोट में बताई पीड़ा

अहिल्यानगर। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-स्नातक) की 19 वर्षीय अभ्यर्थी अंकिता सुरेश सांगले की मृत्यु के बाद परीक्षा व्यवस्था और विद्यार्थियों पर बढ़ते मानसिक दबाव को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। अंकिता कर्जत तालुका के जलालपुर गांव की निवासी थीं। उन्होंने हाल ही में आयोजित नीट पुनर्परीक्षा में भाग लिया था।

परिजनों के अनुसार, पुनर्परीक्षा के परिणाम में अंकिता को 166 अंक प्राप्त हुए थे। इसके बाद शनिवार दोपहर उनके घर में उनका शव मिला। घटना के समय उनके पिता सुरेश सांगले देवदर्शन के लिए पंढरपुर गए हुए थे।

पुलिस को घटनास्थल से मराठी भाषा में लिखा एक हस्तलिखित पत्र मिला है। उसमें अंकिता ने लिखा कि उनके माता-पिता और भाई ने उन्हें हमेशा प्रेम और सहयोग दिया तथा उनकी मृत्यु के लिए परिवार का कोई सदस्य जिम्मेदार नहीं है। उन्होंने यह भी लिखा कि नीट की तैयारी के दौरान परिवार ने उनके लिए हर संभव त्याग किया, लेकिन वह उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप सफलता प्राप्त नहीं कर सकीं।

अंकिता के पिता सुरेश सांगले ने बताया कि उनकी पुत्री को पुनर्परीक्षा में 300 से अधिक अंक मिलने की उम्मीद थी, लेकिन परिणाम अपेक्षा के अनुरूप नहीं आया। उनका कहना है कि परिणाम आने के बाद वह काफी तनाव में रहने लगी थीं और डॉक्टर बनने का अपना सपना पूरा न हो पाने से निराश थीं। घटना की जानकारी मिलने के बाद सांसद नीलेश लंका ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस मामले को संसद के आगामी सत्र में उठाया जाएगा, ताकि परीक्षा प्रणाली, पुनर्परीक्षा और विद्यार्थियों पर पड़ने वाले मानसिक दबाव जैसे मुद्दों पर गंभीर चर्चा हो सके। यह घटना एक बार फिर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों पर बढ़ते मानसिक दबाव और उन्हें समय पर भावनात्मक एवं मनोवैज्ञानिक सहयोग उपलब्ध कराने की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

देश में जल्द चलेंगे रु. 10 और रु. 20 के प्लास्टिक नोट : ट्रायल के लिए 200 करोड़ नोट छपेंगे; कागज के नोट भी चलेंगे

नई दिल्ली। बाजार में जल्द ही रु. 10 और रु. 20 के प्लास्टिक नोट नजर आएंगे। रिजर्व बैंक 100-100 करोड़ यानी टोटल 200 करोड़ पॉलिमर यानी प्लास्टिक से बने नोट छापेगी। यह प्लास्टिक करेंसी का ट्रायल होगा, अगर यह सफल होता है तो आगे और नोट भी छापे जाएंगे।

केंद्र सरकार ने इसकी मंजूरी दे दी है। यह जानकारी वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को लोकसभा में दी। हालांकि, पॉलिमर नोटों का ट्रायल कब शुरू होगा, इसकी तारीख का ऐलान अभी नहीं किया गया है। पॉलिमर बैंकनोट के ट्रायल सफल होने के बाद आरबीआई रु. 10 और रु. 20 दोनों वैल्यू के नोटों को रेगुलर तौर पर जारी करेगा। हालांकि कागज की मौजूदा करेंसी भी चलती रहेगी। इसे बंद नहीं किया जाएगा।

10 दिन पहले मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया था कि आरबीआई जल्द ही देश में पॉलीमर से बने नोटों का पहला पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने जा रहा है। यह देश में नए जनरेशन की करेंसी लाने के आरबीआई के प्लान का अगला कदम है। पॉलीमर बैंकनोट्स कागज के बजाय एक खास किस्म के प्लास्टिक मटेरियल यानी पॉलीमर सबस्ट्रेट पर छापे जाते हैं। ये छूने में तो सामान्य नोटों जैसे ही हल्के होते हैं, लेकिन पानी में भीगने पर भी नहीं गलते और लंबे समय तक चलते हैं। सरकार और आरबीआई ने पूरी तरह साफ किया है कि पॉलीमर नोट आने से पुराने कागजी नोट चलन से बाहर नहीं होंगे। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

आरबीआई ने बताई मुख्य वजह

ये नोट पानी, धूल और गंदगी से खराब नहीं होते और आसानी से फटते भी नहीं हैं। पॉलीमर शीट पर एडवांस सिक्योरिटी फीचर्स आसानी से जोड़े जा सकते हैं, जिससे नकली नोट बनाना लगभग नामुमकिन हो जाएगा। कागजी नोट जल्दी खराब होते हैं, जिससे छपाई का खर्च बढ़ता है। वर्ष 2025 आरबीआई ने कागजी नोटों की छपाई पर रु. 6,372.8 करोड़ खर्च किए थे। पॉलीमर नोट लंबे चलेंगे, जिससे बार-बार छापने का खर्च घटेगा।

फिलहाल यह एक ट्रायल यानी पायलट प्रोजेक्ट है। आरबीआई की नोट-प्रिंटिंग यूनिट ने पॉलीमर सबस्ट्रेट शीट की सप्लाई के लिए ग्लोबल टेंडर जारी किया है, जिसमें बोलियां जमा करने की आखिरी तारीख 18 अगस्त तय की गई है। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने, कच्चा माल मिलने और छपाई के बाद ही यह नोट अलग-अलग चरण में बाजार में देखने को मिलेंगे। यदि यह ट्रायल सफल रहता है, तो आगे और भी नोट पॉलीमर में छापे जाएंगे।

राम मंदिर चंदा चोरी केस: सुप्रीम कोर्ट का बड़ा निर्देश, एक सीए भी हो एसआईटी में शामिल, दो हफ्ते में दे रिपोर्ट

नई दिल्ली। राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े चंदे और चढ़ावे में कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। शीर्ष अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देश दिया है कि मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट और फोरेंसिक लेखा विशेषज्ञ को शामिल किया जाए।

सुप्रीम कोर्ट का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि चंदे से जुड़े सभी वित्तीय लेनदेन की जांच पूरी पारदर्शिता और विशेषज्ञ निगरानी में हो। अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार से मामले में दो सप्ताह के भीतर स्थिति रिपोर्ट भी दाखिल करने को कहा है।

सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि निर्देश के अनुसार एसआईटी का पुनर्गठन कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि जांच के लिए तीन वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की टीम गठित की गई है।

इस टीम में लखनऊ रेंज के पुलिस महानिरीक्षक किरण एस, अयोध्या रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक सोमेन बर्मा और अयोध्या जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गौरव ग्रोवर को शामिल किया गया है।

सरकार ने अदालत को बताया कि एसआईटी मामले की जांच कर रही है और अब इसमें वित्तीय विशेषज्ञों को भी जोड़ा जाएगा, ताकि चंदे और आर्थिक लेन-देन से जुड़े पहलुओं की गहन जांच की जा सके।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जांच का उद्देश्य चंदे से जुड़ी कथित अनियमितताओं और वित्तीय गड़बड़ियों की वास्तविकता सामने लाना है। अदालत ने कहा कि देशभर से बड़ी संख्या में लोगों ने श्रद्धा और विश्वास के साथ राम मंदिर निर्माण के लिए योगदान दिया है, इसलिए इस धन के उपयोग और उससे जुड़े सभी अभिलेखों की जांच आवश्यक है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि मामले को अभी समाप्त नहीं किया जा रहा है और जांच आगे जारी रहेगी।

सुनवाई के दौरान एक पक्ष की ओर से मांग की गई कि ट्रस्ट को प्राप्त सभी चंदों की जानकारी सार्वजनिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाए, (शेष पृष्ठ 6 पर...)

CMYK

पहला कॉलम...

डीएचए की आमसभा 2 अगस्त को, निर्वाचन कार्यक्रम जारी

राजनांदगांव (दावा)। जिला हॉकी संघ राजनांदगांव के आगामी कार्यकाल के लिए नवीन कार्यकारिणी के निर्वाचन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार निर्धारित तिथि पर अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष सहित अन्य पदों के लिए निर्वाचन संपन्न कराया जाएगा। निर्वाचन प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी एवं निर्धारित नियमों के अनुरूप संपन्न कराने के लिए गुणेंद्र साव (वरिष्ठ अधिवक्ता) को मुख्य निर्वाचन अधिकारी नियुक्ति किया गया है। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार दिनांक 30 जुलाई 2026को कार्यालय छत्तीसगढ़ हॉकी स्थान म्युनिसिपल स्कूल परिसर में नामांकन पत्र प्राप्त करने, नामांकन जमा करने, जांच, करने की प्रक्रिया की जाएगी दिनांक 31 जुलाई को नाम वापसी 01 अगस्त 2026 को कार्यालय छत्तीसगढ़ हॉकी अंतिम प्रत्याशी सूची का प्रकाशन किया जाएगा । इसके उपरांत आवश्यक होने पर 02 अगस्त को मतदान एवं मतगणना कर परिणाम घोषित किए जाएंगे।

जिला हॉकी संघ के सचिव शिवनारायण धकेता ने सभी पात्र सदस्य इकाइयों एवं मतदाताओं से निर्धारित समय-सीमा के भीतर निर्वाचन प्रक्रिया में सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक एवं पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से गठित नई कार्यकारिणी जिले में हॉकी के विकास, खिलाड़ीयों के हितों की रक्षा तथा खेल गतिविधियों के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करेगी। जिला हॉकी संघ ने सभी संबंधित सदस्यों से अपील की है कि वे निर्वाचन कार्यक्रम का पालन करते हुए शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में निर्वाचन प्रक्रिया को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें।

नांदगाँव के नगर सैनिक उत्तम साहू को मिलेगा राष्ट्रीय पदक

राजनांदगांव (दावा)। समीपस्थ ग्राम रवेली निवासी 58 वर्षीय नगर सैनिक उत्तम कुमार साहू का चयन भारत सरकार द्वारा घोषित गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा सराहनीय सेवा पदक के लिये हुआ है । उन्हें यह पदक राज्य स्तरीय स्वाधीनता दिवस परे समोराह 2026 में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के हाथों प्राप्त होगा।

नगर सेना अनिशमन एवं आपातकालीन सेवाएँ तथा एसडीआरएफ मुख्यालय रायपुर के अतिरिक्त प्रधान सेनानी द्वारा जिला सेनानी एवं जिला अग्नि शमन अधिकारी को गत 21 जुलाई को जारी पत्र के अनुसार गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा सराहनीय सेवा का पुरस्कार राजनांदगाँव के नगर सैनिक नायक उत्तम कुमार साहू को और रायपुर के नगर सैनिक लांस नायक जगेश्वर कुमार धीवर को 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस परेड 2026 के अवसर पर मुख्यमंत्री के हाथों वितरण किया जाना प्रस्तावित है । पत्र में स्पष्ट किया गया है कि यह पदम विगत 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारत सरकार द्वारा घोषित है। ज्ञात हो कि उत्तम कुमार साहू नगर सेना में 1996 से सतत् रूप से सेवाएँ दे रहें है । उन्होनें उन 30 वर्षो में बाढ़ और विश्वव्यापी कोरोना की कठिन परिस्थितियों में भी लगन और अनुशासन के साथ कर्त्तव्य निभाया।

जिपं साधारण सभा की बैठक 30 को

राजनांदगांव (दावा)। जिला पंचायत-साधारण सभा की बैठक 30 जुलाई 2026 को दोपहर 1 बजे जिला पंचायत सभाकक्ष राजनांदगांव में आयोजित की गई है। बैठक में सभी सदस्यों को उपस्थित होने का आग्रह किया गया है तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक जानकारी सहित उपस्थित होने कहा गया है। पूर्व में यह बैठक 31 जुलाई को आयोजित की गई थी, जिसे अपरिहार्य कारणों से तिथि में परिवर्तन किया गया है।

कार्यालय संयुक्त संचालक सह अस्पताल अधीक्षक

भारत रत्न स्व.श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय संबंद्ध चिकित्सालय, राजनांदगांव (छ.ग.)

क्रमांक/4704/रख-रखाव/2026 राजनांदगांव, दिनांक: 24/07/2026

सायकल स्टैंड निविदा प्रकाशन वर्ष 2026-27

भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय, राजनांदगांव परिसर में संचालित सायकल सटैंड संचालन हेतु निविदा वर्ष 2026-27 आमंत्रित किया गया है, जिस हेतु इच्छुक फर्म/व्यक्ति/ संस्था समूह से निम्नानुसार निविदा आमंत्रित किया जाता है।

नियम व शर्तो, का अवलोकन कार्यालय समयावधि में कक्ष क्रम. 21 में किया जा सकता है।

1	अमानती राशि	10,000/- रूपये
2	निविदा फार्म की राशि	1000/- रूपये (वापसी योग्य नहीं)
3	निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि	दिनांक 18.08.2026 अपरान्ह 05 बजे तक
4	निविदा जमा की अंतिम तिथि	दिनांक 20.08.2026 दोपहर 12 बजे तक
5	निविदा खोलन की तिथि	दिनांक 20.08.2026 दोपहर 01 बजे कक्ष क्र. 26

संयुक्त संचालक सह अस्पताल अधीक्षक
भारत रत्न स्व. श्री अब्ल बिहारी वाजपेयी स्मृति
शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध
चिकित्सालय राजनांदगांव (छ.ग.)

जी- 262702369/1

श्री कृष्णा (एयरकूल) में
रोजाना 4 खेल
साऊथ एक्शन फिल्म
जन नेता
विजय थलपती, जया लक्ष्मी

ऑनलाईन बुकिंग paytm & bookmyshow.com

नई शिक्षा नीति पर छात्रों का हस्ताक्षर अभियान, मुख्यमंत्री और उच्च शिक्षा मंत्री से पूछे सवाल

हम सपने देख रहे हैं, पर सिस्टम सो रहा है' - छात्रों का सरकार पर निशाना, 31 जुलाई को प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी

राजनांदगांव (दावा)। नई शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के तहत चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम पूरा करने वाले विद्यार्थियों के लिए एक वर्षीय स्नातकोत्तर (वन ईयर पीजी) की गाइडलाइन जारी नहीं होने के विरोध में सोमवार को शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में विद्यार्थियों ने हस्ताक्षर अभियान चलाकर सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने हस्ताक्षर कर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा से तत्काल स्पष्ट गाइडलाइन जारी करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान विद्यार्थियों ने ''हम सपने देख रहे हैं, पर सिस्टम सो रहा है'' के नारे लगाए और कहा कि नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद भी प्रदेश सरकार एक वर्षीय पीजी को लेकर निर्णय नहीं ले पा रही है। यूजीसी के प्रावधानों के बावजूद दिशा-निर्देश जारी नहीं होने से हजारों विद्यार्थियों का भविष्य अनिश्चितता में है और उनका एक शैक्षणिक सत्र प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। इस अवसर पर युवा नेता, पूर्व पार्षद एवं पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष ऋषि शास्त्री ने कहा कि सरकार छात्रों के भविष्य के साथ प्रयोग करना बंद करे। नई शिक्षा नीति के तहत चार वर्षीय स्नातक करने वाले विद्यार्थियों के लिए एक वर्षीय पीजी का स्पष्ट प्रावधान है, फिर भी छत्तीसगढ़ में इसे लागू करने में हो रही देरी समझ से परे है। उन्होंने मुख्यमंत्री और उच्च शिक्षा मंत्री से सवाल किया कि यदि समय पर गाइडलाइन जारी नहीं होती है तो छात्रों के बर्बाद होने वाले शैक्षणिक वर्ष की जिम्मेदारी कौन लेगा?

ऋषि शास्त्री ने कहा कि 'हम सपने देख रहे हैं, पर सिस्टम सो रहा है' केवल एक नारा नहीं, बल्कि प्रदेश के हजारों विद्यार्थियों की वास्तविक पीड़ा है। सरकार को राजनीति छोड़कर विद्यार्थियों के भविष्य को प्राथमिकता देनी चाहिए और तत्काल प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ करनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विद्यार्थियों ने कहा कि डॉ. कलाम ने युवाओं को बड़े सपने देखने की प्रेरणा दी थी और उन सपनों को साकार करने की जिम्मेदारी सरकार और शिक्षा व्यवस्था की भी है। एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव राजा यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी ऑटोनॉमस महाविद्यालयों में चार वर्ष पहले नई शिक्षा नीति के तहत चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम शुरू किया गया था और विद्यार्थियों को एक वर्षीय पीजी का भरोसा दिया गया था। अब उन्हीं विद्यार्थियों को दो वर्षीय पीजी करने के लिए कहना उनके साथ अन्याय है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार जल्द ही वन ईयर पीजी को लेकर स्पष्ट गाइडलाइन जारी नहीं करती, तो 31 जुलाई को प्रदेशभर में उच्च शिक्षा मंत्री का पुतला दहन कर उग्र विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

कारगिल विजय दिवस पर भूतपूर्व सैनिक नायब सूबेदार रोहित साहू का सम्मान, अमर वीर शहीदों को दी गई भावपूर्ण श्रद्धांजलि

राजनांदगांव (दावा)। कारगिल विजय दिवस के पावन अवसर पर शिवनाथ सद्भावना समिति, फेस-2 एवं 3, शिवनाथ कॉलोनी के तत्वावधान में एक गरिमामय एवं देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान कारगिल युद्ध में सहभागी रहे भूतपूर्व सैनिक नायब सूबेदार रोहित साहू का श्रीफल एवं शाल भेंट कर सम्मान किया गया। उपस्थित नागरिकों ने उनके साहस, शौर्य एवं राष्ट्रसेवा को नमन करते हुए उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम में वार्ड पार्षद एवं समिति के संरक्षक शेखर लश्करे, संरक्षक अशोक चौबे, समिति के अध्यक्ष संजीव शर्मा सहित समिति के समस्त पदाधिकारी, सदस्य एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने कारगिल युद्ध में भारतीय सेना के अदम्य साहस, वीरता एवं बलिदान को स्मरण करते हुए कहा कि कारगिल विजय दिवस प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव, प्रेरणा और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी नागरिकों ने अमर वीर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके सर्वोच्च बलिदान को शत-शत नमन किया।

कार्यक्रम का समापन देश भक्ति जयकारे के साथ हुआ। शिवनाथ सद्भावना समिति ने संकल्प व्यक्त किया कि भविष्य में भी राष्ट्रभक्ति, सामाजिक सद्भाव एवं जनजागरण से जुड़े ऐसे प्रेरणादायी कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

लखोली खार में अज्ञात व्यक्ति की मिली लाश, फैली सनसनी

राजनांदगांव (दावा)। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले लखोली वार्ड के बायपास समीप स्थित लखोली खार में एक अज्ञात व्यक्ति की लाश मिली है। लखोली क्षेत्र के खार में एक व्यक्ति की नंग-धड़ंग अवस्था में लाश मिलने की ख़बर लगते ही पूरे क्षेत्र में सनसनी फ़ैल गई और लोग उक्त लाश को देखने लखोली खार की ओर दौड़ पड़े।

कोतवाली थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार शाह ने बताया कि थाना कोतवाली क्षेत्रान्तर्गत लखोली खार, गोविंद नगर के सामने खेत के पास एक अज्ञात पुरुष, उम्र लगभग 30-35 साल है जिसकी गत 25 जुलाई को 1.40 बजे दोपहर खेत में डूबने की वजह से मौत हो गयी। जिसकी शिनाख्तगी होना शेष है, मृतक के शव को पेंड्री मेडिकल कॉलेज के शव गृह में रखा गया है। जिसके वारिसान का पता तलाश जारी है। उपेंद्र शाह ने कहा है कि उक्त मृत व्यक्ति के परिजनों व जानने वाले को उक्त जानकारी मिलने पर थाना कोतवाली को 9479192110 नंबर पर सूचित करने का कष्ट करें।

श्रीराम शिक्षा महाविद्यालय में कारगिल विजय दिवस पर वीर शहीदों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि, छात्र-छात्राएं हुए सम्मानित

प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित व प्रोत्साहित किया गया

राजनांदगांव (दावा)। श्रीराम शिक्षा महाविद्यालय, राजनांदगांव में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय के प्राचार्य वर्मा सर, समस्त शैक्षणिक स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं द्वारा राष्ट्रगान के साथ की गई। तत्पश्चात कारगिल के अमर शहीदों के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर उन्हें नमन व भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र-छात्राओं के लिए चित्रकला (पेंटिंग) एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने कारगिल युद्ध के वीरों की शहादत और भारतीय सेना के शौर्य को अपनी कला व विचारों के माध्यम से प्रस्तुत किया।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित व प्रोत्साहित किया गया। संबोधन की कड़ी में प्राचार्य तुकेश कुमार वर्मा ने कारगिल विजय गाथा पर प्रकाश डालते हुए भारतीय सेना के तीनों अंगों (थल सेना, वायु सेना एवं नौसेना) के अदम्य साहस, समर्पण और पराक्रम को रेखांकित किया। वहीं, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ प्रभारी श्रीमती आभा रानी साव ने अपने उद्बोधन में कहा कि कारगिल की बेहद दुर्गम व विकट परिस्थितियों में भी भारतीय सेना के जवानों ने जिस वीरता और सूझबूझ का परिचय दिया, वह पूरे देश के लिए गर्व का विषय है।

कार्यक्रम का सफल समापन सहायक प्राध्यापक डॉ. नम्रता बुलदेव द्वारा धन्यवाद एवं आभार प्रदर्शन के साथ किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कोतवाली पुलिस ने चोरी के मामले में आरोपी को धर दबोचा

आरोपी से चोरी की लेपटाप किया बरामद, भेजा जेल

राजनांदगांव (दावा)। कोतवाली पुलिस ने अपने थाना क्षेत्र में चोरी करने वाले आरोपी को रंगे हाथों धर दबोचा है और उसके पास से चोरी की लैपटॉप बरामद कर उसे जेल की सीखचों में भेज दिया है।

कोतवाली थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार शाह ने बताया कि उक्त चोरी की घटना के संबंध में प्रार्थी द्वारा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया कि गत 23 जुलाई को सुबह 8 बजे से 8:30 बजे के बीच कोई अज्ञात व्यक्ति अशोका इंडेन गैस एजेसी की दीवाल को फलांग कर तथा टीन के शेड मे रखे टेबल के ड्राज का लाक तोड़कर एक लेनेवो कंपनी का लेपटाप चोरी कर ले गया है। इस रिपोर्ट पर पुलिस द्वारा अज्ञात आरोपी के विरूद्व अप0क्र0 283/26 धारा 331(3), 305 बीएनएस कायम कर वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया।

मुखबीर सूचना मिलने पर कि आरोपी आदित्य मरकाम उर्फ आदि पिता पिता चमरू मरकाम उम्र 20 साल निवासी राहुल नगर देवार मोहल्ला को धर दबोचा गया और उसे पकड़कर थाने लाकर पूछताछ किया गया तो उन्होंने अपना जुर्म स्वीकार किया। पुलिस ने उसके कब्जे से एक लेनेवो कंपनी का लेपटाप जप्त कर रविवार 26 जुलाई को मामलें में विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। शाह ने बताया कि पुलिस के हत्थे चढ़े आरोपी आदित्य के खिलाफ पूर्व में ही आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

शांति भंग करने वाले व्यक्ति के खिलाफ की गई कार्यवाही

राजनांदगांव (दावा)। लालबाग पुलिस ने थाना प्रभारी रमेश पटेल के नेतृत्व में उनके थाना क्षेत्र में शांति भंग करने वाले आरोपी को धर दबोचा है और उसके खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की है।

थाना प्रभारी पटेल ने बताया कि सोमवार को कोमल सेन पिता शिव सेन उम्र 25 साल निवासी रेवाडीह वार्ड नंबर 21 जो कि गांव के लोगों के साथ वाद विवाद कर शांती भंग कर रहा था जिसके चलते संज्ञेय अपराध घटित होने से रोकने हेतु उसके खिलाफ को धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किया गया तथा पृथक से धारा 126, 135(3) बीएनएसएस के तहत कार्यवाही कर उसे न्यायालयमे पेश किया गया है।

स्कूली विद्यार्थियों को ट्रैफिक नियमों की दी गई जानकारी

राजनांदगांव (दावा)। पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन में यातायात शाखा द्वारा शहर के विभिन्न विद्यालयों में यातायात जागरूकता अभियान चलाया गया। ट्रैफिक निरीक्षक नवरतन कश्यप ने बताया कि उक्त अभियान के दौरान यातायात अधिकारी सहायक उपनिरीक्षक कुंजलाल साहू, शरद मसीह, प्रधान आरक्षक खम्हन सिन्हा तथा आरक्षक सोमेश सिंह, रविकांत देवांगन एवं संदीप कुर्रे द्वारा रॉयल किड्स कॉन्वेंट स्कूल, बाल भारती पब्लिक स्कूल, गुरुनानक स्कूल, पदुमलाल पुन्नालाल बक्शी स्कूल, वेसलियन स्कूल, वाइडनियर स्कूल एवं जेएमजे स्कूल के विद्यार्थियों को यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि दोपहिया वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट पहनें, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करें, निर्धारित गति सीमा का पालन करें तथा बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन न चलाएं।

// न्यायालय तहसीलदार, राजनांदगाँव जिला-राजनांदगाँव //

ईश्तहार

आवदेकगण रफीक अली आ. कमर अली व शहदत अली आ.आमिर अली दोनों निवासी ग्राम-कन्हारपुरी तहसील व जिला राजनांदगांव के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर आवेदकगण के दादा सिरताज अली आ. अख्तर अली व अशतः भूमि स्वामियों के नाम से ग्राम कन्हारपुरी प.ह.नं. 43 रा.नि.मं. लखोली तहसील व जिला राजनांदगांव में खसरा नंबर 491 रकबा 3.2210 हे. भूमि वर्तमान में स्थित है, जिसमें आवेदकगण का निजी तालाब स्थित है। उपरोक्त वर्णित भूमि के संबंध में आवेदकगण के दादा सिरताज अली ने दिनांक 07/09/1988 को रजिस्टर्ड वसीयत निष्पादित किया था। वसीयतनामा के आधार पर आवेदकगण के दादा को अन्य भूमियों पर नामातरंण हो चुका था, परन्तु भूलवश उपरोक्त कंडिका क्रमांक 01 में वर्णित भूमि का नामांतरण शेष रहा गया था। पंजीकृत वसीयतनामा के आधार पर उपरोक्त वर्णित खसरा न. 491 के राजस्व अभिलेखों में सिरताज अली का नाम विलोपित कर आवदेकगण का नाम दर्ज किये जाने का निवेदन किया गया है।

उक्ताशय के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को किसी भी प्रकार की कोई दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत पेशी तारीख 7/8/2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से न्यायालयीन समय तक लिखित मे प्रस्तुत कर सकते है, बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अतः यह ईश्तहार आज दिनाँक 24/7/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

जारी दिनॉकः -24/7/2026
पेशी दिनॉकः -7/8/2026

तहसीलदार,
राजनांदगाँव

शुभांक

अनुमानित

बी. के.
3-5-9
200-2 790-6
राजधानी
2-7-8
259-6 550-0

चेतावनी:- इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरूपयोग न करें। दुरूपयोग करने पर प्रकाशक की कोई जवाबदारी नहीं होगी। -सम्पादक

न्यायालय तहसीलदार मोहला, जिला- मोहला-मानपुर, अं.चौकी (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्रं. 202603300100008/अ-19(3)/2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, जिला मोहला-मानपुर, अं.चौकी (छ.ग.) का पत्र क्रमांक 1843/ केन्द्रीय विद्या./2026 दिनांक 22.03.2026 के अनुसार ग्राम माडिंग पिडिंग धेनु, प.ह.नं. 10 तहसील मोहला स्थित भूमि खसरा नंबर 180 रकबा 2.930 हे. एवं खसरा नंबर 181 रकबा 0.890 हे. कुल खसरा नंबर 02 कुल रकबा 3.820 हे. (9.55 एकड़) भूमि को केन्द्रीय विद्यालय, जिला मोहला मानपुर अं.चौकी हेतु आबंटित किये जाने की मांग किया गया है।

अतः इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को दावा-आपत्ति पेश करना हो तो स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय तहसीलदार मोहला के न्यायालय में दिनांक 28/07/2026 को कार्यालयीन समय पर उपस्थित होकर पेश कर सकते है। पश्चात दावा- आपत्ति पर कोई विचार/ सुनवाई नही की जावेगी। आज दिनांक 14/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा सहित जारी किया गया।

तहसीलदार
मोहला (छ.ग.)

ईश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं आवेदिका **रंजनाबाई पति- तरूनकुमार मंडावी पिता- देवारसिंग** जाति- गोंड़, निवासी ग्राम- **at. post- Botekasa, tah.- korchi Dis- Gadchiroli (Maharashtra)** पिन नं. 441209 का निवासी हूं। जो कि मेरे स्वयं के नाम से ग्राम तिरपेमेटा, तह. अं.चौकी प.ह.नं. 01 रा.नि. मं. चिल्हाटी जिला- मोहला-मानपुर, अं. चौकी (छ.ग.) में स्वामी हक की कृषि भूमि स्थित है। उक्त भूमि में नाम के साथ पर **असिन्ता** अंकित है, उक्त नाम गलत है। परन्तु मेरे स्वयं के नाम से जारी आधार कार्ड व अन्य कागजातों में नाम के स्थान **रंजनाबाई तरूनकुमार मडावी RANJANABAI TARUNKUMAR MADAVI** अंकित है। उक्त नाम सही हैं। इसलिये राजस्व रिकार्ड में **असिन्ता** अंकित है। उसे सुधार करवाकर **रंजनाबाई तरूनकुमार मडावी RANJANABAI TARUNKUMAR MADAVI** अंकित कराना चाहती हूं। इस ईश्तहार के संबंध में किसी भी शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था व किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार एवं ईश्तहार दावा आपत्ति होगी तो मय दस्तावेज के साथ मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं अतएव ईश्तहार प्रस्तुत हैं। जो जरूरत वक्त पर काम आवें।

स्थानः-अं.चौकी, दिनांकः-27/07/2026

आवेदिका
रंजनाबाई तरूनकुमार मडावी
कास्तकार ग्राम- तिरपेमेटा
तह. अं. चौकी, जिला-मो.मा.,अं. चौकी

ईश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं आवेदक **जोहारी राम पिता- भुनेश्वर** जाति- कंवर, निवासी ग्राम- भर्रीटोला, मकान नं. 48, वार्ड नं. 04 तह.-अं. चौकी, जिला-मोहला-मानपुर, अं. चौकी (छ.ग.)। पिन नं. 491665 का निवासी हूं। जो कि मेरे स्वयं के नाम से भारत सरकार द्वारा आधार कार्ड जारी किया गया है। जिसमें नाम के स्थान पर **जोहरी लाल Johari Lal** अंकित है। उक्त नाम गलत है। परन्तु मेरे पुत्र देवेन्द्र कुमार के नाम से जारी अंकसूची में पिता के नाम के साथ पर **जोहारी राम JOHARI RAM** अंकित है। उक्त नाम सही हैं। इसलिये आधार कार्ड में **जोहरी लाल Johari Lal** अंकित है। उसे सुधार करवाकर **जोहारी राम JOHARI RAM** अंकित कराना चाहता हूं। इस ईश्तहार के संबंध में किसी भी शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था व किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार एवं ईश्तहार दावा आपत्ति होगी तो मय दस्तावेज के साथ मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं अतएव ईश्तहार प्रस्तुत हैं। जो जरूरत वक्त पर काम आवें।

स्थानः-अं.चौकी, दिनांकः-24/07/2026

आवेदक
जोहारी राम
निवासी- ग्राम भर्रीटोला
तह. अं. चौकी, जिला मो.मा.अं. चौकी

ईश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं आवेदक **दिलचन्द सेवता पिता- चम्मनलाल सेवता** जाति- गोंड़, निवासी ग्राम- पेन्दलकुही, मकान नं. 18, वार्ड नं. 02 तह.-अं. चौकी, जिला-मोहला-मानपुर, अं. चौकी (छ.ग.)। पिन नं. 491668 का निवासी हूं। जो कि मेरे पुत्री के नाम से भारत सरकार द्वारा आधार कार्ड जारी किया गया है। जिसमें नाम के स्थान पर **दिव्या सेवता Divya Sevta** अंकित है। तथा जन्मप्रमाण पत्र में भी कुमारी दिव्या भारती **Kumari Divya Bharti** अंकित है। उक्त दोनों नाम गलत है। परन्तु मेरे पुत्री के नाम से जारी अंकसूची व अन्य कागजातों में नाम के स्थान **दिव्या DIVYA** अंकित है। उक्त नाम सही हैं। इसलिये आधार कार्ड में **दिव्या Divya Sevta** तथा जन्म प्रमाण पत्र में कुमारी दिव्या भारती **Kumari Divya Bharti** अंकित है। उसे सुधार करवाकर **दिव्या DIVYA** अंकित कराना चाहती हूं। इस ईश्तहार के संबंध में किसी भी शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था व किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार एवं ईश्तहार दावा आपत्ति होगी तो मय दस्तावेज के साथ मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अतएव ईश्तहार प्रस्तुत हैं। जो जरूरत वक्त पर काम आवें।

स्थानः-अं.चौकी, दिनांकः-24/07/2026

आवेदक
दिलचंद सेवता
निवासी- ग्राम पेन्दलकुही
तह. अं. चौकी,जिला मो.मा.अं. चौकी

ईश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं आवेदिका **ओम कुमारी धनगुन पति रामचरण धनगुन** जाति- हल्बा, निवासी ग्राम- टाटेकसा, मकान नं. 43, वार्ड नं. 03 तह.- अं. चौकी, जिला-मोहला-मानपुर, अं. चौकी (छ.ग.)। पिन नं. 491668 का निवासी हूं। जो कि मेरे स्वयं के नाम से भारत सरकार द्वारा आधार कार्ड जारी किया गया है। जिसमें नाम के स्थान पर **ओम बाई धनमून Om Bai Dhanmun** अंकित है। उक्त नाम गलत है। परन्तु मेरे नाम से जारी परिचय पत्र व अन्य कागजातों में नाम के स्थान पर **ओम कुमारी धनगुन OM KUMARI DHANGUN** अंकित है। उक्त नाम सही हैं। इसलिये आधार कार्ड में **ओम बाई धनमून OM Bai Dhanmun** अंकित है। उसे सुधार करवाकर **ओम कुमारी धनगुन OM KUMARI DHANGUN** अंकित कराना चाहती हूं। इस ईश्तहार के संबंध में किसी भी शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था व किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार एवं ईश्तहार दावा आपत्ति होगी तो मय दस्तावेज के साथ मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं अतएव ईश्तहार प्रस्तुत हैं। जो जरूरत वक्त पर काम आवें।

स्थानः-अं.चौकी, दिनांकः-24/07/2026

आवेदिका
ओम कुमारी धनगुन
निवासी - ग्राम टाटेकसा
तह. अं. चौकी जिला मो.मा.अं. चौकी

संत गुरु रविदास समरसता संकल्प अभियान व हर घर तिरंगा अभियान को लेकर भाजपा की जिला स्तरीय कार्यशाला संपन्न

राजनांदगांव (दावा)। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में आज संत शिरोमणि गुरु रविदास की 650 वी जयंती के अवसर पर समरसता संकल्प अभियान का आयोजन श्रद्धा एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में संत गुरु रविदास जी के जीवन दर्शन,सामाजिक समरसता एवं मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पंडरिया की विधायक श्रीमती भावना बोहरा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एकमात्र ऐसा राजनीतिक दल है जो एक वैचारिक आंदोलन भी है। यह वैचारिक आंदोलन हमें निरंतर प्रेरित करता है कि समाज को आपस में कैसे जोड़ा जाए? भाजपा की स्पष्ट प्रतिबद्धता समाज में एकता, सामाजिक समानता, सामाजिक न्याय और समावेशिता स्थापित करने की है। इसी प्रतिबद्धता को धरातल पर उतारने के लिए पार्टी यह देशव्यापी अभियान शुरू कर रही है। इस दौरान पूरे देश में कलश यात्राएँ निकाली जाएंगीं और व्यापक जनसम्पर्क स्थापित किया जाएगा। छात्रावासों और विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों में जाकर गुरु रविदास जी के जीवन दर्शन और विचारों को पहुँचाया जाएगा। यह अभियान अगले वर्ष की माघ पूर्णिमा संत रविदास जयंती तक निरंतर सक्रियता के साथ चलाया जाएगा। भावना बोहरा ने कार्यकर्ताओं को रवि संत रविदास के श्लोक,और एवं जीवन चरित्र को विस्तार से बताते हुए आव्हान किया कि भाजपा के कार्यकर्ता भी जीवन में एक उद्देश्य बनाएं, जो पार्टी की नीति है एकात्म मानववाद एवं सामाजिक समरसता तथा राष्टभक्ति को अपने जीवन में अपनाएं, सिर्फ बोलने तक सीमित न रह जाए, उन्होंने कहा कि संत रविदास ने एक-एक व्यक्ति के थाली में भोजन की चिंता की वैसे ही देश के प्रधानमंत्री

भाजपा कार्यकर्ताओं को भावना बोहरा ने समरसता और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया

नरेंद्र मोदी ने करोड़ों लोगों एवं गरीब मजदूर के घर में चावल एवं अनाज की चिंता की और प्रदेश के यशस्वी पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने भी 15 वर्षों तक प्रदेश के गरीबों की चिंता करते हुए एक रुपए किलो में खाद्यान्न लोगों तक पहुंच गया । भावना बोहरा ने कहा कि राजनंदगांव की संस्कारधानी नगरी में वह कार्यकर्ताओं से मिलकर अभिभूत हैं क्योंकि यहां के कार्यकर्ता सम्मान के भाव के साथ भाजपा के संकल्प को घर-घर तक पहुंचा रहे हैं । उन्होंने कहा कि मीराबाई ने संत रविदास को गुरु बनाया था कार्यक्रम में संगठन जिला संगठन प्रभारी जितेंद्र वर्मा ने संत गुरु रविदास की 650 वी जयंती के उपलक्ष में 29 जुलाई से 20 फरवरी तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी और बताया कि प्रदेश स्तर पर प्रत्येक मंडल शक्ति केंद्र एवं बूथ स्तर पर जयंती के कार्यक्रम सफलता पूर्वक आयोजित किए जाएंगे । बैठक में वरिष्ठ भाजपा नेता खूबचंद पारख ने भी संत रविदास के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि स्कूल के पाठ्यक्रम में संत रविदास के विषय में उन्होंने पढ़ा था कि उन्होंने अपने विचारों और कर्मों से समाज में व्याप्त उच्च नीच एवं भेदभाव को समाप्त करने का संदेश दिया तथा राजा और रंक के बीच के भेद को मिटाकर समाज की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया ।

जिलाध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत ने आव्हान किया

जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत ने पंडरिया की विधायक भावना बोहरा का सम्मान के साथ स्वागत करते हुए कार्यकर्ताओ से कहा कि कार्यकर्ता पूरे समर्पण और सक्रियता के साथ संत रविदास की जयंती के अभियान में सहभागिता निभाएं और कार्यक्रम को सफल बनाएं । कार्यक्रम का सफल संचालन जिला महामंत्री डीकेश साहू ने किया एवं आभार प्रदर्शन कार्यक्रम के संयोजक प्रशांत कोडापे ने किया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से रविदास समाज के अध्यक्ष योगराज जगने, वरिष्ठ भाजपा नेता खूबचंद पारख, शशिकांत द्विवेदी, योगेश दत्त मिश्रा, जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत, संगठन प्रभारी जितेंद्र वर्मा, जिला महामंत्री सौरभ कोठारी डिकेश साहू, लक्की भाटिया, किरण वैष्णव, पूर्णिमा साहू, जैन मेश्राम,कैलाश शर्मा, मूलचंद लोधी,ऋषि देव चौधरी, रामकुमार गुप्ता, तरुण लहरवानी, जैसल लाल, विजय रॉय, योगेश भाई, अशोक मानकर, द्वारका चन्द्रवंशी, रवि सिन्हा, राजा माखीजा, गोपाल भूआर्य, त्रिगुण टांक, हरीश शर्मा सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महामंडलेश्वर स्वामी आनंद चैतन्य जी सरस्वती का रायपुर, भिलाई एवं दुर्ग में हुआ गुरुपूजन

कल अग्रसेन भवन में होगा गुरु पूर्णिमा महोत्सव

राजनांदगांव (दावा)। श्रीमत परमहंस परिव्राजकाचार्य श्रोत्रिय ब्रह्मनिष्ठ अनंत श्री विभूषित, आनंद कृष्ण धाम हरिद्वार के परमाध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी आनंद चैतन्य जी सरस्वती का गुरु पूर्णिमा महोत्सव राजनांदगांव के श्री अग्रसेन भवन में 29 जुलाई, बुधवार को आयोजित किया गया है। गुरुदेव भक्त मंडल के अशोक लोहिया, बाबूलाल अग्रवाल, कल्याण साहू , लक्ष्मण लोहिया एवं राकेश लोहिया द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पूज्य महामंडलेश्वर स्वामी आनंद चैतन्य जी सरस्वती का छत्तीसगढ़ की पावन धरा में आगमन 24 जुलाई को रायपुर में हुआ। यहां शदाणी दरबार में शदाणी दरबार के प्रमुख श्री युधिष्ठिर लाल जी के द्वारा पूज्य महामंडलेश्वर जी का भावपूर्ण स्वागत अभिनंदन किया गया । 25 जुलाई को सुबह 10 बजे रायपुर के लगभग 30 शिष्यों द्वारा समता कालोनी में हरिदास डागा के निवास में पूज्य गुरुदेव महामंडलेश्वर स्वामी आनंद चैतन्य जी सरस्वती का गुरु पूजन कार्यक्रम भक्तिभाव पूर्ण भजनों के साथ किया गया।

विज्ञप्ति में आगे बताया गया कि पूज्य गुरुदेव भगवान स्वामी आनंद चैतन्य जी सरस्वती 26 जुलाई को रायपुर से प्रस्थान कर भिलाई पहुंचे यहां श्री कैलाश अग्रवाल के निवास में घंटे एवं शंख की सुमधुर ध्वनि के साथ भव्य स्वागत सत्कार कर गुरु पूजन का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

इसके पश्चात पूज्य गुरुदेव का काफिला दुर्ग के सतीश-दीपक अग्रवाल के निवास पहुंचा।

यहां अनेक शिष्यों द्वारा सनातन संस्कृति के अनुसार द्वार पर रंगोली सजाकर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर स्वागत, अभिनंदन किया गया, मुख्य द्वार पर पूज्य गुरुदेव महामंडलेश्वर स्वामी आनंद चैतन्य जी सरस्वती की आरती उतारी गई। दुर्ग, भिलाई एवं आसपास के अनेक शिष्यों द्वारा गुरुदेव भगवान का चरण पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया गया। तत्पश्चात दोपहर 4:15 बजे पूज्य गुरुदेव का आगमन संस्कारधानी की पावन धरा में डॉ. कल्याण साहू के निवास में हुआ यहाँ भी अनेक शिष्यों द्वारा गुरुदेव भगवान का भावभीना स्वागत अभिनंदन किया गया। गुरुदेव भक्त मंडल द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार संस्कारधानी नगरी में गुरु पूर्णिमा महोत्सव के उपलक्ष में पूज्य महामंडलेश्वर स्वामी आनंद चैतन्य जी सरस्वती का पूजन स्थानीय शिष्यों द्वारा अग्रसेन भवन में 29 जुलाई को सुबह 9 बजे से आयोजित किया गया है। ज्ञातव्य है कि संस्कारधानी नगरी में पूज्य गुरुदेव भगवान के लगभग 200 शिष्य निवास करते हैं। स्थानीय शिष्यों के विशेष आग्रह पर पूज्य गुरुदेव भगवान स्वामी आनंद चैतन्य जी सरस्वती गुरुपूजन कार्यक्रम के लिए राजनांदगांव पधारे हैं। समिति ने स्थानीय शिष्यों से आग्रह किया है कि समय पर उपस्थित होकर गुरु पूजन कर पुण्य लाभ प्राप्त करें।

बिजली विभाग की नई पहल: विद्युत समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए अधिकारी खुद उतरे मैदान में

पार्षदों को साथ लेकर वार्डों का कर रहे भ्रमण; 12 से 15 दिनों में समस्याओं के समाधान का दिया लक्ष्य

राजनांदगांव (दावा)। शहर की विद्युत समस्याओं के त्वरित और स्थाई समाधान के लिए बिजली विभाग ने मैदान संभाल लिया है। आज से विभाग द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में वार्ड पार्षदों के साथ मिलकर जनसमस्याओं को समझने और उनके मैदानी निराकरण का अभियान प्रारंभ किया गया है।

वार्ड 45 रिद्धि-सिद्धि कॉलोनी से अभियान की शुरुआत

अभियान के पहले दिन विद्युत मण्डल के कार्यपालक अभियंता सरदार गुरदयाल सिंह फ्लोरा एवं कनिष्ठ अभियंता कीर्ति देशमुख ने अधिकारियों के दल के साथ वार्ड क्रमांक 45 रिद्धि-सिद्धि कॉलोनी क्षेत्र का औचक भ्रमण किया। इस दौरान वार्ड 45 के सक्रिय पार्षद धुरेन्द्र साहू एवं वार्ड क्रमांक 23 के सक्रिय पार्षद राजा माखीजा के प्रतिनिधि सरदार प्रकाश वाधवानी भी साथ रहे। अधिकारियों ने जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर क्षेत्र में कम वोल्टेज, ढीले तारों व अन्य विद्युत समस्याओं को प्रत्यक्ष रूप से समझा और उनके त्वरित समाधान की विस्तृत रूपरेखा तैयार की। कार्यपालक अभियंता ने एक से दो दिनों के भीतर कार्य प्रारंभ कर अगले 12 से 15 दिनों में सभी कार्यों को पूर्ण करने का कड़ा लक्ष्य दिया है।

बाजार क्षेत्र में अत्यावश्यक सुधार की योजना तय

वार्डों के भ्रमण के साथ ही अधिकारियों ने शहर के अति व्यस्त बाजार क्षेत्र–भारत माता चौक, आजाद चौक एवं आसपास के इलाकों का भी त्वरित जायजा लिया। यहाँ अत्यावश्यक सुधार व प्रणाली उन्नयन पर विस्तृत चर्चा कर कार्य निष्पादन की योजना सुनिश्चित की गई। जल्द ही स्थानीय पार्षदों को साथ लेकर इस व्यावसायिक क्षेत्र का विस्तृत भ्रमण कर समस्याओं का स्थायी समाधान निकाला जाएगा।

उल्लेखनीय है कि शनिवार को भी विद्युत विभाग द्वारा गठुला और बोरी क्षेत्र के उपभोक्ताओं से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया को गति दी गई थी।

हफ्ते में 3 दिन चलेगा मैदानी निरीक्षण का सिलसिला

विद्युत वितरण व्यवस्था को सुगम और उत्कृष्ट बनाने के लिए विभाग के उच्च अधिकारी स्वयं मैदान में उतर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि शहर के हर वार्ड और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय जन प्रतिनिधियों के साथ भ्रमण का यह सिलसिला निरंतर जारी रहेगा। सप्ताह में तीन दिन अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर समस्याओं की पहचान और त्वरित निवारण का यह कार्य तब तक निर्बाध रूप से चलेगा, जब तक राजनांदगांव विद्युत वितरण की दृष्टि से एक सुगम और उत्तम शहर न बन जाए।

कारगिल युद्ध में सैनिकों ने देश की सेवा के लिये सर्वोच्च बलिदान दिया-महापौर

० सैनिकों की वजह से ही हम अपने देश में शांति एवं अमन से जी रहे हैं, बोले महापौर
० जिले के पूर्व सैनिकों के लिये कार्यालय भवन का महापौर मधुसूदन ने किया उद्घाटन

राजनांदगांव (दावा)।कारगिल युद्ध में विजय दिलवाने वाले बहादुर सैनिको एवं शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं, जिन्होंने देश की सेवा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उनकी ही वजह से हम अपने शहर में, देश में शांति एवं अमन के साथ जी रहे हैं। उक्ताशय के विचार राजनांदगांव महापौर मधुसूदन यादव ने मुख्य अतिथि की आसंदी से अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद्, छ.ग. के कार्यालय उद्घाटन समारोह में व्यक्त किए। उन्होंने यह भी कहा कि आप सैनिकों ने हमेशा देश को दिया है, आपके द्वारा कार्यालय भवन की आवश्यकता से अवगत कराया गया था, जिसे आज कारगिल विजय दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को समर्पित करते हुए हर्ष एवं गर्व का अनुभव कर रहा हूँ।

उल्लेखनीय है कि कारगिल विजय दिवस के अवसर पर जिले के पूर्व सैनिको के लिए, प्यारेलाल स्कूल मैदान परिसर में, महापौर द्वारा कार्यालय भवन उपलब्ध कराया गया है, जिसका उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में महापौर के साथ अन्य गणमान्य अतिथिगण में अध्यक्ष नगर निगम राज. टोपेन्द्र (पारस) वर्मा, पार्षद संतोष पिल्ले नेताप्रतिपक्ष नगर निगम, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी राज. ए.सी.पंत, इंजीनियर जी.आर. देवांगन (जिलाध्यक्ष छ.ग. पेंशनर संघ), डॉ. के.एल. टाण्डेकर, प्रदेश अध्यक्ष छ.ग. पेंशनर संघ, पार्षद मनोहर यादव, एल्डरमेन हर्ष रामटेके (गुड्डा) मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में अध्यक्षता अशोक झा, अध्यक्ष अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद्, राजनांदगांव ने की। आयोजन समिति की ओर से मार्गदर्शक संरक्षकगण कैप्टन विनोद रजक, गुमान दास साहू, गुरमीत भाटिया, बसंत रावटे, जिला संयोजक संतोष सिंह, सदस्यगण उमेश गंगबेर, संजय पवार, उमा कुमार सिन्हा, गजेन्द्र लंबट, राकेश नील कुसुम, गंजीर, अमर साव, ईश्वर सिंह जागृत, चिमनलाल साहू, युगल किशोर वर्मा, जयंत वर्मा, विनोद यादव, कलीराम ठाकुर, भानुराम ठाकुर, पीयूष साव, कन्हैयालाल साव, कृष्णा साहू, शंकर लाल ध्रुव, घनश्याम कुमार साहू सहित समस्त जिले के भूतपूर्व सैनिकगण उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सैन्य मातृ शक्ति अध्यक्ष वर्षा रावटे, संगीता साहू, मीनेश्वरी साहू, ठगिया साहू, द्रौपती साहू, चंदारानी, सुनीता राव, कल्पना झा, शिवानी साहू, शीतल सिन्हा, सावित्री रजक प्रमुख रूप से उपस्थित रही। आयोजन में मां भारती के तैल्य चित्र पर दीप प्रज्जवलन एवं पुष्पांजलि पश्चात् कारगिल दिवस के उपलक्ष्य में देश के वीर शहीदों की शहादत को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई एवं पूर्व सैनिकों के हितार्थ नवीन भवन का उद्घाटन महापौर मधुसूदन यादव के द्वारा फीता काटकर किया गया। पार्षद संतोष पिल्ले ने अपने सम्बोधन में कहा कि महापौर, निगम अध्यक्ष एवं वे स्वयं इस वार्ड में पूर्व में पार्षद रह चुके हैं एवं उनके वार्ड में भूतपूर्व सैनिकों का कार्यालय बनाया जाना हर्ष की बात है, भूतपूर्व सैनिकों को पूरा सहयोग दिया जाएगा।

डॉ. के.एल. टाण्डेकर ने अपने उद्गार में कहा कि देश को पूरे फौज पर जो मान अभिमान है, वह विश्व प्रसिद्ध है। कारगिल युद्ध को बहुत कम समय में जिस बहादुरी से हमारे सैनिकों ने जीता है उससे पूरे देश का सर गर्व से ऊंचा हुआ है। कारगिल फतह करने वाले वीर जवानों एवं शहीदों को नमन है। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी राज. ए.सी.पंत ने सैनिकों के कल्याणार्थ संचालित योजनाओं एवं सुविधाओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन से पहले अध्यक्ष अशोक झा ने बताया उनके संगठन का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रप्रेम की भावना जगाना एवं उनका चरित्र निर्माण करना है। उनके संगठन के द्वारा योद्धा फिजिकल ट्रेनिंग अकादमी डोंगरगढ़ का संचालन विगत् 05 वर्षो से किया जा रहा है, जिसमें युवाओं को निःशुल्क शारीरिक प्रशिक्षण देकर सेना, पुलिस, पैरामिलिट्री कोर्स, सुरक्षा बलों में भर्ती के योग्य बनाया जा रहा है। विगत् 02 वर्षो में ही हमारी अकादमी से प्रशिक्षित 16 बच्चों ने विभिन्न रक्षा पदों पर चयन में सफलता प्राप्त की है। उन्होंने भूतपूर्व सैनिकों की तरफ से महापौर जी को कार्यालय भवन उपलब्ध कराने के लिए धन्यवाद देते हुए आभार प्रदर्शित किया।

श्रावण मास में गूंजेगी शिव आराधना, श्री सत्यनारायण मंदिर में एक माह तक होगा रुद्राभिषेक महोत्सव

राजनांदगांव (दावा)। संस्कारधानी के सुप्रसिद्ध श्री सत्यनारायण मंदिर में श्रावण मास के पावन अवसर पर 30 जुलाई से 28 अगस्त तक संस्कार शिक्षा शिव आराधना महामहोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान प्रतिदिन स्फटिक शिवलिंग का विधिवत रुद्राभिषेक, मंत्रोच्चार एवं शिव पूजन विद्वान आचार्यों के सान्निध्य में संपन्न होगा। मंदिर समिति ने श्रद्धालुओं से अधिकाधिक संख्या में सहभागी बनने का आग्रह किया है। श्री सत्यनारायण मंदिर समिति के अध्यक्ष हरीश अग्रवाल ने बताया कि समिति द्वारा वर्षभर विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों का संचालन किया जाता है। कई वर्षों से श्रावण मास में शिव भक्ति एवं आराधना को समर्पित विशेष महोत्सव का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति में श्रावण मास का विशेष महत्व है। यह मास भगवान शिव की आराधना, भक्ति और साधना का सर्वोत्तम काल माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार श्रावण मास की उत्पत्ति श्रवण नक्षत्र की पूर्णिमा से हुई है, इसलिए इसका आध्यात्मिक महत्व और भी बढ़ जाता है।

मंदिर समिति के उत्सव प्रभारी लक्ष्मण लोहिया ने बताया कि इस वर्ष भी पूरे विधि-विधान के साथ एक माह तक प्रतिदिन रुद्राभिषेक का आयोजन किया जाएगा। रुद्राभिषेक के दौरान पंचामृत, जल, बेलपत्र एवं अन्य पूजन सामग्री से भगवान शिव का अभिषेक कराया जाएगा। साथ ही वैदिक मंत्रोच्चार एवं शिव मंत्रों का जाप भी होगा। उन्होंने बताया कि रुद्राभिषेक के समय मंत्र जाप करना अत्यंत पवित्र एवं ध्यानमय माना जाता है, जिससे पूजा की आध्यात्मिक शक्ति और पवित्रता बढ़ती है। मान्यता है कि भगवान शिव की कृपा से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं तथा उन्हें सुख, शांति और समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है। समिति द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पूजन सामग्री एवं आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। प्रतिदिन रुद्राभिषेक एवं विशेष पूजन में सहभागिता के इच्छुक श्रद्धालु मंदिर समिति के सचिव सौरभ खंडेलवाल (मो. 9039790805) तथा मंदिर के पुजारी पंडित बद्री महाराज (मो. 7000803475) से संपर्क कर सकते हैं।

29 अगस्त को पूर्णाहुति हवन-यज्ञ

श्रावण मास के समापन अवसर पर 29 अगस्त को प्रातः 10 बजे से पूर्णाहुति हवन-यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। मंदिर समिति के सदस्यों द्वारा संस्कार शिक्षा के संकल्प के साथ यह विशेष अनुष्ठान संपन्न कराया जाएगा। इसी के साथ एक माह तक चलने वाला संस्कार शिक्षा शिव आराधना महामहोत्सव श्रद्धा एवं भक्ति के वातावरण में संपन्न होगा।

समाज में धार्मिक संस्कारों का संवर्धन

मंदिर समिति का मानना है कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में आध्यात्मिक चेतना, संस्कार एवं सनातन परंपराओं के प्रति जागरूकता बढ़ती है। श्रावण मास में आयोजित यह महोत्सव श्रद्धालुओं को भगवान शिव की आराधना से जोड़ने के साथ-साथ नई पीढ़ी में धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण का संदेश भी देगा। उपरोक्त जानकारी श्री सत्यनारायण मंदिर समिति के सचिव सौरभ खंडेलवाल एवं उत्सव प्रभारी लक्ष्मण लोहिया ने दी।

मोहारा वार्ड विजिट में आयुक्त ने एसएलआरएम सेन्टर एवं पुन्नी मेला स्थल का किया निरीक्षण

० एसएलआरएम सेन्टर की स्वच्छता दीदीयों से कचरा संग्रहण व कचरा पृथककरण के संबंध में की चर्चा
० मेला स्थल तटबंध के पास घाट की सफाई करा सेन्टर के पास जल भराव की कराई निकासी

राजनांदगांव (दावा)। वार्डो मे स्वास्थ्य सेवाओ का जायजा लेने की कडी में आयुक्त जी.आर. मरकाम आज सुबह मोहारा वार्ड में साफ सफाई का निरीक्षण किया। उन्होंने वार्ड पार्षद व शिक्षा विभाग के प्रभारी सदस्य आलोक श्रोती के साथ मोहारा मेला स्थल तथा एसएलआरएम सेन्टर का निरीक्षण कर स्वच्छता दीदीयो से कचरा संग्रहण एवं कचरा पृथककरण की जानकारी लेकर चर्चा किए।

आयुक्त श्री मरकाम मोहारा एसएलआरएम सेंटर का निरीक्षण कर सेन्टर की स्वच्छता दीदीयो से घरो से किये जा रहे कचरा संग्रहण तथा सेन्टर में होने वाली कचरा पृथककरण की जानकारी लेकर उनके चर्चा किए। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन सत्प्रतिशत घरों में जाकर कचरा संग्रहण करना सुनिश्चित करे, घर में गीला सुखा कचरा अलग अलग रखने समझाईस देवे, इसके अलावा सभी घरो से यूजर चार्ज लेवे। उन्होंने कचरा पृथककर के सबंध मे भी चर्चा कर चरणबद्ध कचरे का निपटान करने सेन्टर में साफ सफाई रखने के निर्देश दिए। इसके अलावा सेन्टर या उसके आस पास जल भराव को आयुक्त ने खड़े होकर सफाई करा निकासी कराए। उन्होने कार्यपालन अभियंता श्री दीपक खाण्डे को सेन्टर के जल भराव क्षेत्र में मुरूम डस्ट डालकर समतलीकरण करने के निर्देश दिए।

पुन्नी मेला स्थल का निरीक्षण कर आयुक्त ने मेला एवं अन्य व्यवस्था के संबंध में वार्ड पार्षद श्री आलोक श्रोती से जानकारी लिए। उन्होंने मेला स्थल की समुचित साफ सफाई भी कराई तथा तटबंध के पास घाट की पचरी व नदी किनारे भी साफ सफाई करा कटिली झाडी कटाई गयी। तटबंध के किनारे जमे मिट्टी के संबंध मे उन्होंने जानकारी ली, वार्ड पार्षद ने जानकारी दी कि तटबंध बनाने समय नदी से निकले मिट्टी तटबंध के किनारे छोडने पर मिट्टी जमने की वजह से नदी में बहकर आने वाली गाद एवं कचरा वहा फस कर रूक जाता है, इस पर आयुक्त ने इसके निदान के लिए जल संसाधन विभाग को पत्र लिखकर समस्या का निदान कराने कार्यपालन अभियंता को निर्देशित किए। इस दौरान उन्होंने जल संयंत्रगृह में एलम का भण्डारण देख एलम का पर्याप्त भण्डारण के अलावा अन्य आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए। साथ ही टंकियो के आस पास सफाई व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य अधिकारी राजेश मिश्रा, स्वच्छता निरीक्षक दीपक श्रीवास्तव, सह उद्यान प्रभारी दिलीप गिरी आदि उपस्थित थे।

चौक में ऊंट के कूबड़ टाइप ब्रेकर बना ख़तरनाक, बीती रात दो वाहन चालक हादसे का शिकार होते-होते बचे

राजनांदगांव (दावा)। शहर के मुख्य मार्गो से लेकर भीतरी हिस्सो में गहरे गड्ढों से भरे सड़कों का मरम्मत कार्य इन दिनों जारी है। जो कार्य बारिश के पूर्व होना चाहिए वह कार्य निगम द्वारा ठेकेदारों के माध्यम से भरी बारिश में कराया जा रहा है।

उक्त कार्य के चलते लखोली नाका चौक में बेरिकेड लगा दिए जाने से लोगों को आवागमन में परेशानी तो हो ही रही है साथ ही बारिश में गड्ढों से भरी सड़कों का किये जा रहे सीमेंटीकरण व उसके टीकाऊ पन को लेकर सवाल भी उठाने लगे हैं। कहीं यह सीमेंटीकरण कार्य बारिश में धुल कर दुर्घटना को आमंत्रण देने वाले गड्ढे ज्यों का त्यों न रह जाए।

बहरहाल लखोली नाका चौक में पाईप लाईन डालने के लिए खोदे गए गड्ढे को पाटने के लिए इसी सीमेंटीकरण कार्य का उपयोग किया जा रहा है। चौक के एक हिस्से का सीमेंटीकरण कार्य कर भी दिया गया है जिसमें गड्ढे को समतल करने के बजाय ऊंट की कूबड़ टाइप का ब्रेकर बना दिया गया है। जबकि मुहल्ले वासियों वाले इस चौंक पर ब्रेकर बनाने की कभी मांग नहीं की गई है। इसके बाद भी नगर निगम के ठेकेदार द्वारा बना दिए गए उक्त कूबड़ युक्त ब्रेकर से लोग उछल कर गिरने लगे हैं। इससे किसी भी क्षण वाहनों के उछल कर दुर्घटना होने का खतरा बना हुआ है।

बीती रात उछल कर गिरे वाहन चालक

लखोली नाका चौक से उक्त कूबड़ टाइप के ब्रेकर को बने एक दिन भी नहीं हुआ और रविवार की रात दो वाहन चालक उक्त कूबड़ टाइप के ब्रेकर से उछल कर हादसे

लखोली नाका चौक में देर तक लड़ाई-झगडे का बना रहा माहौल

का शिकार होते - होते बचे। आसपास के लोगों ने बताया कि उक्त घटना को लेकर दोनों वाहन चालक एक- दूसरे को दोष देते हुए आपस में लड़ पड़े। बताया जाता है कि उनकी देर तक आपस में कहा-सुनी होते रही। घटना बीती रात लगभग 10 बजे की बताई जाती है।

आसपास के लोगों का कहना है कि नेशनल हाईवे के अलावा आम रास्ते में भी इस तरह के कूबड़ टाइप का रोड ब्रेकर बनाना बंद हो गया है। इस तरह के ब्रेकर से तेज रफ्तार वाहनो के उछल कर दुर्घटना ग्रस्त होने की पूरी संभावना बनी रहती है।

इसे देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगा दिया है। इसके बावजूद निगम द्वारा शहर के आम रास्तों में इस तरह के कूबड़ वाले ब्रेकरों का निर्माण कराया जा रहा है। उक्त सीमेंटीकरण कार्य कर रहे श्रमिकों ने बताया कि हम लोग भी नही चाहते थे कि इस आवागमन वाले व्यस्त रास्ते में कूबड़ युक्त ब्रेकर बने पर उसे क्यों बना दिया गया इसे हम भी नहीं जानते।

लिहाजा वार्डवासियों द्वारा पाइप लाइन के लिए खोदे गए गड्ढे को समतल करने के बजाय उसे कूबड़ टाइप के ब्रेकर का रुप देने के लिए आक्रोश व्यक्त किया जा रहा है और इससे होने वाली दुर्घटनाओं के मद्देनजर उक्त कूबड़ टाइप के ब्रेकर बनाने के बजाय गड्ढे को समतल किए जाने की मांग की है।

इधर यातायात प्रभारी नवरतन कश्यप ने कहा कि यदि शहर के अंदर आम आवागमन की सड़क पर उंट की कूबड़ टाइप का ब्रेकर बनाया गया हो तो वह सुरक्षित यातायात की दृष्टि से उचित नहीं है। इसका निरीक्षण कर लोगों के सुगम यातायात के लिए मार्ग प्रशस्त किए जाएंगे।

अनमोल दावा

> अहंकार मन का मैल है, इसे बाहर निकालकर ही जीवन का आनंद लिया जा सकता है.

सम्पादकीय

संसद के सत्रों में काम नहीं होने से 10 सालों में जनता के 3300 करोड़ बर्बाद

संसद का मानसून सत्र शुरू हुवे 6 दिन हो गए। इसके बावजुद, अभी तक संसद में काम शुरू नहीं हुआ है। केन्द्र सरकार का सतत् विरोध, विपक्षी दलों का हंगामा और नारेबाजी के कारण मानसून सत्र चल ही नहीं पाया। गत शुक्रवार को भी काम शुरू करने के प्रयास हुवे थे, किन्तु सफलता नहीं मिली। सोमवार तक संसद को स्थगित करना पड़ा था। गत सोमवार को भी धांधल-धमाल के चलते सत्ता पक्ष ने लोक परीक्षा संशोधन बिल पेश किया और उसके बाद फिर संसद स्थगित हो गई थी।

भारत जैसे विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के लिए इसे शर्मनाक ही कहना चाहिए कि, सांसदों के द्वारा संसद के कार्यो को चलने नहीं दिया जाता। लगभग 1.50 अरब की जनसंख्या वाले देश में जिस विश्वास व आस्था के साथ जनता अपना जनप्रतिनिधि चयन कर, सांसद चुनकर दिल्ली में भेजते हैं किन्तु, वहीं सांसदों की सांठगांठ, खरीद फरोख्त और राजनैतिक ड्रामाबाजी में रचे-पचे रहते हैं। जनता का पैसा फिजूल बर्बाद हो रहा है। इससे जनता की उम्मीदों पर पानी फिर जाता है।

देश की सबसे बड़ी पंचायत व सबसे पवित्र स्तंभ याने देश की संसद है। संसद ऐसा सर्वोच्च स्थान है, जहां 150 करोड़ नागरिकों का भविष्य, उनके अधिकार, टैक्स का सदुपयोग और देश के लिए नए कानून बनाने के विषयों पर चर्चाएं होती हैं और उसके बाद निर्णय लिए जाते हैं। परन्तु, पिछले 10 सालों से देश के संसद नीतियों, कानून व न्याय के विषयों पर विरोध, शोर शराबा, नारेबाजी, बैनर दर्शाते और फिर संसद के दोनों गृहों को स्थगित करने की राजनीति का मैदान बन गया है।

जनता अपने खून-पसीने की कमाई में से टैक्स भरती है, जिससे देश सुचारू रूप से चल सके। परन्तु, जब लोकसभा और राज्यसभा में एक घण्टे भी काम न हो, तब इसे जनता का दुर्भाग्य कहना चाहिए। प्रत्येक एक मिनट में जनता के लाखों रूपए बर्बाद हो जाते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, सांसदों का विरोध, हंगामा और ड्रामाबाजी के कारण पिछले 10 सालों में जनता के 3300 करोड़ रूपयों का नाश हो गया है।

चिंताजनक यह कि, हमारे सांसदगण नैतिकता भूल गए हैं। सत्ता में रहने, सत्ता में आने के बाद अनेक सांसद अपनी कीमत आंकने लग जाते हैं। कभी भी चाहे जब जिस प्रकार सांसदों को खरीदा जा सकता है। अपनी पार्टी में लाया जा सकता है। सत्ता हासिल करने सब कुछ चलता है। यहां जन कल्याण को दरकिनार कर दिया जाता है। उसमें भी संसद की कार्यप्रणाली के दौरान विरोध करना और जनता की समस्याओं की अवहेलना करना तो सामान्य बात हो गई है। हर साल, सांसदों के पीछे करोड़ों रूपए खर्च किए जाते हैं। इसके बावजुद, कोई फलदायी परिणाम नहीं मिलते।

उल्लेखनीय कि, संसद भवन का संचालन यह केवल सांसदों के वेतन तक सीमित नहीं है। इस संकुल को चलाने के लिए विशाल इन्फ्रास्ट्रक्चर, हाईटेक टेक्नालाजी, सुरक्षा व्यवस्था, सांसदों के भत्ते, कर्मचारियों का वेतन, मुद्रण, बिजली खर्च और लाजिस्टिक के पीछे बड़ा खर्च किया जाता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, संसद के दोनों गृहों लोकसभा और राज्यसभा चलाने के लिए प्रति मिनट का अनुमानित खर्च 2.50 लाख रूपए है। प्रति घण्टे संसद चलाने का खर्च लगभग 1.50 करोड़ तक पहुंचता है। इसी प्रकार, संसद का सामान्यत: प्रतिदिन का समय 6 घण्टे का होता है। प्रतिदिन के कार्य के पीछे लगभग 8 से 9 करोड़ रूपए खर्च होते हैं।

प्रत्येक सांसद के पीछे वर्ष में 35 लाख रूपए केवल वेतन में खर्च होते हैं। संसद चले या न चले, किन्तु सांसदों की जेबें भरी रहती हैं। उनके भत्ते, उनकी सुविधाएं या फण्ड में से कुछ भी घटता नहीं है। सांसदों को हर माह 2.86 लाख का वेतन भुगतान होता है। इसके अलावा, उन्हें 34 जितने डोमेस्टिक फ्लाईट की ट्रेवलिंग नि:शुल्क मिलती है। ट्रेनों में जाने के लिए ए.सी. की टिकट नि:शुल्क और यह सुविधा उनके परिवारों को भी मिलती है। इसके सिवाय हर साल 50,000 नि:शुल्क बिजली और 4000 किलोलीटर पानी भी नि:शुल्क मिलता है। सांसदों और उनके परिवारों का श्रेष्ठतम इलाज भी नि:शुल्क होता है। संसद का कार्यकाल चालू हो, तब रेन्ट फ्री मकान मिलते हैं। इसके अलावा, सत्र चालू हो तब प्रतिदिन 2500 रूपए घर से सरकारी कार में संसद जाने के लिए, भत्ते का भी भुगतान होता है। इसके अलावा, अपने संसदीय गृह क्षेत्र के विकास के लिए 5 करोड़ रूपए हर साल मिलते हैं।

इसे जनता का दुर्भाग्य ही कहें कि कई सांसद सदन में मौन रहते हैं। वे अपने क्षेत्र की समस्याओं बाबत कुछ नहीं बोलते। कई तो संसद में भी अनुपस्थित रहते हैं। लोग मानते है कि संसद यह जनता की आवाज है। उनके टैक्स के पैसों से संसद में काम होता है। किन्तु, इसका उचित प्रतिसाद जनता को नहीं मिल रहा है। ऐसा ही चलता रहा तो आम जनता का लोकतांत्रिक प्रक्रिया से विश्वास ही उठ जाएगा।

ज्ञान, बुद्धि और विवेक : जीवन की सबसे बड़ी संपत्ति
ज्ञान की नदी, बुद्धि का प्रवाह और विवेक का सागर

तेजबहादुर सिंह भुवाल

आज दुनिया अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। विज्ञान, तकनीक और संचार के क्षेत्र में हो रहे तेज़ विकास ने मनुष्य के जीवन को सुविधाजनक बना दिया है। एक क्लिक पर अनगिनत जानकारियाँ उपलब्ध हैं, लेकिन क्या केवल जानकारी का होना ही मनुष्य को महान बना देता है? इसका उत्तर स्पष्ट है-नहीं। जीवन को सार्थक बनाने के लिए ज्ञान के साथ बुद्धि और विवेक का होना अनिवार्य है। यही तीनों गुण व्यक्ति के चरित्र, व्यक्तित्व और भविष्य की वास्तविक पहचान बनते हैं।

ज्ञान वह प्रकाश है जो जीवन के अंधकार को दूर करता है। यह हमें शिक्षा, अनुभव, अध्ययन, प्रकृति और समाज से प्राप्त होता है। ज्ञान मनुष्य को जागरूक बनाता है, उसकी सोच का विस्तार करता है और उसे नई संभावनाओं से परिचित कराता है। किंतु केवल ज्ञान अर्जित कर लेना ही पर्याप्त नहीं है। यदि ज्ञान व्यवहार में न उतरे, तो वह पुस्तकों के पन्नों तक ही सीमित रह जाता है।

ज्ञान को सार्थक बनाने का कार्य बुद्धि करती है। बुद्धि वह क्षमता है, जो सही समय पर सही निर्णय लेने की शक्ति प्रदान करती है। जीवन में अनेक अवसर ऐसे आते हैं, जब व्यक्ति को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। उस समय केवल जानकारी नहीं, बल्कि सूझ-बूझ और दूरदर्शिता काम आती है।

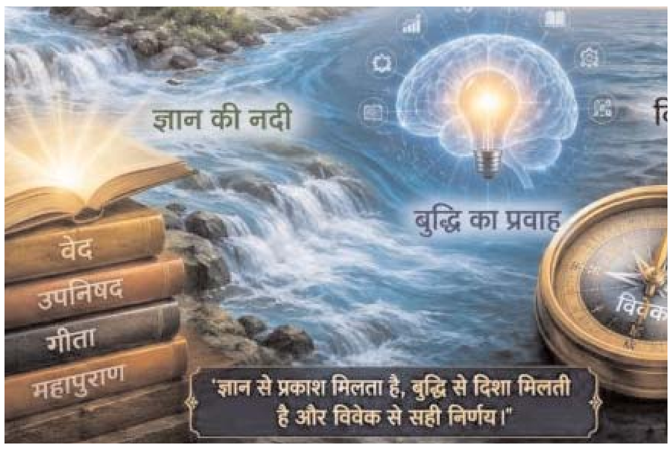

आज की सबसे बड़ी आवश्यकता यही है कि हम केवल ज्ञानवान बनने का प्रयास न करें, बल्कि बुद्धिमान और विवेकशील भी बनें

बुद्धिमान व्यक्ति समस्याओं से घबराता नहीं, बल्कि उनका समाधान खोजता है। वह परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालना जानता है और असफलताओं को भी सीखने का अवसर बना लेता है। इन दोनों से भी श्रेष्ठ स्थान विवेक का है। विवेक वह आंतरिक चेतना है, जो हमें सही और गलत, न्याय और अन्याय, सत्य और असत्य के बीच अंतर करना सिखाती है। विवेक ही मनुष्य को नैतिक बनाता है। जब ज्ञान और बुद्धि के साथ विवेक जुड़ जाता है, तब व्यक्ति अपने निर्णय केवल स्वार्थ के आधार पर नहीं, बल्कि समाज और मानवता के हित को ध्यान में रखकर लेता है। यही गुण एक सामान्य व्यक्ति को असाधारण बना देता है। वर्तमान समय में ज्ञान का विस्फोट हुआ है, लेकिन विवेक का संकट भी उतना ही गहरा दिखाई देता है। सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों ने सूचनाओं का अंबार खड़ा कर दिया है। बिना सत्यापन के खबरें साझा करना, अफवाहों पर विश्वास करना और बिना सोचे-समझे प्रतिक्रिया देना इस बात का संकेत है कि ज्ञान उपलब्ध है, पर विवेक का उपयोग कम हो रहा है। इसलिए आज आवश्यकता केवल शिक्षित लोगों की नहीं, बल्कि विवेकशील नागरिकों की है। हमारे परिवार, विद्यालय और समाज की जिम्मेदारी है कि वे नई पीढ़ी को केवल प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए नहीं, बल्कि बहुमूल्य जीवन के लिए तैयार करें। बच्चों में पढ़ने की आदत, प्रश्न पूछने का साहस, तर्क करने की क्षमता और नैतिक मूल्यों का विकास ही उन्हें सच्चे अर्थों में शिक्षित बनाएगा। चरित्र के बिना ज्ञान विनाश का कारण बन सकता है, जबकि विवेकयुक्त ज्ञान समाज के विकास का आधार बनता है।

इतिहास इस बात का साक्षी है कि महान व्यक्तियों की पहचान केवल उनके ज्ञान से नहीं, बल्कि उनके विवेकपूर्ण निर्णयों से बनी। उन्होंने अपने ज्ञान और बुद्धि का उपयोग मानवता के कल्याण के लिए किया। यही कारण है कि उनका जीवन आज भी प्रेरणा का स्रोत है। ज्ञान हमें सीखने की प्रेरणा देता है, बुद्धि हमें सोचने की क्षमता प्रदान करती है और विवेक हमें सही मार्ग पर चलने की शक्ति देता है। यदि इन तीनों का संतुलित विकास हो जाए, तो व्यक्ति न केवल अपने जीवन में सफलता प्राप्त करता है, बल्कि समाज और राष्ट्र के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आज की सबसे बड़ी आवश्यकता यही है कि हम केवल ज्ञानवान बनने का प्रयास न करें, बल्कि बुद्धिमान और विवेकशील भी बनें। यही जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि और सच्ची संपत्ति है।

महाभारत में महर्षि वेदव्यास ने कहा है कि सभी प्राणियों में मनुष्य सबसे श्रेष्ठ है। इसका कारण उसकी शक्ति, ज्ञान या बुद्धि नहीं, बल्कि उसका विवेक है। विवेक ही मनुष्य को सही और गलत, उचित और अनुचित का निर्णय लेने की क्षमता देता है। यही गुण उसे अन्य प्राणियों से अलग और श्रेष्ठ बनाता है।

आज जब विवेक का स्थान स्वार्थ ने ले लिया है, तब समाज में अपराध, नशाखोरी, मिलावट, भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी, हिंसा, तनाव और आपसी वैमनस्य जैसी समस्याएँ बढ़ती जा रही हैं। इन बुराइयों ने मनुष्य को सुख और शांति से दूर कर दिया है। भौतिक सुविधाएँ बढ़ने के बावजूद मानसिक संतोष और आत्मिक शांति कम होती जा रही है। मनुष्य एक सामाजिक और जिम्मेदार प्राणी है। उसकी श्रेष्ठता तभी सार्थक है, जब वह अपने विवेक का सही उपयोग करे। विवेक ही वह प्रकाश है, जो हमें सही राह दिखाता है और सत्य-असत्य, न्याय-अन्याय तथा अच्छे-बुरे में अंतर करना सिखाता है। यदि प्रत्येक व्यक्ति विवेकपूर्ण जीवन अपनाए, तो न केवल उसका अपना जीवन सुखी होगा, बल्कि समाज भी अधिक संवेदनशील, शांतिपूर्ण और मानवीय बनेगा।

जीवन की वास्तविक सफलता केवल अधिक जानने में नहीं, बल्कि सही समझने और सही कार्य करने में है। ज्ञान हमें जानकारी देता है, बुद्धि उसे समझने की क्षमता देती है और विवेक उस समझ को मानवता, नैतिकता और लोककल्याण की दिशा में ले जाता है। जब ज्ञान, बुद्धि और विवेक एक साथ जीवन में उतरते हैं, तभी व्यक्ति केवल सफल नहीं, बल्कि आदर्श और प्रेरणास्रोत भी बनता है। यही वह मार्ग है जो एक सशक्त समाज, जागरूक नागरिक और विकसित राष्ट्र की नींव रखता है।

कविता

क्या हमने देखा है..?

भारत के इतिहास, संस्कृति के पन्नों को सिमटते हुए,
राजनीतिक पैराग्राफ को सिकुड़ते और विस्तार लेते..
वो सुनहरी धूप और रात के दूधिया रौशनी को।
कैसा लगता है, क्या हमने देखा है.?
वो जो उर्वरा धरती रसायन से पाट दिए गए,
जहाँ मरते हैं जीव-जन्तु और उगते हैं नाजायज घास ।
हमें अपाहिज, दीन हीन, विवश, निस्तेज बनाने के लिए
मौलिकता को खपाकर बाजार की वस्तुएं घरों
तक पहुँचा दी जाती है।
कैसा लगता है, क्या हमने देखा है..?
अब देश की सीमाएं जड़ नहीं है, पड़ोसी के दरवाजे बताते हैं।
सहिष्णुता और भाईचारे मिट चुकी है,
यहाँ नक्सलवाद, आतंकवाद नहीं होता।
जो होता है योजनाबद्ध है।
यहाँ संगीत के सुरताल फड़फड़ाते हैं,
चिड़िया गायब है इंसान शोर मचाते हैं।
कैसा लगता है, क्या हमने देखा है.?
अब बारिश रिमझिम नहीं होती, जब होती है बाढ़ आता है।
माउंट एवरेस्ट की चोटी भी शर्माकर झुकने लगे हैं,
मानो चट्टानों को तोड़ने कोई तूफान आता है।
समंदर तो खारा पानी से यूँ ही बदनाम है,
बताओ दुकान में मिलने वाला वो पानी गाँव तक कौन पहुँचाता है ?
कैसा लगता है, क्या हमने देखा है..?
आस्था, विश्वास के नाम पर पाठ पढ़ाने वाले प्रोफेसर,
जाति धर्मों के नाम पर राष्ट्र भक्त, वैज्ञानिकों की भीड़।
डिजिटल क्रांति के अदृश्य चोर, लुटेरे और भक्त,
अपने अनोखे अंदाज में देश को
आत्मनिर्भर बनाने में लगे हुए हैं।
कैसा लगता है, क्या हमने देखा है..?

मदन मंडावी
ढारा, डोंगरगढ़, छत्तीसगढ़

कविता

एक पेड़ महतारी के नाम

झन काटव रे, झन काटव,
प्रकृति के काम,,
झन करव तमाम,।
एक पेड़ महतारी के नाम।।
एक पेड़....
मत काटव रे ,मत काटव,
झन काटव रूख राई ल,,।
उही ह फर -फूल देथे हमला,
उही ह देथे दवाई ल।
भेद भाव कोनो ल नी करय
करथे सबो के भलाई ल।
एक पेड़ एक परान होथें गा,
सुनव ईकर करलाई ल।
पेड़ पौधा ले हरियर रहही,
फुरनाही तीरथ - धाम ।।
एक पेड़ ....
शुद्ध हवा अउ पानी मिलही,
तन ल मिलथे आराम,
सबों लगावव, धरती ल हरियावव,
एक पेड़ महतारी के नाम।।
रूख राई अऊ डोंगरी-पहाड़
ये हवे भुईया के शान।
एकर रकछा जुर मिल करव
जंगल देथे जीवन दान।
साजा सरई, सगौन नीम संग
लगावव आमा अमली जाम,।।
एक पेड़ महतारी के....
हर्रा बहेरा अऊ चार -चिरोंजी,
खावो पीयो अऊ जीयव निरोग,
पेड़ झन काटो न काटन देंवव,
अईसन किरिया लेवव सब लोग।
प्रकृति बर जीवो मरव अउ
घेंव - घेंव करव प्रणाम ।।
एक पेड़.....
प्रकृति चक्र के मूल हे पेड़,
भाठा टिकरा, अऊ खेत के मेंड।
जाम थे थाम थे हरियाली ल,
बाढ़ संग करथे मूठभेंड।
अपन बर तो सब झन जीथे,
पर हित बर करव ये काम,
एक पेड़ महतारी के नाम ।।

आनंद राम सार्वा ''अंनत''
कु.बो. भाठागांव

सामयिक चर्चा

कुछ भी नहीं है मुश्किल, गर ठान लीजिए !

बानी बोले - सुनिए गजाधर !
हम आज तम्बाकू के बारे में
खबर पढ़ते है -
तम्बाकू के संबंध में की गई स्टडी में
बताया गया है कि दुनियाभर में
तम्बाकू एक बड़ी स्वास्थ्य समस्या है
और उससे हर साल
करीब 87 लाख लोग मरते है।
स्टडी से यह भी पता चला है
कि योग करने वालों में
तम्बाकू छोड़ने की संभावना
पचास प्रतिशत
तक कम हो सकती है।
तो गजाधर! मैं पूछता हूँ
शत-प्रतिशत तम्बाकू छोड़ने के लिए
आपकी स्टडी क्या कहती है ?
गजाधर मुस्कराए बोले - बानी !
मनुष्य के मन में बड़ी शक्ति रहती है
तो वह दृढ़ इच्छा शक्ति
तम्बाकू की तलब को मार सकती है।
बानी ने जिज्ञासा की - गजाधर
इस पर कोई उदाहरण दीजिए।
गजाधर दोबारा मुस्कराए बोले - बोनी।
दृढ़ इच्छा शक्ति यानी विल पावर को
एकदम सरल शब्दों में कहना,
मतलब ठान लेना। तो 'ठानने' पर
शायद शहर यार को दाद दीजिए
और उनका यह शेर सुनिए -
चाहें तो आस्माँ को, जमीं पे उतार लाएँ।
कुछ भी नहीं है मुश्किल,
गर ठान लीजिए।
(सोमवार 27 जुलाई 2026)

गिरीश बख्शी

काव्य-प्रवाह

संघर्षों का पथ
आगे बढ़ते रहो सदा ही
आलस का स्थान नहीं है
संघर्षों का जीवन पथ है
इसमें अल्प-विराम नहीं है।

शत्रुघन सिंह राजपूत
गौरीनगर,राजनांदगांव
मो. 7587101862

//बाल कविता//

//प्रकृति//

हुआ सवेरा सूरज आया।
घना अँधेरा दूर भगाया।।
चिड़िया चहकी डाली-डाली।
धरती पर छाई हरियाली।।
मधुमक्खी फूलों पर आई।
उसके रस से शहद बनाई।।
कोयल मीठा गीत सुनाई।
झूम-झूम कर पुरवा आई।।
रहते सँग में कीट-पतंगे।
देखो कितने रंग-बिरंगे।।
हृदय लुभाए प्रकृति हमारी।
है मोहित यह दुनिया सारी।।

प्रिया देवांगन

राशिफल

मेष — आज का दिन आपके लिए नई ताजगी से भरा रहने वाला है। आज आपके साकारात्मक व्यक्तित्व से लोग आपसे प्रभावित होंगे। आज आप किसी सामाजिक समारोह में हिस्सा लेंगे जहाँ आपकी मुलाकात किसी बड़े राजनीतिक पद वाले व्यक्ति से होगी साथ ही नए संपर्क बनेंगे। घर में किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति के आने से चहल पहल बनी रहेगी।

वृष राशि — आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज अपनी खास बात किसी से शेयर ना करें। आज माता जी की सलाह से लिया गया निर्णय भविष्य में लाभदायक साबित होगा। प्रशासनिक सेवाओं में कार्यरत लोगों को महत्वपूर्ण कार्यभार मिलने के योग है। आज वीकेण्ड पर बच्चों के साथ अधिक समय बिताने का मौका मिलेगा।

मिथुन — आज का दिन आपके जीवन में नए परिवर्तन लेकर आने वाला है। आज आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव आएगा और रहन-सहन के प्रति आपका अधिक सजग रहना लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बनेगा। वो पैसा जो उधार देकर वापस पाने की उम्मीद छोड़ चुके थे आज आपको वापस मिल सकता है। काम के प्रति पूरी एकाग्रता आपको नई उपलब्धियां दिलाएगी।

कर्क — आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज स्टेशनरी या खिलौने से जुड़े बिजनेस में निवेश करने के लिए अच्छा समय है साथ ही यह समय रुकी हुई पेमेंट को कलेक्ट करने तथा आर्थिक स्थितियों को मजबूत करने के लिए उत्तम है। अपनी अच्छी सेहत के लिए मेडिटेशन और ध्यान को नियमित रूप से अपनी दिनचर्या में शामिल करें।

सिंह — आज का दिन आपके लिए नई उमंगों से भरा रहने वाला है। किसी नए काम की शुरुआत से पहले उसके बारे में पूरी जानकारी अवश्य करें। छात्रों के लिये आज का दिन अच्छा रहने वाला है, किसी टॉपिक को समझने में आ रही समस्या समाप्त हो जायेगी उन्हे कुछ नया सीखने को मिलेगा। थोड़ी सी मेहनत आज आपको बड़ी सफलता दिला सकती है।

कन्या — आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज आस- पास के लोगों के लिए आपका व्यवहार अच्छा रहेगा, आपके अंदर नयी ऊर्जा का संचार होगा। बिजनेस में आपको मेहनत के बहुत अच्छे नतीजे हासिल होंगे। किसी भी योजना को क्रियान्वित करने से पहले घर के सदस्यों की सलाह जरूर ले। आज आपको अपने गुस्से पर कण्ट्रोल रखना होगा।

तुला — आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। यदि घर या प्रॉपर्टी से जुड़ी योजना बन रही है, तो आज उसके पूरा होने का समय आ गया है। आज का समय आपके लिए उपलब्धियों वाला है। आज जीवनसाथी की सफलता से आपको गर्व होगा। महिलायें आज लघु उद्योग लगाने की योजना बनायेंगी जो निकट भविष्य में काफी फायदेमंद साबित होगी।

वृश्चिक — आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है।आज आप किसी व्यक्ति विशेष के बारे में सोच कर रोमांचित रहेंगे। आज आपको कुछ नए अनुभव मिल सकते हैं। आज आपके लिए माता जी आपकी फेवरिट चीजें खरीदेंगी है जिसे पाकर आप खुशी से झूम उठेंगे। आज ऑफिस में महत्वपूर्ण मुद्दे पर मीटिंग रखी जा सकती है।

धनु — आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज किसी करीबी की सलाह मिलने से आपका हौसला बढेगा और आप काम को बढ़िया तरीके से करेंगे। आज पारिवारिक फरमाइशों को पूरा करने में में अधिक बीतेगा। काफी पहले लोन के लिये किया गया आवेदन की स्वीकृति का शुभसमाचार मिलेगा। छात्रों के लिये आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

मकर — आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आप मार्केटिंग और मीडिया से जुड़े कामों पर अधिक ध्यान देंगे कुछ नई योजनाएं भी बनाएंगे। आज आपकी इनकम अच्छी रहेगी। आज पैतृक संपत्ति से संबंधित मामला सुलझ जाएगा। बिजनेस में बहुत समय से प्रतीक्षित काम आज बन सकता है जिससे आपको राहत महसूस होगी।

कुंभ — आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। लोगों के मन में आपके प्रति सम्मान का भाव रहेगा यह देखकर आपको खुशी होगी। आज आप घर के कामों में माँ की मदद करेंगे और भविष्य को लेकर आप उनसे बातचीत करेंगे। व्यापारिक दृष्टिकोण से आज सब कुछ सामान्य रहेगा।आज आप अपने कामों में जल्दबाजी दिखाने से बचें।

मीन — आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आज अपनी कार्यप्रणाली में बदलाव लाने से आने वाले दिनों मे आपको सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। आपका जो उद्देश्य है, उससे जुड़े विचारों पर ध्यान देने की कोशिश करें। मित्रों के साथ बिताए हुए समय को सोचकर सुकून मिलेगा। आज आपको संतान पक्ष से खुशखबरी मिलेगी।

शिक्षा व्यवस्था पर संकट : एक साल से बंद है कनिमेरा का मिडिल स्कूल, प्रभावित हो रही बच्चों की पढ़ाई

छुईखदान (दावा)। विकासखंड छुईखदान अंतर्गत ग्राम पंचायत कनिमेरा का शासकीय मिडिल स्कूल पिछले लगभग एक वर्ष से जर्जर भवन के कारण बंद पड़ा हुआ है। भवन की स्थिति अत्यंत खराब होने के कारण विद्यालय में कक्षाओं का संचालन बंद कर दिया गया है। वर्तमान में मिडिल स्कूल के छात्र-छात्राओं की कक्षाएँ प्राथमिक विद्यालय के भवन में संचालित की जा रही हैं, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

ग्रामीणों के अनुसार एक ही भवन में प्राथमिक एवं मिडिल स्कूल की कक्षाएँ संचालित होने से विद्यार्थियों को पर्याप्त स्थान नहीं मिल पा रहा है। सीमित संसाधनों के बीच पढ़ाई होने से बच्चों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है और शिक्षण व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले लगभग एक वर्ष से मिडिल स्कूल भवन जर्जर स्थिति में बंद पड़ा है, लेकिन अब तक उसके जीर्णोद्धार या नए भवन के निर्माण की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई है।

ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार संबंधित अधिकारियों को इस समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक स्थिति जस की तस बनी हुई है। उनका कहना है कि यदि समय रहते स्कूल भवन की मरम्मत नहीं कराई गई तो बच्चों की शिक्षा पर इसका दीर्घकालिक प्रभाव पड़ेगा।

दुजराम साहू, सरपंच, ग्राम पंचायत कनिमेरा ने बताया, 'हमारे गांव का मिडिल स्कूल पिछले लगभग एक वर्ष से जर्जर अवस्था में बंद पड़ा है। मजबूरी में बच्चों की पढ़ाई प्राथमिक विद्यालय में कराई जा रही है। इससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। हमारी मांग है कि जल्द से जल्द भवन की मरम्मत कर मिडिल स्कूल की कक्षाएँ पुनः शुरू कराई जाएँ।

महेंद्र साहू, ग्रामीण ने कहा, स्कूल भवन की जर्जर स्थिति के कारण बच्चों को काफी परेशानी हो रही है। प्राथमिक विद्यालय में एक साथ कई कक्षाएँ संचालित होने से पढ़ाई का माहौल प्रभावित हो रहा है। प्रशासन को इस गंभीर समस्या का शीघ्र समाधान करना चाहिए, ताकि बच्चों को बेहतर और सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण मिल सके।

वहीं विकासखंड शिक्षा अधिकारी, छुईखदान ने बताया, कनिमेरा मिडिल स्कूल भवन की जर्जर स्थिति की जानकारी विभाग को है। भवन के जीर्णोद्धार एवं आवश्यक निर्माण कार्य के लिए शासन को प्रस्ताव भेज दिया गया है। प्रस्ताव स्वीकृत होने के बाद नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। तब तक विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित न हो, इसके लिए प्राथमिक विद्यालय में वैकल्पिक व्यवस्था के तहत कक्षाओं का संचालन कराया जा रहा है। विभाग का प्रयास है कि विद्यार्थियों को जल्द से जल्द सुरक्षित एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जाए।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग से मांग की है कि कनिमेरा के जर्जर मिडिल स्कूल भवन की शीघ्र मरम्मत अथवा नए भवन का निर्माण कराया जाए, ताकि छात्र-छात्राओं की पढ़ाई पुनः नियमित रूप से उनके विद्यालय में शुरू हो सके और उन्हें बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके।

घुमका नगर में गैस के लिए भटक रही जनता, उपभोक्ताओं में बढ़ी नाराजगी

घुमका (दावा)। नगर में रसोई गैस सिलेंडर की उपलब्धता को लेकर आम जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि गैस बुकिंग कराने के बाद भी समय पर सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है, जिसके चलते उन्हें एजेंसी के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। कई लोगों को घंटों इंतजार के बाद भी खाली हाथ लौटना पड़ रहा है।

जिसमें रमेश गोस्वामी घोटवानी जो 30 किलोमीटर दूर से आते हैं ओटीपी आने के बाद भी वह एक माह से गैस एजेंसी का चक्कर लगा रहे हैं। 25 किलोमीटर दूर से आ रहे हैं, उसके बाद भी उनको आज तक नहीं मिला, श्याम बाई, पारस कोटा, रौंदा, राजेश वर्मा, ईराई भी गैस की समस्या से परेशान है। नवनीत सिंह राजपूत का कहना हैं गैस की समस्या के कारण सबसे ज्यादा परेशानी महिलाओं और मध्यमवर्गीय परिवारों को हो रही है।

उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि गैस वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता की कमी के चलते लोगों को सही जानकारी नहीं मिल पा रही है। लोगों ने प्रशासन और संबंधित गैस एजेंसी से नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा उपभोक्ताओं की समस्या का जल्द समाधान करने की मांग की है। जनता का कहना है कि रसोई गैस रोजमर्रा की आवश्यक जरूरत है। ऐसे में इसकी आपूर्ति बाधित होने से घरों में खाना बनाने तक की समस्या खड़ी हो रही है। उपभोक्ताओं ने जिम्मेदार अधिकारियों से मामले में तत्काल संज्ञान लेकर गैस की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की है।

घुमका नगर पंचायत में पीएम सूर्य घर योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार; नागरिकों को दी गई सब्सिडी और आवेदन की जानकारी

राजनांदगांव (दावा)। जिले की नगर पंचायत घुमका में केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' का व्यापक प्रचार-प्रसार अभियान प्रारंभ किया गया है। कलेक्टर जितेंद्र यादव के मार्गदर्शन में आम नागरिकों को सौर ऊर्जा अपनाने और बिजली बिल शून्य करने के उद्देश्य से विशेष बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में दी गई सब्सिडी और योजना की विस्तृत जानकारी

नगर पंचायत घुमका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी ज्ञानेश्वर देवदास द्वारा बुलाई गई। इस बैठक में नगर के नागरिकों, व्यवसायियों एवं जनप्रतिनिधियों को योजना के लाभ, पात्रता और आवेदन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से समझाया गया। बैठक में सीएमओ श्री देवदास ने बताया कि योजना के तहत स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए आकर्षक अनुदान दिया जा रहा है। केंद्र सरकार की सब्सिडी- 1 किलोवाट प्लांट पर रु. 45,000 तथा 2 किलोवाट प्लांट पर रु. 90,000 तक की सब्सिडी। राज्य सरकार का अतिरिक्त अनुदान- योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा ?30,000 का अतिरिक्त अनुदान भी प्रदान किया जा रहा है। इस दोहरी सब्सिडी व्यवस्था से हितग्राहियों का मासिक बिजली बिल शून्य या बेहद कम हो सकता है।

घर-घर जाकर किया जाएगा जागरूक

सीएमओ ज्ञानेश्वर देवदास ने बताया कि नगर पंचायत के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीम द्वारा नगर के विभिन्न वार्डों में घर-घर संपर्क (डोर-टू-डोर कैंपेन) किया जाएगा। इस दौरान नागरिकों को सोलर रूफटॉप सिस्टम लगाने के तकनीकी पहलुओं, वित्तीय लाभों और बैंक ऋण सुविधाओं के संबंध में जागरूक कर आवेदन कराने में मदद की जाएगी।

जनप्रतिनिधि और आम नागरिक रहे उपस्थित

बैठक के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमति फूलमती वर्मा एवं उपाध्यक्ष नोहेन्द्र सिन्हा के साथ-साथ बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक और व्यापारी उपस्थित रहे। प्रशासनिक अधिकारियों ने सभी से अपील की कि वे अपने-अपने घरों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की छतों पर सोलर प्लांट स्थापित कर मुफ्त बिजली का लाभ उठाएं और पर्यावरण संरक्षण में अपनी सहभागिता दर्ज कराएं।

घायल कांग्रेस नेता अनिल टेमरे का हालचाल जानने अस्पताल पहुँचे विधायक भोलाराम साहू

छुरिया (दावा)। खुज्जी विधानसभा क्षेत्र के विधायक भोलाराम साहू ने श्रीराम हॉस्पिटल पहुँचकर पाण्डुका निवासी एवं ब्लॉक कांग्रेस कुमरदा के महामंत्री अनिल टेमरे से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। हाल ही में सड़क दुर्घटना में बाइक से गिरने के कारण अनिल टेमरे के हाथ एवं पैर में गंभीर चोटें आई हैं, जिनका उपचार अस्पताल में जारी है।विधायक भोलाराम साहू ने चिकित्सकों से उनके स्वास्थ्य एवं उपचार की जानकारी ली तथा शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने परिजनों से भी चर्चा करते हुए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया और कहा कि किसी भी आवश्यकता की स्थिति में वे सदैव साथ खड़े रहेंगे। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रताप सिंह घावड़े, परिजन एवं कांग्रेस के कई कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

ऑपरेशन 'यात्री सुरक्षा' के तहत रेल सुरक्षा बल की बड़ी सफलता

डोंगरगढ़ (दावा)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रेल सुरक्षा बल ने ऑपरेशन 'यात्री सुरक्षा' के तहत यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त करते हुए लगभग 4.50 लाख मूल्य के स्वर्ण आभूषण चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जीआरपी रायपुर के सुपुर्द किया है।

मंडल सुरक्षा आयुक्त, रेल सुरक्षा बल, नागपुर के मार्गदर्शन में रेल सुरक्षा बल, नागपुर मंडल द्वारा यह कार्रवाई की गई। उल्लेखनीय है कि 19 जुलाई 2026 को गाड़ी संख्या 20844 भगत की कोठी एक्सप्रेस के ए-2 कोच में यात्रा के दौरान लगभग 4.50 लाख मूल्य के स्वर्ण आभूषण चोरी होने की घटना हुई थी। इस संबंध में जीआरपी रायपुर में धारा 305(सी) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था।

डोंगरगढ़ निवासी दो आरोपियों को 4.50 लाख के स्वर्ण आभूषण चोरी मामले में किया गिरफ्तार

मामले की गंभीरता को देखते हुए पोस्ट प्रभारी गोंदिया के नेतृत्व में नागपुर मंडल की टास्क टीम तथा रायपुर मंडल की संयुक्त टीम द्वारा लगातार जांच एवं खोजबीन की गई। जांच के दौरान संबंधित कोच सहित गोंदिया, राजनांदगांव एवं डोंगरगढ़ रेलवे स्टेशनों के सीसीटीवी फुटेज का गहन विश्लेषण किया गया। तकनीकी साक्ष्यों एवं सतत निगरानी के आधार पर संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान कर उनकी तलाश की गई।

इसी क्रम में 26 जुलाई 2026 को डोंगरगढ़ (छत्तीसगढ़) में संदिग्ध आरोपी नवीन पटेल, निवासी डोंगरगढ़, को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। उसकी निशानदेही पर दूसरे संदिग्ध आरोपी नितिन पटेल, निवासी डोंगरगढ़ (छत्तीसगढ़), की पहचान की गई, जिसका हुलिया सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रहे संदिग्ध से मेल खाता था। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने चोरी की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। इसके पश्चात दोनों को अग्रिम वैधानिक कार्रवाई हेतु जीआरपी रायपुर के सुपुर्द कर दिया गया, जहां उन्हें पूर्व में दर्ज प्रकरण में संलग्न कर आगे की जांच की जा रही है।

रेल सुरक्षा बल यात्रियों की सुरक्षा एवं रेलवे परिसंपत्तियों की रक्षा के लिए निरंतर सतर्क एवं प्रतिबद्ध है। आधुनिक तकनीक, सीसीटीवी सर्विलांस, खुफिया निगरानी एवं सतत अभियान के माध्यम से अपराधियों की पहचान कर उनके विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

रेल सुरक्षा बल ने आम नागरिकों एवं रेल यात्रियों से अपील की है कि यदि किसी भी अपराध से संबंधित कोई जानकारी, फोटो, वीडियो अथवा अन्य साक्ष्य उपलब्ध हों तो उन्हें जांच एजेंसी अथवा रेल सुरक्षा बल के साथ साझा करें। जनसहयोग से अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने तथा यात्रियों की सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण सहायता मिलती है।

नगर में आत्मरंजन चातुर्मास का शुभारंभ

डोंगरगांव (दावा)। श्वेताम्बर जैन समाज के लिए आध्यात्मिक साधना का महापर्व आत्मरंजन चातुर्मास-2026 का शुभारंभ मंगलवार से होगा. श्री शांतिनाथ श्वेताम्बर जैन मंदिर में विराजित साध्वी आज्ञांजनाश्रीजी म.सा. एवं साध्वी आगमरूचिश्रीजी म.सा. (आदि ठाणा-2) के पावन सान्निध्य में आगामी चार माह तक प्रतिदिन धर्म, स्वाध्याय, तप, आराधना एवं आत्मचिंतन के विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे.

चातुर्मास समिति एवं सकल जैन श्वेताम्बर श्रीसंघ के अनुसार प्रतिदिन प्रातः 6 बजे पाँच महास्त्रोतों के मंत्रोच्चार के साथ परमात्मा का दिव्य अभिषेक एवं पूजन होगा. इसके पश्चात प्रातः 8.30 बजे से 9.30 बजे तक साध्वीश्री का मंगल प्रवचन होगा, जिसमें धर्म, संयम, आत्मकल्याण एवं व्यवहारिक जीवन से जुड़े प्रेरक संदेश प्रदान किए जाएंगे. महिलाओं के लिए प्रतिदिन दोपहर 2.30 बजे से 3.30 बजे तक स्वाध्याय का विशेष आयोजन रहेगा. वहीं नई पीढ़ी में धार्मिक संस्कारों के संवर्धन हेतु दोपहर 3 बजे से 4 बजे तक बच्चों की धर्म कक्षा आयोजित की जाएगी. सायंकाल 6.30 बजे से प्रतिक्रमण के माध्यम से आत्मचिंतन एवं आत्मशुद्धि की आराधना होगी.

साध्वी आज्ञांजनाश्रीजी म.सा. ने अपने प्रथम उद्बोधन में चातुर्मास को आत्मजागरण का सर्वोत्तम अवसर बताते हुए सभी श्रावक-श्राविकाओं से अधिक से अधिक धर्मलाभ लेने का आह्वान किया था. वहीं साध्वी आगमरूचिश्रीजी म.सा. ने विनय, विवेक, विद्या और उत्तम व्यवहार को जीवन का आधार बनाने का संदेश दिया. सकल जैन श्वेताम्बर श्रीसंघ एवं चातुर्मास समिति ने समाज के सभी वर्गों से प्रतिदिन आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में नियमित सहभागिता कर धर्म, स्वाध्याय, आराधना एवं आत्मकल्याण का लाभ लेने की कहा है.

जिला भाजपा कार्यालय में समरसता संकल्प अभियान को लेकर कार्यशाला संपन्न

खैरागढ़ (दावा)। महान संत गुरु रविदास की 650वीं जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा जिला भाजपा कार्यालय में एक महत्वपूर्ण जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। आगामी 29 जुलाई 2026 (गुरु पूर्णिमा) से फरवरी 2027 तक चलने वाले 'समरसता संकल्प अभियान' की रूपरेखा तय करने के लिए आयोजित इस बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने शिरकत की। कार्यक्रम का संचालन नवनीत जैन ने किया, जबकि स्वागत उद्बोधन जिला भाजपा अध्यक्ष डॉ. बिशेसर साहू ने दिया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि संत रविदास जी ने मन चंगा तो कठौती में गंगा के संदेश के जरिए समाज को शुचिता और आंतरिक पवित्रता का मार्ग दिखाया। खैरागढ़ के अपने पहले दौरे पर पहुंचे विधायक ने क्षेत्र के विकास को लेकर सवाल उठाए और कहा कि यहां अभी भी विकास की गति अपेक्षित स्तर पर नहीं है। उन्होंने बेमेतरा में भाजपा संगठन को सक्रिय करने में जिला सहप्रभारी विक्रांत सिंह के योगदान की सराहना की और इस अभियान के पांचों चरणों में सभी मोर्चों को पूरी सक्रियता से जुटने का आह्वान किया।

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिला भाजपा प्रभारी नलिनीश ठोकने ने अभियान की विस्तृत रूपरेखा रखते हुए कहा कि संत रविदास जी को वह ऐतिहासिक मान-सम्मान नहीं मिला जिसके वे हकदार थे, लेकिन अब भाजपा उनकी 650वीं जयंती पर वृहद स्तर पर समरसता संकल्प अभियान चलाएगी। यह पूरा आयोजन पांच चरणों में संपन्न होगा। इसके तहत पहले चरण में हर मंडल में चार मंदिरों का चयन कर सामूहिक वाचन किया जाएगा। इसके बाद कलश यात्रा के साथ जिले में तिरंगा अभियान चलाया जाएगा, और 17 अगस्त से प्रसाद वितरण, चित्रकला प्रतियोगिताओं तथा छात्रावासों में विशेष कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। उन्होंने संत रविदास के विचारों का हवाला देते हुए समाज में एक-दूसरे के प्रति सम्मान की भावना पर जोर दिया।

खाद्य आयोग के अध्यक्ष एवं खैरागढ़ विधानसभा प्रभारी संदीप शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस सरकारों ने देश के कई महापुरुषों के नामों और इतिहास को मिटाने का कुत्सित प्रयास किया। उन्होंने कहा कि हमारा देश सदियों की गुलामी के दौर से गुजरा है, ऐसे कठिन समय में संत रविदास जैसे संतों ने हमारी संस्कृति को खंडित होने से बचाया। उनका मुख्य उद्देश्य सामाजिक समरसता, समानता और अपने कार्य के प्रति पूर्ण ईमानदारी का संदेश देना था। जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह ने संत रविदास को महान समाज सुधारक, कवि और मीराबाई का गुरु बताते हुए कहा कि उनके अनुयायियों में मुगल शासक बाबर तक का नाम शामिल रहा है। ऐसे महान व्यक्तित्व की जयंती पर इस कार्यशाला का आयोजन होना हम सभी के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन प्रदेश भाजपा कार्यसमिति सदस्य घम्मन साहू ने किया। कार्यशाला के दौरान भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष संजय मनहरे, जिला भाजपा महामंत्री शशांक ताम्रकार, दिनेश वर्मा, देवकुमार सेन, भोज बंजारे, भावेश कोचर, रोशन चन्द्राकर, भीखू हिरवानी, ललित चोपड़ा, आनंद सिन्हा, परमानंद साहू, नीलिमा गोस्वामी, कीर्ति वर्मा, वन्दना टांडेकर, गिरजा चन्द्राकर, नरेश कुर्रे, हरप्रसाद वर्मा, मंजीत सिंह, मुकेश वर्मा, दीनदयाल सिन्हा, जयप्रकाश साहू, महेश गिरी, डॉ. चन्दू वर्मा सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्त प्रभारी प्राचार्य राजकुमारी जैन का भव्य विदाई समारोह

डोंगरगढ़ (दावा)। गत 23 जुलाई दिन गुरुवार को संकुल प्राचार्य ए.एन.व्ही. के मार्गदर्शन एवं संकुल के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं के सहयोग तथा संकुल समन्वयक प्रमोद दास सिरदार के नेतृत्व मे सेवानिवृत्त प्रभारी प्राचार्य श्रीमती राजकुमारी जैन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उरईडबरी के विदाई हेतू पूर्व माध्यमिक शाला परिसर उरईडबरी मे भव्य विदाई समारोह आयोजित हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त प्रभारी प्राचार्य श्री मती राजकुमारी जैन, अध्यक्षता दुर्ग संभाग के संयुक्त संचालक आदरणीय डॉ. के. वेंकट राव, अतिविशिष्ट अतिथि दुर्ग संभाग के सहायक संचालक, डोंगरगढ़ विकास खंड शिक्षा अधिकारी श्रीनिवास मिश्रा,ग्राम पंचायत उरईडबरी के सरपंच श्रीमती तोरण प्रितम मारकण्डे की गरिमामय उपस्थिति रहा।

शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता - संयुक्त संचालक डॉ. के. वेंकट राव

सर्वप्रथम अतिथियों के द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी के तैलचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित एवं पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का श्री गणेश किए।संकुल परिवार की ओर से अतिथियो का स्वागत अभिनंदन किया गया पश्चात दुर्ग संभाग के संयुक्त संचालक डॉ. के. वेंकट राव ने अपने उद्बोधन मे सेवानिवृत्त प्रभारी प्राचार्य को स्वास्थ्य जीवन की मंगल कामनाए एवं शुभकामनाए देते हुए कहा कि एक शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नही होता क्यो कि सेवानिवृत्त के बाद भी शिक्षक के गुणों का बच्चो एवं समाज को निरंतर लाभ मिलते रहता है। साथ ही श्री राव ने उपस्थित शिक्षक शिक्षिकाओं को समय प्रबंधन अनुसार बेहतर शैक्षणिक वातावरण तैयार कर बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर बच्चों का सर्वांगीण विकास करने का निर्देश दिए एवं उपस्थित बच्चों को एक लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत कर सफलता हासिल करने की शुभकामनाएं दिए।

सेवानिवृत्त प्राचार्य श्रीमती जैन ने अपने उद्बोधन मे शिक्षा विभाग मे बिताए हुए अपनी लंबी शैक्षणिक यात्राओ के यादगार पलो को शिक्षक, शिक्षिकाओ, बच्चो एवं ग्राम वासियो के साथ अपना अनुभव साझा किए। एवं बच्चो को कड़ी मेहनत कर सफलता हासिल करने की शुभकामनाए दिए। संयुक्त संचालक श्री राव के द्वारा श्रीमती जैन को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उरईडबरी एवं संकुल परिवार उरईडबरी की ओर से सेवानिवृत्त श्रीमती जैन को साल, श्रीफल एवं अभिनंदन पुष्प भेट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संकुल के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओ एवं ग्रामवासियों की गरिमामय उपस्थिति रहा। अभिनंदन पुष्प का वाचन संकुल समन्वयक प्रमोधदास सिरदार के द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन संकुल प्राचार्य ए.एन.व्ही. सत्यनारायण के द्वारा किया गया।

पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने पूरे छत्तीसगढ़ में श्रद्धा और गौरव के साथ मनाया कारगिल विजय दिवस

राजनांदगांव (दावा)। कारगिल विजय दिवस के पावन अवसर पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद, छत्तीसगढ़ के बैनर तले प्रदेशभर में विविध कार्यक्रमों का आयोजन कर कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार निषाद, कार्यकारी अध्यक्ष गोवर्धन शर्मा एवं प्रदेश उपाध्यक्ष खेमचंद निषाद के नेतृत्व में रायपुर, दुर्ग, पाटन, राजनांदगांव, डोंगरगढ़, धमतरी, कांकेर, जगदलपुर (बस्तर), अंबिकापुर (सरगुजा) सहित विभिन्न जिलों एवं नगरों में कार्यक्रम उत्साह, श्रद्धा और राष्ट्रभक्ति के वातावरण में संपन्न हुए। इस अवसर पर परिषद की जिला एवं स्थानीय इकाइयों ने कारगिल युद्ध के वीर शहीदों के अद्वितीय शौर्य, पराक्रम और सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए श्रद्धांजलि सभाओं का आयोजन किया। कार्यक्रमों में उपस्थित पूर्व सैनिकों, शहीद परिवारों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों तथा नागरिकों ने पुष्पांजलि अर्पित कर राष्ट्र की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर सपूतों को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

प्रदेशभर में आयोजित कार्यक्रमों के अंतर्गत भव्य बाइक रैलियां, देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, शहीद परिवारों एवं पूर्व सैनिकों का सम्मान, श्रद्धांजलि सभाएं तथा राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता को समर्पित जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इन आयोजनों में युवाओं की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही, जिससे देशभक्ति और राष्ट्रसेवा की भावना को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का संदेश दिया गया। परिषद के पदाधिकारियों ने कहा कि कारगिल विजय दिवस केवल एक ऐतिहासिक विजय का स्मरण नहीं, बल्कि उन अमर वीरों के अदम्य साहस, त्याग और समर्पण को नमन करने का अवसर है, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। ऐसे आयोजन समाज में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और सशस्त्र बलों के प्रति सम्मान की भावना को और अधिक सुदृढ़ करते हैं। कार्यक्रम के समापन पर परिषद ने सभी जिला इकाइयों, पदाधिकारियों, पूर्व सैनिकों, कार्यकर्ताओं एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए राष्ट्रहित में निरंतर कार्य करने का संकल्प दोहराया।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी 4 सितंबर को धूमधाम से मनाया जायेगा

राजनांदगांव (दावा)। नगर कोसरिया यादव समाज की बैठक दिनांक 26 जुलाई 2026, रविवार को बसंतपुर भवन में संपन्न हुई जिसमें समाज के संगठन प्रभारी भोला यादव ने बताया कि बैठक की शुरूआत ईष्टदेव भगवान श्री कृष्ण जी की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। सभी पधारे हुए सामाजिक सदस्यगणों का गुलाल लगाकर स्वागत किया गया सभी ने विचार-विमर्श कर सर्वसम्मति से इस वर्ष श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव को पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाने का निर्णय लिया। दिनांक 04 सितंबर दिन शुक्रवार को दोपहर 01 बजे स्थान-महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल के पास सहाड़ादेव में भगवान श्री कृष्ण जी कि पूजा-अर्चना के पश्चात शोभा यात्रा झांकी पालकी यात्रा निकाली जावेगी एवं हर वार्डो से यादव की उपस्थिति पर चर्चा की गई और यादव की उपस्थिति के विषय पर विचार किया गया और हर वार्डो में मिटिंग कर अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में उपस्थिति पर बल दिया गया। साथ ही नगर निगम राजनांदगांव में एल्डरमैन बनने पर श्रीमति मंजू यादव जी का समाज द्वारा सम्मान किया गया।

बैठक में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के आयोजन को लेकर सदस्यगणों में काफी उत्साह देखा गया। इस बैठक में प्रमुख रूप से जिला कोसरिया यादव महासभा के जिलाध्यक्ष मन्नालाल यादव, जिला महिला अध्यक्ष शीला यादव, नगर अध्यक्ष सूरज यादव, महिला नगर अध्यक्ष सुश्री मधू यादव, मंच संचालक प्रभारी राजीव यादव के साथ-साथ मन्नूलाल यादव, बलिराम यादव, पूनाराम यादव, राजेश यादव, वासुदेव यादव, छबिलाल यादव, दिलीप यादव, रेखु यादव, उत्तम यादव, सुरेश यादव, धरम यादव, धनेष यादव, मुकेश यादव, सतीश यादव, अभिषेक यादव, विरेन्द्र यादव, अपूर्व यादव, महिला मंडल में प्रमुख रूप से केशर यादव, निर्मला यादव, आरती यादव, पुष्पा यादव, सुशीला यादव, गीता यादव, रजनी यादव, अंजू यादव, निषा यादव, लतिका यादव, शोभा यादव, पूजा यादव, मीना यादव, राजकुमारी यादव सहित अधिक संख्या में यादव समाज के लोग उपस्थित थे।

पहला कॉलम...

इस्राइली पीएम नेतन्याहू यूएस दौरे पर, क्या ईरान में फिर छिड़ेगी जंग?

नई दिल्ली। तेहरान ने इस महीने की शुरुआत में ईरान के सुरक्षा बलों द्वारा दो फ्रांसीसी राजनयिकों की हिरासत के मामले को संबोधित करने के लिए फ्रांसीसी राजदूत को तलब किया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा, इस बात पर जोर दिया गया कि फ्रांसीसी सरकार को भ्रामक नामों के तहत ईरान के आंतरिक मामलों में इस तरह की कार्रवाई और हस्तक्षेप बंद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनयिकों की कार्रवाई नागरिक समाज के साथ बातचीत करने के बहाने की गई थी। 19 जुलाई को दो फ्रांसीसी राजनयिकों को हिरासत में लिया गया और कई घंटों तक पूछताछ की गई, जिसके बाद उन्हें दूतावास लौटने की अनुमति दी गई। राजनयिकों में से एक ने बताया कि उनके साथ शारीरिक दुर्व्यवहार किया गया था। फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरोट ने इस घटना को धमकी का एक अत्यंत गंभीर कृत्य बताया। गाजा में इस्राइली हमले जारी हैं। इस बीच, खान यूनिस के दक्षिण में सहायता वितरण केंद्रों के बाहर इस्राइली सेना की गोलीबारी में दो फलस्तीनी लोगों की मौत हो गई। अल जजीरा को मेडिकल सूत्रों ने इसकी जानकारी दी है। इस मामले पर इस्राइली सेना की ओर से तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब अक्तूबर 2025 से गाजा पट्टी में युद्धविराम समझौता लागू है।

कनाडा में टारगेट अटैक में भारतीय मूल की युवती की मौत

टोरंटो। कनाडा के टोरंटो में भारतीय मूल की 26 वर्षीय युवती की हत्या कर दी गई। पुलिस का कहना है कि यह एक टारगेटेड हमला था। मृतक की पहचान नवनीत कौर के रूप में हुई है। उसे हम्बरवुड बुलेवार्ड और रेक्सडेल बुलेवार्ड के पास गोली मारी गई। उसे तुरंत मेडिकल मदद दी गई लेकिन मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया।

टोरंटो पुलिस ने कौर की हत्या के मामले में ब्रैम्पटन के एक 37 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। संदिग्ध की पहचान शरणजीत सिंह के तौर पर हुई है। उस पर फर्स्ट-डिग्री मर्डर और अंडरटेकिंग का पालन न करने का आरोप लगाया गया है। टोरंटो पुलिस ने बताया कि शुक्रवार उन्हें गोली चलने की सूचना मिली, जिसके बाद उनके अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्हें कौर गोली लगी हालत में मिली। सीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने बताया कि उसे तुरंत मेडिकल मदद दी गई और जान बचाने की कोशिशें भी की गईं लेकिन मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया। ड्यूटी इंस्पेक्टर स्कॉट ब्रैडबरी ने मीडिया को बताया कि गोलीबारी किसी घर में नहीं बल्कि बाहर सार्वजनिक जगह पर हुई।

अफगानिस्तान में 'अफीम संकट'

काबुल। जमीन और नशे के लिए दुनिया में हमेशा लड़ाइयां हुई हैं। कभी ट्रॉय के लिए हजारों जहाज भेजे गए, तो कभी ब्रिटेन ने चीन से अफीम बेचने के लिए 2 युद्ध लड़ लिए। चीन की हार हुई और 100 साल तक अफीम का अपना बाजार खो बैठा। अब अफगानिस्तान ने उल्टा काम किया। तालिबान के अफीम पर बैन लगाने का असर तुरंत दिखाई दिया। रिपोर्ट के मुताबिक 1 साल में अफीम की खेती 95 प्रतिशत तक गिर गई। 2022 में 2,33,000 हेक्टेयिर में खेती होती थी, जो 2023 में घटकर सिर्फ 10,800 हेक्टेयर रह गई। पहले अफगानिस्तान दुनिया की 80-90 प्रतिशत अफीम और यूरोप की 95 प्रतिशत हेरोइन सप्लाई करता था। तो लगा कि अब हेरोइन खत्म हो जाएगी। पर ऐसा नहीं हुआ। हेरोइन की सप्लाई कम नहीं होने की वजह बैन करने की गलत टाइमिंग थी. तालिबान ने बैन फसल कटने से 2 हफ्ते पहले लगाया और 2 महीने का समय भी दिया। इसका नतीजा यह निकला कि 2022 में तीसरी सबसे बड़ी फसल हो गई। लोगों ने स्टॉक कर लिया। बैन के बाद अफीम की कीमत 70 डॉलर से बढ़कर 1000 डॉलर प्रति किलो हो गई। यानी 15 गुना की बढ़ोतरी हुई। सैटैलाइट डेटा बताता है कि सिर्फ रेगिस्तानी इलाकों में ही 13,700 टन अफीम का स्टॉक जमा है। कुल मिलाकर करीब 16,550 टन अफीम पड़ी है। ये अब तक का सबसे बड़ा स्टॉक है।

सेंसेक्स 776 अंक उछला, निफ्टी 24000 के करीब पहुंचा

बिजनेस डेस्क, अमर उजाला, नई दिल्ली। मुंबई शेयर बाजार का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 776.01 अंक की शानदार वृद्धि के साथ 76,835.78 के स्तर पर बंद हुआ। यह एक दिन में 1.02 फीसदी की बढ़ोतरी दर्शाता है। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 228.50 अंक चढ़कर 23,995.95 पर पहुंच गया। निफ्टी में 0.96 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। दूसरी ओर, रुपया डॉलर के मुकाबले 63 पैसे बढ़कर 95.90 (अस्थायी) पर बंद हुआ। निवेशकों ने विभिन्न क्षेत्रों में जमकर खरीदारी की। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक संकेतों और घरेलू आर्थिक आंकड़ों ने इस तेजी को बढ़ावा दिया। कई कंपनियों के शेयरों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई।

बाजार में यह बड़ी वृद्धि कई कारकों के कारण हुई। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेत एक प्रमुख कारण रहे।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में श्रेयस अय्यर समेत बाहर होंगे 14 खिलाड़ी, आज होगी भारतीय टीम का ऐलान

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने पिछले एक महीने में 3 टी20 और एक वनडे सीरीज खेली, लेकिन अब टीम इंडिया टेस्ट सीरीज खेलेगी. भारतीय टीम श्रीलंका जाएगी, जहां दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी. भारत के लिए यह सीरीज काफी अहम है, क्योंकि यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है. टी20 सीरीज से तुलना करें तो श्रीलंका में श्रेयस अय्यर समेत 14 खिलाड़ी नहीं दिखेंगे.

श्रीलंका में टीम इंडिया की कमान शुभमन गिल के हाथों में होगी. श्रेयस अय्यर, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन, अभिषेक शर्मा, सूर्यांश शेडगे, शिवम दुबे, प्रिंस यादव, अशोक शर्मा, मयंक यादव, रिंकू सिंह जैसे खिलाड़ी बाहर होंगे. हालांकि, अभी तक बीसीसीआई ने श्रीलंका दौरे के लिए टीम इंडिया का एलान नहीं किया है.

रिपोर्ट के मुताबिक, श्रीलंका दौरे के लिए बीसीसीआई मंगलवार, 28 जुलाई को भारतीय टीम का एलान करेगी. श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में कई युवा खिलाड़ी नजर आ सकते हैं, क्योंकि भारत के पांच मुख्य खिलाड़ी इस दौरे के लिए फिट नहीं हैं. इसमें वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, साई सुदर्शन, हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी शामिल हैं. इन पांच खिलाड़ियों के उपलब्ध नहीं होने से कई नए खिलाड़ियों को मौका मिल सकता है.

भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट मैच 15 अगस्त से गाले इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा. इसके बाद दूसरा व अंतिम टेस्ट मैच 23 अगस्त से कोलंबो के सिन्हालेस स्पोर्ट्स क्लब स्टेडियम में खेला जाएगा. श्रीलंका की पिच को देखते हुए टीम इंडिया में कई स्पिनर्स नजर आ सकते हैं.

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारत की संभावित 15 सदस्यीय टीम- यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल (कप्तान), देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), केएल राहुल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, मानव सुथार, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, ऋतुराज गायकवाड़ और सारांश जैन.

भारतीय मुक्केबाज जादुमणि सिंह ने पाकिस्तानी बॉक्सर को चटाई धूल

नई दिल्ली। भारतीय स्टार मुक्केबाज जादुमणि सिंह ने 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स में बेहतरीन खेल दिखाते हुए पाकिस्तान के सुमामा रहमान को 5-0 से मात दी है। इस शानदार जीत के साथ ही उन्होंने 55 किलोग्राम वर्ग के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। इस पूरे मैच के दौरान जादुमणि ने अपना दबदबा बनाए रखा और उन्होंने विरोधी खिलाड़ी को संभलने का मौका तक नहीं दिया। मैच जीतने के बाद उन्होंने अपनी इस जीत को कारगिल युद्ध के शहीद वीरों को समर्पित किया। अब उनकी नजर क्वार्टर फाइनल मैच जीतकर भारत के लिए पदक पक्का करने पर है। प्रतियोगिता के चौथे दिन भारत 3 मेडल जीतने में कामयाब रहा।

भारतीय मुक्केबाज ने मैच की शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा। उन्होंने बेहतरीन मुक्केबाजी, तेज चाल और मजबूत डिफेंस के दम पर तीनों राउंड में पाकिस्तानी खिलाड़ी वापस आने का कोई मौका नहीं दिया। पांच जजों ने एकतरफा फैसला भारत के पक्ष में सुनाया। तीन जजों ने 30-27 और दो जजों ने 29-28 से जादुमणि को विजेता घोषित कर दिया। इससे पहले भी उन्होंने अपने शुरुआती मैच में स्कॉटलैंड के मुक्केबाज कुलन को 5-0 से मात दी थी।

संजीव गोयनका ने खरीदी नई टीम, अब इस देश में डंका बजाएंगे LSG के धुरंधर

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स का मालिकाना हक रखने वाले ऋस्क्त्र ग्रुप ने आधिकारिक रूप से मैनचेस्टर ऑरिजिनल्स में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीद ली है. एक मीडिया रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान में खेले जा रहे टेस्ट मैच के पहले सेशन के दौरान डील पर हस्ताक्षर किए गए. बता दें कि संजीव गोयनका के आरपीएसजी ग्रुप ने मैनचेस्टर ऑरिजिनल्स में करीब 935 करोड़ रुपयों का इन्वेस्टमेंट किया है. डील इस सप्ताह की शुरुआत में ही तय हो गई थी, लेकिन आरपीएसजी ग्रुप की ओर से आज हस्ताक्षर किए जाने की मांग की गई थी. खबरों की मानें तो अब मैनचेस्टर ऑरिजिनल्स को मैनचेस्टर सुपर जायंट्स नाम से जाना जाएगा.

न्यूज एजेंसी द ऑब्जर्वर के मुताबिक लखनऊ सुपर जायंट्स टीम का मालिकाना हक रखने वाले आरपीएसजी ग्रुप ने आज डील पर हस्ताक्षर किए जाने की मांग की थी. हिन्दू धर्म अनुसार आज हरियाली अमावस्या मनाई गई. श्रावण मास का यह दिन पवित्र माना जाता है, इस दिन भगवान शिव की पूजा की जाती है. इसी दिन संजीव गोयनका के आरपीएसजी ग्रुप ने मैनचेस्टर ऑरिजिनल्स के साथ अपनी साझेदारी को शुरुआती रूप दिया है.

वैभव सूर्यवंशी नहीं बन पाए प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी के बल्ले का जिम्बाब्वे दौरे पर कमाल देखने को मिला। 3 मैचों की ञ्च20ढ्ढ सीरीज के पहले ही मैच में धमाकेदार अर्धशतक जड़ा। इसके बावजूद वह पहले मुकाबले में प्लेयर ऑफ द मैच नहीं बन पाए। मयंक यादव को शानदार गेंदबाजी के चलते प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड से नवाजा गया। सीरीज के दूसरे मैच में वैभव का बल्ला ज्यादा नहीं चल सका और वह सिर्फ 20 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

इसके बाद आया सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला, जिसमें वैभव सूर्यवंशी ने गेंदबजों की जमकर धुनाई करते हुए 49 गेंदों पर 81 रन जड़ दिए। वैभव ने अपनी पारी में 8 चौके और 4 छक्के लगाए। इस शानदार पारी की बदौलत भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे के सामने 192/5 रनों का स्कोर खड़ा किया। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 7 विकेट खोकर 157 रन ही बना सकी। इस तरह भारतीय टीम ने 3-0 से सीरीज अपने नाम कर ली। टीम इंडिया की इस शानदार जीत में अहम योगदान देने वाले वैभव सूर्यवंशी को प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड से नवाजा गया। इसके साथ ही वैभव ने इतिहास रच दिया।

वैभव ने फिर छुआ बड़ा मुकाम

दरअसल, वैभव इंटरनेशनल क्रिकेट में प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड यानी क्कह्लरू जीतने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी हैं। वैभव ने 15 साल और 121 दिन की उम्र में यह कारनामा किया। अब आप सोच रहे होंगे कि वैभव ने जिस उम्र में यह अवॉर्ड जीता है, उस उम्र में तो ज्यादातर खिलाड़ियों का इंटरनेशनल करियर स्टार्ट भी नहीं होता है, तो वैभव कैसे इंटरनेशनल क्रिकेट में प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी बन सकते हैं। जी हां, सच यही है कि वैभव क्कह्लरू जीतने वाले दूसरे सबसे युवा प्लेयर हैं।

अलुसिन तुरे के नाम है वर्ल्ड रिकॉर्ड

इंटरनेशनल क्रिकेट में प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने का रिकॉर्ड सिएरा लियोन के अलुसिन तुरे के नाम दर्ज है। अलुसिन तुरे ने महज 15 साल और 74 दिन की उम्र में यह कमाल किया था। दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने अपने पहले ही मैच में यह अवॉर्ड जीता था। कैमरून के खिलाफ अपनी टीम की जीत में तुराय ने दो विकेट लिए और 20 गेंदों पर 33 रन बनाए। 18 साल के तुराय अब तक 29 ञ्च20ढ्ढ मैच खेल चुके हैं।

जिम्बाब्वे फतह करने के बाद अब कब मैदान पर दिखेगी टीम इंडिया?

नई दिल्ली। बीते तकरीबन एक महीने से भारतीय क्रिकेट टीम विदेशी जमीन पर खेल रही थी। टीम इंडिया ने इस दौरान तीन देशों का दौरा किया जिसमें आयरलैंड, इंग्लैंड और जिम्बाब्वे शामिल रहे। अब टीम इंडिया उपमहाद्वीप में वापसी करेगी और अपनी अगली सीरीज श्रीलंका में खेलेगी।

बीता एक महीना भारत के लिए अच्छा नहीं रहा। इस दौरान भारत ने सिर्फ वनडे और टी20 सीरीज ही खेली। हालांकि, उसे सफलता कुछ खास नहीं मिली। आयरलैंड ने उसे टी20 सीरीज में मात दी। वहीं इंग्लैंड ने वनडे और टी20 दोनों में हराया। फिर जिम्बाब्वे में भारत ने सीरीज अपने नाम की। सफेद गेंद के बाद अब बारी लाल गेंद की है। भारतीय टीम का अगला दौरा श्रीलंका का करना है जहां टीम इंडिया दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। सीरीज का पहला मैच भारत की आजादी वाले दिन यानी 15 अगस्त से शुरू होगा। 19 अगस्त तक चलने वाला ये मैच गॉल स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा मैच 23 से 27 अगस्त के बीच कोलंबो में खेला जाएगा। इसके बाद टीम इंडिया फिर सफेद गेंद की क्रिकेट खेलेगी और तीन वनडे तथा पांच टी20 मैचों के लिए वेस्टइंडीज की मेजबानी करेगी। वेस्टइंडीज के इस दौरे की शुरुआत वनडे सीरीज से होगी और पहला मैच 27 सितंबर को तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा। दूसरा वनडे 30 सितंबर को गुवाहाटी में होगा। आखिरी वनडे मैच की मेजबानी न्यू चंडीगढ़ तीन अक्टूबर को करेगा।

इसके बाद छह अक्टूबर से लखनऊ में टी20 सीरीज का आगाज होगा। दूसरा मैच नौ अक्टूबर को रांची में खेला जाएगा। तीसरा मैच इंदौर में 11 अक्टूबर को होगा। 14 अक्टूबर को हैदराबाद में चौथा टी20 खेला जाएगा। बेंगलुरू का एम चिन्नास्वामी स्टेडियम 17 अक्टूबर को पांचवें और आखिरी मैच की मेजबानी करेगा।

वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज शुरू होने से पहले टीम इंडिया एशियाई खेलों में भी अपना अभियान शुरू कर देगी। इन खेलों में टी20 मैच होंगे।

बाबर आजम कप्तान बनकर भी फ्लॉप

नई दिल्ली। बाबर आजम फिर से पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बन गए हैं, लेकिन उनका बल्ला अभी तक पूरी तरह से खामोश है। वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली जा रही टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में बाबर एक छोटी सी पारी खेलकर आउट हो गए, हालांकि पूर्व कप्तान शान मसूद ने एक बेहतरीन पारी खेली और अभी तक नाबाद बने हुए हैं। टेस्ट में अब तक दो दिन का खेल हो चुका है।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम इस वक्त वेस्टइंडीज के दौरे पर है, जहां दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जा रही है। सीरीज का पहला मुकाबला अभी पोर्ट ऑफ स्पेन में जारी है। इसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने 311 रनों का बड़ा स्कोर बनाया है। वेस्टइंडीज के लिए कप्तान शे होप ने 92 रन बनाए, हालांकि वे अपने शतक से आठ रन से चूक गए। इसके बाद जब पाकिस्तान की बल्लेबाजी शुरू हुई तो अजान उवैस बिना खाता खोले आउट होकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद इमाम उल हक और पूर्व कप्तान शान मसूद के बीच अच्छी बल्लेबाजी देखने को मिली। इमाम उल हक ने 63 रन की पारी खेली। कप्तान बाबर आजम चार नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे, लेकिन वे बड़ी पारी नहीं खेल पाए।

प्रथम पृष्ठ का शेष....

0 गतिरोध खत्म, आज से पटरी पर लौटेगी संसद.....

इसी कारण पिछले कई दिनों से संसद की कार्यवाही बार-बार बाधित होती रही और कोई महत्वपूर्ण विधायी काम आगे नहीं बढ़ सका। विपक्ष का कहना था कि सरकार पहले छात्रों के साथ हुई कार्रवाई पर जवाब दे, उसके बाद विधेयक पर चर्चा कराई जाए। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आंदोलन में शामिल छात्रों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेने की मांग की। लगातार हंगामे के कारण राज्यसभा की कार्यवाही चार बार बाधित हुई। उधर, राज्यसभा में सोमवार को कांग्रेस समेत विपक्षी दल गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग पर अड़े रहे। उनका कहना था कि छात्रों पर पुलिस कार्रवाई पर पहले सरकार को जवाब देना चाहिए। मल्लिकार्जुन खरगे ने गृह मंत्री से सदन में बयान देने की मांग दोहराई।

0 'आंदोलन का मतलब लाठीचार्ज नहीं.....

सुनवाई के दौरान अदालत के समक्ष एक अन्य याचिका का भी संदर्भ आया, जिसमें आरोप लगाया गया कि बिहार के सिवान जिले में प्रदर्शनकारी छात्रों को नियंत्रित करने के नाम पर पुलिस द्वारा कथित रूप से,च-47 राइफलों का इस्तेमाल किया गया था। इस पर मुख्य न्यायाधीश की पीठ ने गंभीर रुख अपनाते हुए टिप्पणी की कि पुलिस द्वारा अंधाधुंध या अत्यधिक बल प्रयोग करने के आरोपों की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच कराई जानी आवश्यक है। अदालत ने माना कि सुरक्षा बलों की कार्रवाई की भी कानूनी सीमाएं होती हैं। याचिका में आरोप लगाया गया कि 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण ढंग से संसद की ओर बढ़ रहे अभ्यर्थियों पर पुलिस ने बर्बरतापूर्वक बल प्रयोग किया। याचिकाकर्ता ने मांग की है कि आधिकारिक रिकॉर्ड, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों और मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर यदि किसी पुलिस अधिकारी, लोक सेवक या सुरक्षाकर्मी द्वारा कोई संज्ञेय अपराध किया जाना प्रतीत होता है, तो संविधान और प्रचलित कानूनों के तहत उन पर तत्काल प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की जाए। इसके साथ ही पूरी घटना की समयबद्ध व स्वतंत्र आपराधिक जांच सुनिश्चित की जाए।

0 देश में जल्द चलेंगे रु. 10 और रु. 20 के प्लास्टिक नोट.....

बाजार में पॉलीमर और पेपर दोनों ही तरह के नोट एक साथ चलते रहेंगे।

मीडिया रिपोर्ट्स और आरबीआई की रिपोर्ट में शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए पॉलीमर नोटों पर विचार की बात आई। जून में आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने पुष्टि की कि पॉलीमर नोटों का प्रस्ताव विचाराधीन है और इसके नफा-नुकसान का वैल्यूएशन किया जा रहा है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने संसद में पुष्टि की कि केंद्र सरकार ने 200 करोड़ पॉलीमर नोटों के ट्रायल को मंजूरी दे दी है।

दुनिया के 60 से ज्यादा देशों में पॉलिमर बैंकनोट्स चलन में शामिल किए जा चुके हैं। इनमें ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, यूनाइटेड किंगडम (यूके) और न्यूजीलैंड जैसे देश शामिल हैं।

0 राम मंदिर चंदा चोरी केस ....

जिससे पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फिलहाल जांच को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। अदालत ने निर्देश दिया कि ट्रस्ट से जुड़े सभी चंदे और वित्तीय रिकॉर्ड एसआईटी को उपलब्ध कराए जाएं, ताकि जांच सही दिशा में आगे बढ़ सके।

इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ कर रही है। सुनवाई के दौरान अदालत ने संकेत दिया कि वित्तीय मामलों की जांच में विशेषज्ञों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। इसी कारण एसआईटी में चार्टर्ड अकाउंटेंट और फोरेंसिक लेखा विशेषज्ञ को शामिल करने का निर्देश दिया गया है। राम मंदिर निर्माण के लिए देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने चंदा और योगदान दिया था। ऐसे में इससे जुड़े वित्तीय मामलों में पारदर्शिता बनाए रखना महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद अब एसआईटी पुलिस जांच के साथ-साथ वित्तीय विशेषज्ञों की सहायता से पूरे मामले की समीक्षा करेगी। आने वाले समय में एसआईटी की रिपोर्ट से यह स्पष्ट हो सकेगा कि चंदे से जुड़े आरोपों में कितनी सच्चाई है और वित्तीय लेनदेन किस प्रक्रिया के तहत संचालित किए गए।

बिंद्यारानी ने जीता ब्रॉन्ज, ग्लास्गो कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत को मिला छठा मेडल

ग्लास्गो । ग्लास्गो कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत की बिंद्यारानी देवी ने शानदार जुझारूपन का परिचय देते हुए महिलाओं के 58 किग्रा भारोत्तोलन वर्ग में कांस्य पदक जीत लिया. हालांकि क्लीन एंड जर्क में उनके दो प्रयास असफल रहे, लेकिन 199 किग्रा (87 किग्रा स्नैच + 112 किग्रा क्लीन एंड जर्क) के कुल वजन के साथ वह तीसरे स्थान पर रहीं.

इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक नाइजीरिया की राफियातु फोलाशादे लावाल ने रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन के साथ जीता. विश्व चैम्पियनशिप की रजत पदक विजेता लावाल ने स्नैच में 103 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 126 किग्रा वजन उठाकर कुल 229 किग्रा का भार उठाया. यह राष्ट्रमंडल और खेलों, दोनों का नया रिकॉर्ड है. कनाडा की ऐन-सोफी ताशेरो ने 215 किग्रा (87+128) के साथ रजत पदक अपने नाम किया.

2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में 55 किग्रा वर्ग का रजत पदक जीतने वाली बिंद्यारानी इस बार स्नैच के बाद चौथे स्थान पर थीं. उन्होंने अपने तीनों प्रयासों में 83, 85 और 87 किग्रा वजन सफलतापूर्वक उठाया.

इसके बाद क्लीन एंड जर्क में उनकी टक्कर इंग्लैंड की एलिजा प्रैट से कांस्य पदक के लिए रही. बिंद्यारानी ने पहले प्रयास में 110 किग्रा वजन उठाया, लेकिन तकनीकी कारणों से यह प्रयास अमान्य करार दिया गया क्योंकि लिफ्ट के दौरान उनकी भुजाएं मुड़ीं और फिर सीधी हुईं. उन्होंने दूसरे प्रयास में 112 किग्रा वजन सफलतापूर्वक उठाकर वापसी की, लेकिन अंतिम प्रयास में 116 किग्रा उठाने में सफल नहीं हो सकीं. इसके बावजूद 199 किग्रा के कुल वजन के साथ उन्होंने कांस्य पदक अपने नाम किया, जबकि प्रैट 196 किग्रा (87+109) के साथ चौथे स्थान पर रहीं. ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में यह भारोत्तोलन में भारत का पांचवां और कुल छठा पदक है.

कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल की बरसात, अब राजा मुथुपांडी ने देश के लिए जीता सिल्वर

ग्लासगो । ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के चौथे दिन भारत के लिए एक और खुशखबरी आई. मेन्स 65 किलोग्राम वेटलिफ्टिंग वर्ग में राजा मुथुपांडी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया. मुथुपांडी ने स्नैच और क्लीन एंड जर्क मिलाकर कुल 286 किलोग्राम (126 किग्रा स्नैच+160 किग्रा क्लीन एंड जर्क) वजन उठाया और दूसरे स्थान पर रहे. इस स्पर्धा का गोल्ड मेडल मलेशिया के अजनिल बिन बिदिन मुहम्मद ने जीता. उन्होंने कुल 299 किलोग्राम वजन उठाकर कॉमनवेल्थ गेम्स का नया रिकॉर्ड भी बना दिया. वहीं पापुआ न्यू गिनी के मोरिया बारू ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया. राजा मुथुपांडी और मोरिया बारू के बीच सिल्वर मेडल की जंग आखिरी प्रयास तक चली. बारू अगर अपनी अंतिम क्लीन एंड जर्क लिफ्ट पूरी कर लेते तो सिल्वर उनके नाम हो सकता था, लेकिन वह नाकाम रहे. इसका फायदा मुथुपांडी को मिला और उन्होंने भारत के लिए रजत पदक पक्का कर दिया. मौजूदा कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत का ये चौथा मेडल रहा. इस गेम्स के चौथे दिन वेटलिफ्टिंग में मीराबाई चानू ने गोल्ड और ऋषिकांत सिंह ने सिल्वर जीता था. वहीं पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने भारत को पहला पदक दिलाया था.राजा मुथुपांडी की सफलता के पीछे कई वर्षों का संघर्ष छिपा है. उन्होंने 2017 कॉमनवेल्थ यूथ और जूनियर चैम्पियनशिप में गोल्ड और सिल्वर जीतकर अपनी प्रतिभा दिखाई थी. इसके बाद 2019 और 2022 में राष्ट्रीय खिताब जीतकर वह देश के उभरते वेटलिफ्टर बने.

राष्ट्रमंडल खेल गुलामी की याद दिलाते हैं, भारत को इससे बाहर हो जाना चाहिए - अशोक चौधरी

राजनांदगांव (दावा)। प्रदेश कबड्डी संघ के पूर्व अध्यक्ष अशोक चौधरी ने कहा कि भारत को राष्ट्रमंडल खेल से अपना नाम वापस ले लेना चाहिए क्योंकि राष्ट्रमंडल खेल से खेल भावना आहत होती है। राष्ट्रमंडल खेल का अपना कोई अलग झंडा नहीं है।

इसे यूनियन जैक जो ब्रिटेन का झंडा है उसके नीचे खेलना पड़ता है, इसमें वही देश भाग लेते हैं जो कभी ब्रिटेन के गुलाम रहे हैं। कॉमनवेल्थ गेम हम कभी गुलाम थे इस बात की याद दिलाता है। कॉमनवेल्थ गेम इतिहास गवाह है की बहुत से छोटे-छोटे देश कॉमनवेल्थ से अलग हो गए हैं उन्हें यह रास नहीं आता कि हम कभी गुलाम थे इसका जश्न मनाएं। कॉमनवेल्थ गेम में यूनियन जैक ब्रिटेन का झंडा हटाकर ओलंपिक और एशियाई गेम की तरह एक खेल का झंडा बनाया जाए तो उस खेल में हिस्सा लेने पर विचार किया जा सकता है हम गुलाम थे इसका जश्न मनाना कहीं से भी जायज नहीं है।

पंडित जवाहरलाल नेहरू और महात्मा गांधी ने देश के आजाद होने पर भी 22 जुलाई 1947 को भारत के झंडा तिरंगा में एक कोने पर यूनियन जैक बनाने का सुझाव कांग्रेस पार्टी की वर्किंग कमेटी को दी थी। कांग्रेस पार्टी में राष्ट्रवादियों का बहुमत था उन्होंने इस बात को अस्वीकार कर दिया जिसके कारण महात्मा गांधी बहुत ज्यादा दुखी हो गए और अनशन करने की धमकी भी दे दी। ज्ञात हो कि आजादी के बाद ब्रिटेन की कुछ संपत्तियां भारतवर्ष में मौजूद थी जैसे रेलवे पोस्ट ऑफिस एयरपोर्ट इत्यादि उन संपत्तियों की राशि हम तुरंत नहीं लौट पाए उनकी संपत्तियां जिसे अंग्रेजी में वेल्थ कहते हैं इसके कारण कॉमनवेल्थ गेम इंग्लैंड ने प्रारंभ किया और उन देशों को एहसास कराया कि आप कभी हमारे गुलाम थे। अब हम इंग्लैंड के संपत्तियों की राशि चुका दिए हैं इसीलिए हमें कॉमनवेल्थ गेम से अलग हो जाना चाहिए। पंडित जवाहरलाल नेहरू प्रारंभ से ही इंग्लैंड के मोह जाल में फंसे थे इसलिए कॉमनवेल्थ गेम में शामिल होने का निर्णय लिया। हम समझ नहीं पा रहे हैं की गुलामी के प्रतीक कॉमनवेल्थ गेम में हिस्सा लेने की क्या जरूरत है। उतना ही हैरान करता है कि भाजपा की मोदी सरकार वह कॉमनवेल्थ गेम से किनारा करने का क्यों नहीं सोचती है। भारत अब ब्रिटेन के सभी उपलब्धियां से ज्यादा उपलब्धि वाला देश बन गया है उसे खेल झंडा बनाने का दबाव बनाना चाहिए, यूनियन जैक झंडे के तले भारत को नहीं खेलना चाहिए।

31 जुलाई तक गैर ऋणी कृषक अवश्य कराएं प्रधानमंत्री फसल बीमा

खैरागढ़ (दावा)। खरीफ मौसम 2026 में एल-नीनो के संभावित प्रभाव के कारण अनियमित वर्षा, अल्पवृष्टि, सूखा, अतिवृष्टि एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं की आशंका को देखते हुए जिले के सभी गैर ऋणी कृषकों से 31 जुलाई 2026 तक प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत अपनी अधिसूचित फसलों का बीमा कराने की अपील की गई है। जिले में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अब तक 37,953 कृषकों ने 53,790 हेक्टेयर क्षेत्र का फसल बीमा कराया है। इनमें 6,414 गैर ऋणी कृषकों ने भी योजना का लाभ उठाते हुए अपनी फसलों को प्राकृतिक जोखिमों से सुरक्षित किया है। कृषि विभाग ने शेष पात्र गैर ऋणी कृषकों से आग्रह किया है कि वे अंतिम तिथि की प्रतीक्षा किए बिना शीघ्र ही अपना फसल बीमा कराएं।

बीमा के लिए किसान अपने निकटतम कॉमन सर्विस सेंटर, अधिकृत बैंक शाखा अथवा अन्य अधिकृत माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। बीमा प्रस्ताव प्रस्तुत करते समय आधार कार्ड, बैंक पासबुक, भूमि अभिलेख, बोनी संबंधी विवरण तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज साथ रखना अनिवार्य है, ताकि आवेदन प्रक्रिया में किसी प्रकार की असुविधा न हो। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (खरीफ 2026) के अंतर्गत बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित है। इसके बाद किसी भी प्रकार के बीमा प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

जिलेभर में कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सुना प्रधानमंत्री का 'मन की बात' कार्यक्रम

सभी मंडलों और वन धन केंद्र मोहला में हुआ सामूहिक आयोजन, मन की बात के बाद शुरू हुई जिला स्तरीय कार्यशाला

मोहला (दावा)। भाजपा प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार रविवार को जिला मोहला-मानपुर, अंबागढ़ चौकी के सभी मंडलों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय एवं जन-आकांक्षी कार्यक्रम 'मन की बात' का सामूहिक श्रवण किया गया। जिलेभर के बूथों व मंडलों में आयोजित इस कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

मुख्य कार्यक्रम का आयोजन वन धन केंद्र, मोहला में किया गया। जहां भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप वर्मा, मुख्य वक्ता व भिलाई विधायक रिकेश सेन सहित जिले के वरिष्ठ जनप्रतिनिधि, जिला पदाधिकारी एवं सैकड़ों कार्यकर्ता एक साथ उपस्थित रहे। सभी ने प्रधानमंत्री के विचारों, सामाजिक संदेशों और देश के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों को ध्यानपूर्वक सुना।

सामाजिक संदेशों को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प

'मन की बात' कार्यक्रम के समापन के तुरंत बाद ही वन धन केंद्र में 'श्री गुरु रविदास समरसता संकल्प अभियान' एवं 'हर घर तिरंगा' अभियान को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला की औपचारिक शुरुआत की गई। जिले के विभिन्न मंडलों में बूथ और मंडल स्तर पर एकत्र हुए कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दिए गए दिशानिर्देशों और सामाजिक प्रेरणाओं को घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

आत्मनिर्भर बन रही जिले की ग्राम पंचायतें : मुसराकला, अछोली और अर्जुनी में घर-घर पहुंची सौर ऊर्जा

राजनांदगांव (दावा)। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से राजनांदगांव जिले में स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ-साथ आम नागरिकों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। डोंगरगढ़ विकासखंड की ग्राम पंचायत मुसराकला, अछोली एवं डोंगरगांव विकासखंड की ग्राम पंचायत अर्जुनी इस योजना के सफल क्रियान्वयन से आत्मनिर्भरता की प्रेरणादायी मिसाल बनकर उभरी हैं। इन ग्राम पंचायतों में बड़ी संख्या में ग्रामीण रूफटॉप सोलर संयंत्र लगाकर न केवल अपना बिजली बिल शून्य कर रहे हैं, बल्कि अतिरिक्त बिजली का उत्पादन कर ऊर्जा संरक्षण और आय अर्जित करने की दिशा में भी आगे बढ़ रहे हैं।

डोंगरगढ़ विकासखंड की ग्राम पंचायत मुसराकला में अब तक 29 घरों में रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। 10 आवेदन स्थापना की प्रक्रिया में हैं तथा 16 नए परिवारों ने भी योजना का लाभ लेने के लिए पंजीयन कराया है। ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती गायत्री टेंभुरकर ने बताया कि उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत में ग्राम सभा, पंचायत बैठकों तथा व्यक्तिगत संपर्क के माध्यम से लगातार लोगों को योजना की जानकारी दी जा रही है। जिससे ग्रामीण बड़ी संख्या में योजना से जुड़ रहे हैं। सरपंच श्रीमती गायत्री ने बताया कि वे स्वयं ने माह अप्रैल 2026 में अपने घर पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर संयंत्र स्थापित कराया। पहले उनके घर का बिजली बिल लगभग 1200 रूपए प्रतिमाह आता था, लेकिन अब बिजली बिल पूरी तरह शून्य हो गया है। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त बिजली का उत्पादन भी हो रहा है, जिसका लाभ आगामी समय में मिलेगा।

इसी तरह ग्राम पंचायत अछोली में भी योजना को लेकर लोगों में विशेष उत्साह दिखाई दे रहा है। यहां लगभग 50 घरों में सोलर संयंत्र स्थापित हो चुके हैं तथा 15 से

'प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' से बदल रही गांवों की तस्वीर, उपभोक्ता बिजली बिल शून्य कर बने ऊर्जादाता

अधिक नागरिकों ने पंजीयन कराया है। जो प्रक्रियाधीन हैं। ग्राम पंचायत के सरपंच नंदकुमार साहू ने बताया कि पंचायत स्तर पर विशेष जागरूकता अभियान चलाकर बिजली विभाग, बैंक तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति में शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों को योजना की पूरी जानकारी दी गई। जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि पहले कई परिवारों का मासिक बिजली बिल 1000 रूपए से 2 हजार रूपए तक आता था। जबकि अब बिजली बिल शून्य होने के साथ-साथ अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजकर भविष्य में आय प्राप्त करने का अवसर भी मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यह योजना ग्रामीणों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाते हुए आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ा रही है।

डोंगरगांव विकासखंड की ग्राम पंचायत अर्जुनी में भी लगभग 47 घरों में रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। गांव में दूर से दिखाई देने वाले सोलर पैनल ग्रामीणों की जागरूकता और बदलती सोच का प्रतीक बन गए हैं। ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती ललिता साहू ने बताया कि ग्रामीणों को घर-घर जाकर योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके साथ ही ग्राम सभा और सूर्यसभा आयोजित कर ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है। जिससे ग्रामीण प्रेरित होकर अपने घरों में रूफटॉप सोलर पैनल लगाकर प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि वे भी स्वयं लगभग 4 माह पूर्व अपने घर पर 3 किलोवॉट क्षमता का सोलर संयंत्र लगाया। पहले उनके घर का बिजली बिल 1800 से 2000 रूपए प्रतिमाह तथा गर्मी के मौसम में 3 हजार रूपए से अधिक तक पहुंच जाता था। जबकि अब बिजली खर्च में उल्लेखनीय कमी आई है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा के प्रति विश्वास लगातार बढ़ रहा है। लोग इसे केवल बिजली बचत का माध्यम नहीं, बल्कि भविष्य की आर्थिक सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण का प्रभावी साधन मान रहे हैं। योजना से लाभान्वित परिवार स्वयं अन्य लोगों को प्रेरित कर रहे हैं। जिससे गांवों में सौर ऊर्जा अपनाने का अभियान जनआंदोलन का रूप लेता जा रहा है। जिले में अब तक योजना के अंतर्गत 8 हजार 871 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 4 हजार 317 हितग्राहियों के घरों में रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। 3 हजार 205 हितग्राहियों को शासन की ओर से सब्सिडी का लाभ प्राप्त हो चुका है तथा 1 हजार 155 परिवारों का बिजली बिल पूरी तरह शून्य हो गया है। शेष प्रकरणों में दस्तावेजों का सत्यापन, संयंत्र स्थापना एवं अन्य आवश्यक प्रक्रियाएं तेजी से पूर्ण की जा रही हैं।

हर घर तक पहुंचा स्वच्छ जल, बदली ग्राम कोदवा की तस्वीर

जल जीवन मिशन से दूर हुआ पेयजल संकट, ग्रामीणों के जीवन में आई नई खुशहाली

खैरागढ़ (दावा)। खैरागढ़-छुईखदान, गंडई जिले के विकासखंड छुईखदान अंतर्गत ग्राम पंचायत बुढ़ासागर के आश्रित ग्राम कोदवा में जल जीवन मिशन ने ग्रामीणों के जीवन में उल्लेखनीय बदलाव लाया है। लगभग 315 की आबादी और 51 परिवारों वाले इस गांव में पहले पेयजल की उपलब्धता तो थी, लेकिन पर्याप्त दबाव और नियमित आपूर्ति की समस्या के कारण कई घरों, स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों तक पानी नहीं पहुंच पाता था। गर्मी के दिनों में स्थिति और अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाती थी। ग्राम कोदवा पहाड़ी क्षेत्र के समीप स्थित है। जहां कुछ स्थानों पर पानी में आयरन की मात्रा भी पाई जाती थी। ग्रामीण हैंडपंप, बोरवेल, तालाब और अन्य जल स्रोतों पर निर्भर थे। महिलाओं और बुजुर्गों को पानी की व्यवस्था के लिए अतिरिक्त श्रम करना पड़ता था। जिससे उनकी दैनिक दिनचर्या प्रभावित होती थी। ग्रामीणों की इस समस्या को देखते हुए जल जीवन मिशन के अंतर्गत गांव में 73 घरेलू नल कनेक्शन प्रदान किए गए।

योजना के क्रियान्वयन के साथ ही प्रत्येक घर तक नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल पहुंचना शुरू हुआ। आज गांव के सभी परिवारों को नियमित रूप से नल से जल उपलब्ध हो रहा है और पेयजल संकट पूरी तरह समाप्त हो गया है। योजना के सफल संचालन के लिए ग्राम सभा में ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति तथा जल गुणवत्ता समिति का गठन किया गया। समिति के सदस्यों को जल संरक्षण, जल प्रबंधन और जल गुणवत्ता परीक्षण की जानकारी दी गई। जलवाहिनी दीदियों को फील्ड टेस्टिंग किट के माध्यम से जल परीक्षण तथा उसकी ऑनलाइन रिपोर्टिंग का प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। इसके साथ ही जल स्रोतों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए ग्रामीणों को जागरूक किया गया। स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से गांव में जल जनित बीमारियों में कमी आई है और लोगों के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। महिलाओं का समय और श्रम बच रहा है। जिससे वे परिवार और अन्य आजीविका संबंधी गतिविधियों में अधिक सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। बच्चों को स्कूल और आंगनबाड़ी में भी पर्याप्त पेयजल उपलब्ध हो रहा है। आज ग्राम कोदवा जल जीवन मिशन की सफलता का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा है।

यह गांव दर्शाता है कि योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किस प्रकार ग्रामीण जीवन को बेहतर बना सकता है। स्वच्छ जल, बेहतर स्वास्थ्य और बढ़ती खुशहाली के साथ कोदवा अब जिले के अन्य गांवों के लिए प्रेरणा का केंद्र बन गया है।

श्रीमती शीला टाकेश सिन्हा ने किया वृक्षारोपण

खैरझिटी स्कूल में पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

राजनांदगांव (दावा)। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल खैरझिटी में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत सभापति श्रीमती शीला टाकेश सिन्हा रहीं। उन्होंने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और सभी से अधिक से अधिक पेड़ लगाकर उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल खैरझिटी परिसर में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत सभापति श्रीमती शीला टाकेश सिन्हा ने विद्यालय परिसर में पौधा रोपित कर अभियान की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे प्रकृति का अमूल्य उपहार हैं और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण देने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधरोपण के साथ-साथ उनकी नियमित देखभाल की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए।

कार्यक्रम में जनपद पंचायत सभापति सांकेत वैष्णव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं और इनके बिना मानव जीवन की कल्पना संभव नहीं है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने जीवन में प्रत्येक वर्ष कम से कम एक पौधा लगाने और उसे वृक्ष बनने तक संरक्षित रखने का संकल्प लेने का आग्रह किया। ग्राम पंचायत खैरझिटी के सरपंच नेमु वर्मा ने कहा कि गांवों में हरियाली बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने ग्रामीणों से भी इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष तारण साहू ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि विद्यालय में समय-समय पर पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। जिससे विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना विकसित हो सके।

कबीर पंथी समाज हरेली महोत्सव की तैयारी को लेकर जिला साहू भवन में बैठक संपन्न किया गया

टेड़ेसरा (दावा)। सदगुरु कबीर धनी धर्मदास वंशावली प्रतिनिधि सभा दामाखेड़ा के सानिध्य में संस्कारधानी राजनांदगांव में सदगुरु कबीर धनी धर्मदास वंशावली मिशन (एसकेडीवी मिशन) के अंतर्गत प्रदेश स्तरीय वृहद हरेली महोत्सव एवं एसकेडीवी पर्यावरण जन जागरण सभा का आयोजन दुर्ग संभाग के राजनांदगांव मुख्यालय में दिनांक 2 अगस्त दिन रविवार को सुबह 8:00 बजे यह आयोजन स्टेट स्कूल मैदान राजनांदगांव (छत्तीसगढ़) में संपन्न किया जाएगा।

जिसमें 16वें वंश प्रतापा आचार्य पंथ हुजूर उदित मुनि नाम साहब के आगमन को लेकर तैयारी शुरू किया गया है। जिसमें दामाखेड़ा से परम पूजनीय किरण दीदी भी इस कार्यक्रम में शामिल हो रही है। जिसकी कार्यक्रम की रूपरेखा तैयारी के लिए राष्ट्रीय प्रतिनिधि प्रमोद साहेब, राष्ट्रीय महासचिव ऐमन दास साहेब, राज्य प्रतिनिधि आरती दास साहेब, खेलन साहेब राज्य युवा प्रतिनिधि, अर्जुन साहेब राज्य युवा सह प्रतिनिधि खिलेश्वरी साहू, कामिनी मानिकपुरी राज्य सहप्रतिनिधि, उत्तम साहू जिला प्रतिनिधि, नेमू चंद्र साहू जिला सह प्रतिनिधि, यादराम साहू, प्रकाश साहू, रेखा लाल साहू तहसील प्रतिनिधि, अंगद साहू महंत मेल दास साहेब सहित बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। राजनांदगांव जिला एसकेडीवी मिशन मीडिया प्रभारी लूमन दास साहू ने बताया कि हरेली महोत्सव के अंतर्गत महिला/पुरुष सभी वर्गों के लिए छत्तीसगढ़ के पारंपरिक खेलकूद जिसमें फुगड़ी, गेंड़ी रास्सा खीच, दौड़, कबड्डी एवं छत्तीसगढ़ के पारंपरिक लोकगीत पंडवानी, भरथरी, सुवा गीत लोकगीतों का समावेश किया जाएगा। साथ ही छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजन ठेठरी, खुरमी, चिला एवं अन्य प्रकार के व्यंजनों का भी समावेश किया जा रहा है। जिसकी तैयारी को लेकर प्र? जिसकी तैयारी को लेकर प्रदेश भर के सभी समाज वर्ग के सहयोग से यह आयोजन की तैयारी बड़े ही युद्ध स्तर पर किया जा रहा है एवं कार्यक्रम को सफल बनाने सभी वर्ग एवं कबीरपंथी समाज एकजुट होकर कार्यक्रम को संपन्न किया जाएगा।

सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

प्राचार्य प्रकाश यादव ने आदर्श आचार्य के बारे में विस्तार से जानकारी दिए एवं उनके कर्तव्यों का बोध कराया

डोंगरगढ़ (दावा)। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डोंगरगढ़ में एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ विद्यालय के शिक्षा समिति के पूर्व अध्यक्ष सुनील जैन, सचिव अविनाश ब्राह्मणकर, प्राचार्य प्रकाश यादव, प्रधानाचार्य जागेश्वर लाल निषाद, वरिष्ठ आचार्या श्रीमती झुंपा मंडल के द्वारा पूजा-अर्चना से हुआ।

वरिष्ठ आचार्य सुरेश दास वैष्णव द्वारा उपस्थित अतिथियों का तिलक अभिनंदन कर स्वागत किया गया। वंदना सत्र में सभी आचार्यों को वंदना प्रार्थना का अभ्यास करवाया गया। तत्पश्चात विद्यालय के प्राचार्य प्रकाश यादव ने आदर्श आचार्य के बारे में विस्तार से जानकारी दिए एवं उनके कर्तव्यों का बोध कराया तथा आचार्य में क्या-क्या गुण होने चाहिए। इनको समझाया। सुनील जैन ने नए सत्र की शुभकामनाएं देते हुए सभी को निष्ठा लगन से कार्य करने की बात कही। तत्पश्चात विभिन्न विभागों के वरिष्ठ आचार्य ने हिंदी, गणित, विज्ञान, संस्कृत अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान, शिशु विभाग, कृषि विभाग, पर्यावरण आदि विषयों पर अपने मासिक कार्य योजना का प्रस्तुत किये। अविनाश ब्राह्मणकर ने नवाचार शिक्षण के विषय में सविस्तार समझाया एवं हमेशा सीखते रहने की बात कही। प्रधानाचार्य जागेश्वर लाल निषाद और वरिष्ठ आचार्य थैलेश साहू ने आचार्यो को विशेष दिशा निर्देश प्रदान किया।

कार्यक्रम के अंत में डिकेंश साहू ने शारीरिक व्यायाम योग का अभ्यास करवाया। उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में पूरा विद्यालय परिवार का सहयोग रहा।

राजनांदगांव की बेटी ज्ञानेश्वरी यादव ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में जीता रजत पदक, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने दी बधाई

विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने फ़ोन पर रजत पदक विजेता ज्ञानेश्वरी को बधाई दी

राजनांदगांव (दावा)। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में राजनांदगांव की प्रतिभाशाली खिलाड़ी सुश्री ज्ञानेश्वरी यादव द्वारा रजत पदक जीतकर देश एवं छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाने पर छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष एवं राजनांदगांव विधायक डॉ. रमन सिंह ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। डॉ. रमन सिंह ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा कि 'कॉमन वेल्थ गेम्स 2026 में हमारे राजनांदगांव की होनहार बेटी और खेलो इंडिया की एथलीट ज्ञानेश्वरी यादव जी ने वेटलिफ्टिंग में रजत पदक जीतकर पूरे विश्व में छत्तीसगढ़ महतारी का मान बढ़ाया है। उनकी यह ऐतिहासिक उपलब्धि देश के प्रत्येक युवा खिलाड़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। इस शानदार सफलता पर उन्हें हृदय से बधाई एवं सफलताओं के नव भविष्य के लिए अनंत शुभकामनाएँ। हम सभी को विश्वास है कि आप आगे भी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से देश और प्रदेश का नाम रोशन करती रहेंगी।' इसके साथ ही विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने रजत पदक विजेता ज्ञानेश्वरी यादव को फ़ोन पर बधाई देकर उनकी सराहना की और उनके परिजनों को इस सफलता पर अनेकानेक शुभकामनाएं व्यक्त की हैं। आपको बता दें कि कुछ माह पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं राजनांदगांव विधायक डॉ. रमन सिंह अपने स्वेच्छानुदान मद से सुश्री ज्ञानेश्वरी यादव को उनके खेल प्रशिक्षण एवं प्रतियोगी तैयारियों के लिए रु. 1 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की थी, ताकि वे बिना किसी बाधा के अपने लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ सकें।

इसके साथ ही पूर्व में विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह की अनुशंसा पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा 5 लाख रुपये की सहायता ज्ञानेश्वरी यादव को उपलब्ध करवाई गई थी। आज उनकी यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि प्रतिभा को समय पर मिला सहयोग और निरंतर परिश्रम मिलकर बड़े से बड़े सपनों को साकार कर सकते हैं।

कॉमनवेल्थ रजत पदक विजेता ज्ञानेश्वरी यादव के घर पहुँचे महापौर मधुसूदन यादव, परिवार को दी बधाई

राजनांदगांव (दावा)। कॉमनवेल्थ प्रतियोगिता में रजत पदक (सिल्वर मेडल) जीतकर देश, छत्तीसगढ़ एवं राजनांदगांव जिले का गौरव बढ़ाने वाली युवा खिलाड़ी ज्ञानेश्वरी यादव के निवास पर राजनांदगांव लोकसभा के पूर्व सांसद एवं वर्तमान महापौर मधुसूदन यादव विशेष रूप से पहुँचे। उन्होंने ज्ञानेश्वरी के माता-पिता श्रीमती दुर्गा यादव एवं श्री दीपक यादव से आत्मीय मुलाकात कर इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

महापौर मधुसूदन यादव ने कहा कि ज्ञानेश्वरी यादव की यह उपलब्धि केवल उनके परिवार की नहीं, बल्कि पूरे राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ और देश के लिए गौरव एवं सम्मान का विषय है। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम, अनुशासन, समर्पण और दृढ़ संकल्प के बल पर ज्ञानेश्वरी ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का मान बढ़ाया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ज्ञानेश्वरी भविष्य में देश के लिए स्वर्ण पदक जीतकर नया इतिहास रचेंगी।

परिवार के साथ आत्मीय चर्चा के दौरान मधुसूदन यादव ने कहा कि प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए समाज और जनप्रतिनिधियों का दायित्व है कि वे हर परिस्थिति में उनके साथ मजबूती से खड़े रहें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि ज्ञानेश्वरी यादव के खेल जीवन को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने के लिए वे भविष्य में भी हरसंभव सहयोग, मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन प्रदान करते रहेंगे।

हरसंभव सहयोग का दिलाया भरोसा

इस अवसर पर ज्ञानेश्वरी यादव के माता-पिता श्रीमती दुर्गा यादव एवं दीपक यादव भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि मधुसूदन यादव ने सदैव परिवार के अभिभावक की तरह उनका साथ दिया है और हर कठिन समय में उनका मनोबल बढ़ाया है। उन्होंने आग्रह किया कि आगे भी वे इसी प्रकार ज्ञानेश्वरी का मार्गदर्शन, संरक्षण एवं उत्साहवर्धन करते रहें।

महापौर मधुसूदन यादव ने वीडियो कॉल के माध्यम से ज्ञानेश्वरी यादव से भी आत्मीय बातचीत की। उन्होंने रजत पदक जीतने पर बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता आगे की और भी बड़ी उपलब्धियों की शुरुआत है तथा अब लक्ष्य देश के लिए स्वर्ण पदक जीतना होना चाहिए। उन्होंने ज्ञानेश्वरी को निरंतर अभ्यास, अनुशासन एवं आत्मविश्वास बनाए रखते हुए देश का नाम विश्वभर में रोशन करने की शुभकामनाएँ दीं।

इस दौरान मधुसूदन यादव ने छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से भी वीडियो कॉल के माध्यम से ज्ञानेश्वरी यादव के माता-पिता की बात कराई। डॉ. रमन सिंह ने ज्ञानेश्वरी यादव की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

उल्लेखनीय है कि ज्ञानेश्वरी यादव पूर्व में भी खेल अलंकरण सहित अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित हो चुकी हैं। कॉमनवेल्थ प्रतियोगिता में रजत पदक जीतकर उन्होंने प्रदेश एवं देश का गौरव बढ़ाया है। उनकी यह उपलब्धि प्रदेश के युवाओं, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। वहीं, खिलाड़ियों के प्रति महापौर मधुसूदन यादव का आत्मीय सहयोग, सतत प्रोत्साहन एवं अभिभावक जैसा स्नेह खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने की उनकी सकारात्मक सोच, संवेदनशीलता और खेलों के प्रति प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण है।

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी उत्तर मंडल अध्यक्ष सुमित भाटिया, प्रदेश युवा मोर्चा मंत्री मोनू बहादुर, पार्षद सेवक उईके, पार्षद दुर्रेंद्र साहू, जिला खेल संघ अध्यक्ष विवेक मोनू भंडारी, युवा मोर्चा महामंत्री ऋभय रीत यादव, मोहम्मद अयाज एवं निखिल सिन्हा सहित अनेक जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी, खेल प्रेमी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने कॉमनवेल्थ रजत पदक विजेता ज्ञानेश्वरी यादव की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर उन्हें एवं उनके परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य तथा आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में स्वर्णिम सफलता की कामना की।

आरकेसी की बेटी ज्ञानेश्वरी यादव ने रचा इतिहास, वेटलिफ्टिंग में जीता रजत पदक

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ और पूरे भारत देश के लिए एक बेहद गर्व और उत्साह भरा क्षण सामने आया है। राजनांदगांव की होनहार बेटी ज्ञानेश्वरी यादव ने ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत के लिए रजत पदक अपने नाम किया है। 23 वर्षीया ज्ञानेश्वरी ने महिलाओं के 59 किलोग्राम वर्ग में उत्कृष्ट खेल भावना और बेजोड़ ताकत का प्रदर्शन करते हुए कुल 199 किलोग्राम वजन उठाकर यह ऐतिहासिक सफलता हासिल की।

रॉयल किड्स कॉन्वेंट की पूर्व छात्रा हैं ज्ञानेश्वरी

ज्ञानेश्वरी यादव की इस उपलब्धि पर उनके पूर्व विद्यालय रॉयल किड्स कॉन्वेंट में जश्न का माहौल है। विद्यालय परिवार ने अपनी इस प्रतिभावान एलुमनी (पूर्व छात्रा) पर गहरा गर्व व्यक्त किया है। खेल के प्रति ज्ञानेश्वरी का समर्पण और अनुशासित दिनचर्या ही आज उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच के इस मुकाम तक लेकर आई है। ज्ञानेश्वरी की इस अभूतपूर्व सफलता पर रॉयल किड्स कॉन्वेंट की शाला प्रबंधन समिति ने उन्हें हार्दिक बधाई दी।

शाला प्रबंधन समिति की अध्यक्षा डॉ. सविता जेबी सिंह, उपाध्यक्ष अशोक चौधरी, प्राचार्य अभिषेक खंडेलवाल, उपप्राचार्य ममता मिश्रा, हेडमिस्ट्रेश सरिता सिंह, सांस्कृतिक प्रभारी अपर्णा वर्मा, डायरेक्टर सावंत बहादुर सिंह, जन्मेजय बहादुर सिंह, श्रेयांश बहादुर सिंह, मनीषा सिंह, पूजा सिंह, जाह्नवी सिंह एवं इला सिंह ने निदेशक संजय बहादुर सिंह को धन्यवाद ज्ञापित किया कि उन्होंने विशेष रुचि लेकर ज्ञानेश्वरी को सदैव प्रोत्साहित किया।

आरकेसी ने खिलाड़ियों को दिया सदैव प्रोत्साहन-चौधरी

इस अवसर पर शाला प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष अशोक चौधरी ने कहा रॉयल किड्स कॉन्वेंट में खिलाड़ियों को सदैव प्रोत्साहन दिया जाता है। हमारे छात्र मृणाल चौबे आज देश-विदेश में राजनांदगांव का नाम रौशन कर रहे हैं। वहीं विद्यालय के वर्तमान छात्र अर्शवीर भी क्रिकेट में उम्दा प्रदर्शन कर रहे हैं। संस्थान का यह स्पष्ट संकल्प है कि किसी भी क्षेत्र में प्रतिभावान छात्रों को सदैव प्रोत्साहन व समर्थन देते रहेंगे।

रजत पदक विजेता ज्ञानेश्वरी यादव को छत्तीसगढ़ डेंटल कॉलेज (सुंदरा) देगा 1 लाख रु. की प्रोत्साहन राशि

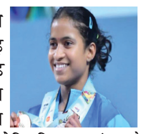

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ डेंटल कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, सुंदरा के लिए आज का दिन अत्यंत गौरवपूर्ण और ऐतिहासिक रहा। संस्थान में पिछले 20 वर्षों से निरंतर अपनी सेवाएं दे रहे हेड इलेक्ट्रीशियन दीपक यादव की होनहार सुपुत्री ज्ञानेश्वरी यादव ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में देश के लिए रजत पदक जीतकर पूरे जिले, राज्य और देश का नाम वैश्विक पटल पर रोशन किया है।

ज्ञानेश्वरी की इस अभूतपूर्व सफलता पर छत्तीसगढ़ डेंटल कॉलेज प्रबंधन ने अपनी 'कॉलेज परिवार की बेटी' को एक लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की सहर्ष घोषणा की है। उल्लेखनीय है कि ज्ञानेश्वरी यादव की खेल प्रतिभा को निखारने और उन्हें इस मुकाम तक पहुँचाने में छत्तीसगढ़ डेंटल कॉलेज (सुंदरा) ने हमेशा अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कॉलेज प्रबंधन द्वारा समय-समय पर ज्ञानेश्वरी की उच्च स्तरीय ट्रेनिंग, खेल सामग्री और अन्य आवश्यकताओं के लिए वित्तीय व नैतिक सहयोग प्रदान किया जाता रहा है।

ज्ञानेश्वरी की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर संस्था के अध्यक्ष नेमी चंद पारख, उपाध्यक्ष प्रभात कांकरिया एवं सचिव एस.के. गांधी ने संयुक्त रूप से बधाई संदेश जारी किया। संस्था के पदाधिकारियों ने कहा ज्ञानेश्वरी ने अपनी कड़ी मेहनत और अटूट लगन से न सिर्फ अपने माता-पिता बल्कि पूरे संस्थान और छत्तीसगढ़ का सिर गर्व से ऊंचा किया है। एक कर्मचारी के परिवार से निकलकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर पदक जीतना यह साबित करता है कि प्रतिभा किसी पहचान की मोहताज नहीं होती। संस्थान उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है और आगे भी उनकी खेल यात्रा में सहयोग के लिए सदैव तत्पर रहेगा। ज्ञानेश्वरी की इस गौरवमयी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि से पूरे डेंटल कॉलेज परिसर, सुंदरा सहित राजनांदगांव जिले भर में हर्ष की लहर है और बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।

पवन डागा छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के निर्विरोध उपाध्यक्ष निर्वाचित, माहेश्वरी समाज में हर्ष की लहर

राजनांदगांव (दावा)। पवन डागा के छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के निर्विरोध उपाध्यक्ष निर्वाचित होने पर राजनांदगांव के माहेश्वरी समाज में हर्ष का वातावरण है। इस अवसर पर महेश्वरी पंचायत राजनांदगांव, जिला माहेश्वरी सभा, महेश्वरी महिला मंडल, महेश्वरी युवा मंडल एवं माहेश्वरी युवा संगठन राजनांदगांव ने पवन डागा को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। पवन डागा लंबे समय से माहेश्वरी समाज की सेवा में समर्पित भाव से कार्य करते आ रहे हैं। उन्होंने युवा मंडल, जिला माहेश्वरी सभा एवं महेश्वरी पंचायत में विभिन्न दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है।

वे विगत 6 वर्षों से महेश्वरी पंचायत राजनांदगांव के निर्विरोध अध्यक्ष के रूप में समाजहित में अनेक धार्मिक, सामाजिक एवं संगठनात्मक कार्यों का नेतृत्व करते हुए अपनी उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। समाज के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने विश्वास व्यक्त किया कि पवन डागा के अनुभव, नेतृत्व क्षमता एवं सेवाभाव का लाभ अब पूरे छत्तीसगढ़ के माहेश्वरी समाज को मिलेगा तथा उनके नेतृत्व में संगठन और अधिक सशक्त एवं गतिशील बनेगा।

सभी सामाजिक संगठनों ने उनके सफल एवं गौरवपूर्ण कार्यकाल की मंगलकामनाएं करते हुए आशा व्यक्त की कि वे प्रदेश स्तर पर भी समाज की एकता, संगठन और सेवा की परंपरा को नई ऊंचाईयों तक पहुंचाएंगे।

जिला अधिवक्ता चुनाव की सरगर्मी बढ़ी, जनसंपर्क के माध्यम से लोगों तक पहुंच रहे प्रत्याशी

राजनांदगांव (दावा)। जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष पद सहित अन्य पदों के लिए 29 जुलाई को होने वाले चुनाव को लेकर वकीलों में सरगर्मियां बढ़ गई है। अध्यक्ष पद से लेकर उपाध्यक्ष, सचिव संगठन सचिव आदि पदों पर काबिज होने के लिए चुनाव मैदान में उतरे उम्मीदवार लोगों द्वारा व्यक्ति गत जनसंपर्क कर अपना हाथ मजबूत करने के लिए निवेदन किया जा रहा हैं। इसे लेकर न्यायालय परिसर में गहमागहमी देखी जा रही है।

बता दें कि 29 जुलाई गुरुवार को होने वाले जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव में विभिन्न पदों के लिए कुल 26 उम्मीदवार मैदान में हैं जबकि मतदान करने वाले अधिवक्ताओं की कुल संख्या 655 है। बता दें कि तीन साल बाद हो रही इस अधिवक्ता संघ के चुनाव में इस बार अध्यक्ष पद के लिए चार प्रत्याशी मैदान में हैं। जिसमें से वरिष्ठ अधिवक्ता नारायण कन्नौजे, आदित्य श्रीवास्तव,अरुण कुमार अनोखे और यमन कुमार देवांगन के नाम प्रमुख है। दो-दो बार जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष रहे वरिष्ठ अधिवक्ता मनोज चौधरी ने बताया कि अध्यक्ष पद के अन्य प्रत्याशियों सहित वरिष्ठ अधिवक्ता नारायण कन्नौजे भी अपना चुनाव प्रचार जोरों-शोरों से कर रहे हैं। उन्होंने वरिष्ठ अधिवक्ता व समाजसेवी एच.बी.गाजी, प्रशांत तिवारी, हफीज खान, रुपेश दुबे आदि सहित अन्य वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अधिवक्ताओं से व्यक्तिगत रुप से मिलकर अपना हाथ मजबूत करने का आग्रह व निवेदन कर रहे हैं।

डोंगरगढ़ में भाजपा के भीतर बड़ा विस्फोट: जिला अध्यक्ष के नोटिस का जवाब 111 प्रमुख नेताओं के सामूहिक इस्तीफे से दिया

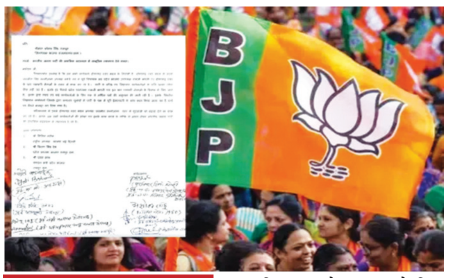

शहर मंडल अध्यक्ष पर उपेक्षा व गुटबाजी का आरोप; एलबी नगर क्षेत्र में भी आदिवासी नेताओं और कार्यकर्ताओं में असंतोष की लहर

डोंगरगढ़ (दावा)। राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ शहर में भारतीय जनता पार्टी का अंतर्विरोध और गुटबाजी अब खुलकर सरेआम हो गई है। जिला भाजपा अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत द्वारा शहर के वरिष्ठ नेताओं को जारी किए गए कारण बताओ नोटिस के बाद डोंगरगढ़ के राजनीतिक हलकों में भूचाल आ गया है। स्थानीय संगठन की कार्यप्रणाली से क्षुब्ध होकर शहर के 111 प्रमुख एवं निष्ठावान कार्यकर्ताओं ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से सामूहिक रूप से त्यागपत्र दे दिया है। असंतोष की यह आग सिर्फ शहर तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण अंचलों और एलबी नगर क्षेत्र तक फैल चुकी है, जहाँ पूर्व जनपद सदस्यों व आदिवासी समाज के कद्दावर नेताओं ने भी पार्टी से नाता तो?ने का मन बना लिया है।

शहर मंडल अध्यक्ष पर उपेक्षा और परिवारवाद का गंभीर आरोप

जिला भाजपा अध्यक्ष को प्रेषित पत्र में असंतुष्ट कार्यकर्ताओं व नेताओं ने डोंगरगढ़ शहर मंडल अध्यक्ष जसमीत सिंह बन्नौआना की कार्यशैली पर कड़े सवाल उठाए हैं। कार्यकर्ताओं ने पत्र में आरोप लगाया कि शहर मंडल में जब से जसमीत बन्नौआना अध्यक्ष बने हैं, तब से समर्पित कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर केवल 4 चिह्नित व्यापारी नेताओं के इशारों पर फैसले लिए जा रहे हैं।

पद लोलुपता व गुटबाजी - एक ही व्यक्ति और चहेतों को एक से अधिक पदों पर बैठाया जा रहा है, जबकि चुनाव में ईमानदारी से मेहनत करने वाले पुराने कार्यकर्ताओं को घर बैठने पर मजबूर कर दिया गया है। पार्टी के भीतर पनपे परिवारवाद और उपेक्षा से व्यथित होकर कार्यकर्ताओं ने सामूहिक त्यागपत्र की प्रतिलिपि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन (भाजपा नई दिल्ली), प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव और संगठन महामंत्री पवन साय को भी भेजी है।

इस्तीफा देने वालों में कई बड़े और चर्चित चेहरे शामिल

सामूहिक इस्तीफा देने वाले 111 कार्यकर्ताओं में डोंगरगढ़ भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और ज़मीनी कार्यकर्ता पूर्व पार्षद तुलसी मिश्रा, संतोष राव, प्रिंस कक्कड़, परविंदर सिंह (मोंटी), श्रीमती ज्योति बड़वईक, वीरेंद्र साहू, संतोष शुक्ला, वीरेंद्र कुमार सोनी, मनोज कुमार गुप्ता, दुर्गेश साहू, पूर्व पार्षद कुसुम मरकाम, कमलेश धामगाए, शेख नईम, राजेश गजभीए और रवि रंजन मंडल के नाम प्रमुख रुप से शामिल है।

नगरीय निकाय चुनाव से शुरू हुई अंतर्विरोध की नींव

डोंगरगढ़ भाजपा में अंतर्विरोध का बीजारोपण नगर पालिका चुनाव के दौरान गलत टिकट वितरण से हुआ था। टिकट कटने के बाद निर्दलीय चुनाव जीतकर आए वरिष्ठ पार्षद अमित छाबड़ा (जो कांग्रेस शासनकाल में पालिका में नेता प्रतिपक्ष रहकर संघर्ष करते रहे) को चुनाव के दौरान निष्कासित कर दिया गया था। इसी तरह भारी अंतर से जीत दर्ज करने वाली श्रीमती प्रीति चमन समुदे को निष्कासित करने के बावजूद बहुमत वाली भाजपा पालिका परिषद की पीआईसी में जगह दी गई, जबकि 20 वर्षों से पार्टी का चेहरा रहे अमित छाबड़ा को दरकिनार रखा गया। हाल ही में गुणवत्ता के मुद्दे पर आवाज उठाने वाली सभापति प्रीति चमन समुदे को पीआईसी से बेदखल किए जाने के बाद से असंतोष और गहरा गया है। अब असंतुष्ट नेताओं का जमावड़ा अमित छाबड़ा के नेतृत्व में लामबंद हो रहा है।

वरिष्ठ भाजपा नेता के मार्गदर्शन में सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ता एकजुट हुए

शहर भाजपा में चल रहे अंतर्विरोध के बीच ग्रामीण क्षेत्रों से भी वरिष्ठ भाजपा नेता के नेतृत्व में सैकड़ो की संख्या में वरिष्ठ भाजपा नेताओं,निर्वाचित पंच , सरपंचों में , जिला भाजपा संगठन एवं वरिष्ठ भाजपा नेताओं की कार्यशैली को लेकर भारी असंतोष देखने व सुनने को मिल रहा है।

शहर के साथ-साथ ग्रामीण व एलबी नगर क्षेत्र में भी वरिष्ठ भाजपा नेताओं और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के बीच भारी आक्रोश है। दो बार के पूर्व जनपद सदस्य व क्षेत्र के कद्दावर आदिवासी नेता मनोज नेताम ने मीडिया से चर्चा में अपनी व्यथा जाहिर करते हुए कहा 'मैं संगठन के उच्च पदों पर बैठे नेताओं के क्रियाकलाप और उपेक्षा से बुरी तरह परेशान हूँ। डोंगरगढ़ विधानसभा क्षेत्र से आने और आदिवासी वर्ग से संबंध रखने के बावजूद संगठन में मुझे आज तक कोई जिम्मेदारी या पद नहीं दिया गया। जब मेरी कोई पूछ-परख ही नहीं है, तो मैं किसके लिए काम करूँ? इससे बेहतर है कि मैं राजनीति से दूर रहकर अपना काम करूँ।' सामूहिक इस्तीफे और वायरल हो रहे पत्रों से डोंगरगढ़ का भाजपा संगठन पूरी तरह बैकफुट पर आ गया है और आने वाले दिनों में यह अंतर्कलह जिला संगठन के लिए बड़ी सिरदर्दी साबित हो सकती है।

राजनांदगांव में तीसरा निःशुल्क महिला कैंसर जांच एवं परामर्श शिविर 30 जुलाई को

राजनांदगांव(दावा)। महिलाओं में बढ़ते स्तन और गर्भाशय कैंसर के प्रति जागरूकता लाने के लिए सुंदरा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल और वी वाई हॉस्पिटल द्वारा तीसरे निःशुल्क महिला कैंसर जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह एक दिवसीय शिविर आगामी 30 जुलाई (गुरुवार) को सुंदरा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के ओपीडी हॉल में आयोजित होगा, जिसका समय सुबह 09ः00 बजे से दोपहर 04ः00 बजे तक निर्धारित है।इस विशेष शिविर में महिलाओं को स्तन कैंसर की पहचान के लिए 'मैमोग्राफी' (स्तन का एक्स-रे) और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की जांच के लिए 'पैप स्मियर टेस्ट' की अत्याधुनिक सुविधाएं दी जाएंगी। सामान्य दिनों में इन जांचों का बाजार मूल्य लगभग 6000 रुपये होता है, लेकिन इस शिविर में यह सभी सेवाएं केवल मामूली ओपीडी शुल्क पर पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध रहेंगी। साथ ही अनुभवी स्त्री रोग विशेषज्ञों द्वारा उचित परामर्श भी दिया जाएगा। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य कैंसर की समय पर पहचान कर महिलाओं की जान बचाना है। आयोजकों ने क्षेत्र की महिलाओं से इस शिविर का लाभ उठाने की अपील की है। अग्रिम पंजीकरण के लिए मोबाइल नंबर 78987-73100, 94079-42444 या 76102-62000 पर संपर्क किया जा सकता है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक भाई बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देव बाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक भाई बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. - 07744-406631, e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com